3 राजधानी
पेंशनरों के दुख दूर करेगी दिल्ली सरकार

6 अभिमत
सार्वजनिक हित में कदम उठाए सरकार

11 विदेश
बचे हुए सिख और हिंदू भी छोड़ रहे अफगानिस्तान

12 कॅरियर
बैंकिंग परीक्षाओं में कामयाबी के सूत्र

RNI NO. DELHI/2012/48369
वर्ष 8 अंक 322
नई दिल्ली, सोमवार, 28 सितंबर, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

मयंक अग्रवाल का शतक भी नहीं दिला सका जीत
स्पोर्ट्स-10

www.dailypioneer.com

चंद सालों में टूटा-बिखरा एनडीए

- अकाली दल, शिवसेना टीडीपी जैसे अहम सहयोगियों के अलावा कई क्षेत्रीय दलों ने भी छोड़ा भाजपा नीत गठबंधन
- बिहार में जदयू-लोजपा, तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक, पूर्वोत्तर की कुछ पार्टियां ही हैं साथ

दीपक के उप्रेती। नई दिल्ली

सबसे पुराने सहयोगी शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबधंन (एनडीए) से अलग होने का लोकसभा में 303 सदस्यों वाली भाजपा पर कोई असर नहीं पड़ेगा लेकिन उसके अपने सर्वकालिक राजनीतिक नारे 'सबका साथ, सबका विकास' को ठेस जरूर पहुंचेगी।

एनडीए में अब जनता दल (यू), लोजपा, जन नायक जनता पार्टी, अपना दल तथा पूर्वोत्तर के कुछ मुट्ठीभर क्षेत्रीय संगठन ही रह गए हैं। लोकसभा में शिअद के केवल दो सदस्य हैं जिसमें हरसिमरत कौर शामिल हैं। उन्होंने हाल ही में संसद द्वारा पारित तीन कृषि विधयेकों के खिलाफ शिअद के विरोध के बाद मोदी सरकार से इस्तीफा दे दिया था। शिअद के तीन राज्यसभा सदस्यों में बलविंदर सिंह भुंडर, नरेश गुजराल तथा सुखदेव सिंह ढींढसा शामिल हैं। वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव की पूर्व संध्या तथा चुनाव में जीत के तुरंत बाद भाजपा ने एनडीए में 36 सहयोगी दलों के शामिल होने का दावा किया था, जिसमें बड़ी पार्टियां तेलगुदेशम (तेदेपा), शिवसेना तथा शिअद, जदयू और देश भर की कई क्षेत्रीय पार्टियां शामिल थीं।

एक साल में शिअद की विदाई और भाजपा के साथ शिवसेना का संयम टूटने तथा 2018 में दो साल पहले तेदेपा का एनडीए से बाहर होने का फैसला यह दर्शाता है कि लोकसभा चुनाव में जबरदस्त जीत हासिल करने के बाद भाजपा खुद को आगे बढ़ाने की अपनी योजना पर अमल कर रही है। जम्मू-कश्मीर में महबूबा मुफ्ती की पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) तथा बिहार में उपेंद्र कुशवाहा की आरएसएलपी ने विभिन्न राजनीतिक कारणों से एनडीए को छोड़ा था। एनडीए का जन्म अटल बिहारी वाजपेयी के दौर में हुआ था और 2014 के बाद में इसमें काफी बदलाव आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सरकार तथा पार्टी मामलों पर अपने पकड़ सख्त की और राज्यों में भाजपा के 'तेजी से विस्तार' का लक्ष्य बनाया तथा भाजपा अपनी नीतियां लेकर आई। जाहिर है इससे सहयोगी दल खतरा महसूस करने लगे हैं। एनडीए में निर्णय लेने की व्यवस्था का किसी हद तक केंद्रीयकरण हो जाना भी पूर्वोत्तर में सहयोगी दलों में असंतोष पैदा करने लगा है जिसके चलते असोम गण परिषद ने नागरिक (संशोधन) विधेयक के विरोध में एनडीए से नाता तोड़ लिया था लेकिन बाद में फिर शामिल हो गया था। एक अन्य क्षेत्रीय (शेष पेज 9)

जमीनी राजनीति को धार दे रहे बादल, ममता-उद्धव भी साथ

- विपक्षी एकजुटता का आह्वान करते अकाली दल प्रमुख ने किया ऐलान, अक्टूबर में निकालेंगे किसान मार्च

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/चंडीगढ़

पंजाब के रोपड़ में अपने समर्थकों को संबोधित करते सुखबीर सिंह बादल

कृषि बिलों के खिलाफ राजग से सालों पुराना नाता तोड़ने के बाद, शिरोमणि अकाली दल (शिअद) किसानों के हक में लंबी लड़ाई को तैयार हो रहा है। जमीनी राजनीति को धार देते अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने एनडीए से अलग होने के अगले दिन रविवार को देशव्यापी आंदोलन का ऐलान और विपक्षी एकजुटता का आह्वान किया। उन्हें पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ ममता बनर्जी की तृणमूल और महाराष्ट्र में सरकार चला रही उद्धव ठाकरे की शिवसेना से तत्काल सकारात्मक प्रतिक्रिया भी मिली लेकिन पंजाब में, अकालियों की मुख्य प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस ने राजग छोड़ने को सिर्फ राजनीतिक मजबूरी बताकर साफ कर दिया कि ऐसी एकजुटता में उसकी कोई रुचि नहीं है। सुखबीर बादल जो पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री भी हैं, ने रोपड़, होशियारपुर और फगवाड़ा में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। केंद्र सरकार को किसान विरोधी करार देते बादल ने उनके हित में लंबी लड़ाई की तैयारी का खाका सामने रखा। उन्होंने बताया कि आगामी अक्टूबर में व्यापक स्तर पर किसान मार्च निकाला जाएगा।

धरना प्रदर्शनों के जरिये तीनों कृषि विधेयकों को वापस लेने के लिए केंद्र पर दबाव बढ़ाया जाएगा और इस मांग के साथ राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को वे लोग ज्ञापन भी सौंपेंगे। बादल ने कहा कि पिछले सप्ताह पारित विवादास्पद कृषि विधेयकों का (शेष पेज 9)

बेकाबू कोरोना, संक्रमितों की संख्या हुई 60 लाख

- अगले एक हफ्ते में एक लाख से अधिक हो सकता है महामारी में जान गंवाने वालों का आंकड़ा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश में कोरोना महामारी बेकाबू होती जा रही है। रविवार को 88,600 नए मरीजों के साथ सक्रंमित होने वालों की संख्या 59,92,533 पहुंच गई है। यानी 60 लाख में सिर्फ साढ़े सात हजार मरीज ही कम हैं। महामारी से मरने वालों का आंकड़ा भी 94,503 हो गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे के बुलेटिन के मुताबिक बीते 24 घंटों में संक्रमण से 1,124 मौतें हुईं।

यही स्थिति नहीं संभली तो अगले एक सप्ताह में जान गंवाने वालों की संख्या भी एक लाख को पार कर जाएगी। हालांकि स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि घबराने की कोई बात नहीं है, क्योंकि बीते 24 घंटे में कोविड-19 से 92,043 मरीजों के ठीक होने के साथ ही भारत में इस महमारी को मात देने वालों की संख्या 50 लाख के करीब पहुंच गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को बताया कि उपचाराधीन मरीजों के मुकाबले ठीक वालों की संख्या 39,85,225 अधिक है।

कुछ दिनों से रोजाना ठीक होने वाले मरीजों की औसत संख्या 90 हजार से अधिक है, जबकि नए मरीज इससे कम आ रहे हैं और लगातार घट रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि ठीक होने की संख्या बढ़ने के साथ देश में कोविड-19 (शेष पेज 9)

देश हर्ड इम्यूनिटी से अभी दूर: हर्षवर्धन

नई दिल्ली। भारत में भले कोरोना रिकवरी रेट 80 प्रतिशत के पार पहुंचने का दावा किया जा रहा हो, लेकिन खतरा इसलिए कम नहीं हुआ है, क्योंकि ठीक होने वाले लोग दोबारा संक्रमित हो रहे हैं। साथ ही रविवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि भारत के लोग अभी हर्ड इम्यूनिटी से बहुत दूर हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने सीरो सर्वे की दूसरी रिपोर्ट के हवाले से कहा कि हमें कोरोना-19 को लेकर सुस्त नहीं होना चाहिए बल्कि गंभीरता से नियमों का पालन करना चाहिए।

चीन नहीं, ब्रिटेन और दुबई से आई महामारी

नई दिल्ली। कोरोना वायरस चीन से निकला और दुनियाभर को पंगु बना दिया। महामारी से लाखों लोगों की जान चली गई है। हालांकि, भारत में कोरोना वायरस सीधे चीन से नहीं, बल्कि ब्रिटेन और दुबई से आया है। आईआईटी की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-मंडी द्वारा किए गए विश्लेषण में कहा गया है कि दुबई और ब्रिटेन से आए यात्री भारत में कोविड-19 संक्रमण लाने वाले प्रारंभिक स्रोत रहे हैं। 'जर्नल ट्रैवल ऑफ मेडिसिन' में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार भारतीय राज्यों में कोविड-19 का आगमन मुख्य रूप से दूसरे देशों से आने वाले यात्रियों से हुआ। आईआईटी-मंडी में सहायक प्राध्यापक सरिता आजाद ने बताया कि रिपोर्ट तैयार करने के लिए रोगियों के यात्रा इतिहास का इस्तेमाल कर पहले चरण में कोविड-19 के प्रसार के बारे में पता लगाया गया। उन्होंने कहा कि शोध टीम ने आंकड़ों के प्रारंभिक स्रोत के रूप में रोगियों के जनवरी से अप्रैल तक के यात्रा इतिहास का उपयोग किया।

दीपिका, सारा और श्रद्धा के फोन जब्त, जांच टीम से मिले अस्थाना

- एनसीबी प्रमुख ने की केस की समीक्षा गोवा से मुंबई पहुंचे करण जौहर से भी हो सकती है पूछताछ

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

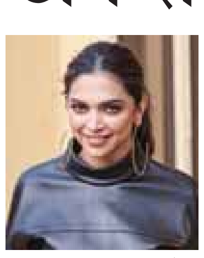

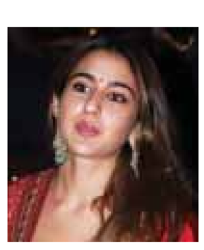

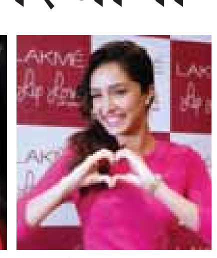

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े ड्रग मामले में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने बॉलीवुड की तीन अभिनेत्रियों दीपिका पादुकोण, सारा अली खान और श्रद्धा कपूर के मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं।

इनकी फारेंसिक जांच कराई जाएगी, ताकि ड्रग के पूरे जाल का पर्दाफाश हो सके। तीनों अभिनेत्रियों से शनिवार को कई घंटे पूछताछ हुई थी। इसके बाद रविवार को एनसीबी मुखिया राकेष अस्थाना ने एसआईटी के साथ बैठक कर मामले की समीक्षा की है। एनसीबी के अधिकारी ने इस बात की पुष्टि की है कि दीपिका, श्रद्धा व सारा अली खान के अलावा करिश्मा प्रकाश, रकुल प्रीत सिंह, सिमोन खंबाटा और जया शाह के मोबाइल फोन भी कब्जे में लिए गए हैं। एनसीबी सभी के मोबाइल फोन को खंगालेगी ताकि वह इस ड्रग्स चैट के पूरे जाल का पर्दाफाश कर सके।

इस बीच, मुंबई में रविवार को एनसीबी की एसआईटी के साथ हुई बैठक में एजेंसी प्रमुख राकेश अस्थाना ने सुशांत सिंह राजपूत की मौत में ड्रग ऐंगल की जांच की प्रगति को लेकर बात की। इसके अलावा बैठक में साल 2019 में करण जौहर की पार्टी को लेकर चर्चा हुई। बता दें कि अकाली दल के नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने राकेश अस्थाना से इस पार्टी को लेकर शिकायत की थी। हालांकि एनसीबी के डिप्टी डायरेक्टर जनरल मुथा अशोक जैन ने शनिवार को ही स्पष्ट कर दिया था कि करण जौहर की पार्टी के वीडियो की जांच नहीं होगी। यह वीडियो सुशांत की मौत की जांच से संबंधित नहीं है। एनसीबी अगले तीन दिनों में अपने डीजी को रिपोर्ट सौंप सकती है।

इस बीच, फिल्म डायरेक्टर और प्रोड्यूसर करण जौहर गोवा से मुंबई पहुंच गए हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि एनसीबी टीम करण जौहर से भी ड्रग मामले में पूछताछ कर सकती है। हालांकि, करण जौहर ने साफ कर दिया कि 28 जुलाई 2019 की जिस पार्टी में ड्रग परोसने की बात कही जा रही है, वह पूरी तरह गलत है। इस मामले में लंबी पूछताछ के बाद शनिवार को (शेष पेज 9)

कृषि विधेयकों पर राष्ट्रपति की मुहर, प्रधानमंत्री ने सराहा

नई दिल्ली (पीएनएस)। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने रविवार को तीन कृषि विधेयकों को मंजूरी दी, जिनके चलते इस समय एक राजनीतिक विवाद खड़ा हुआ है और खासतौर से पंजाब और हरियाणा के किसान विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। गजट अधिसूचना के अनुसार राष्ट्रपति ने तीन विधेयकों को मंजूरी दी। ए विधेयक हैं- 1) किसान उपज व्यापार एवं वाणिज्य (संवर्धन एवं सुविधा) विधेयक, 2020, 2) किसान (सशक्तिकरण एवं संरक्षण) मूल्य आश्वासन अनुबंध एवं कृषि सेवाएं विधेयक, 2020 और 3) आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक, 2020। किसान उत्पाद व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) विधेयक, 2020 का उद्देश्य विभिन्न राज्य विधानसभाओं द्वारा गठित कृषि उपज विपणन समितियों (एपीएमसी) द्वारा विनियमित मंडियों के बाहर कृषि उपज की बिक्री की अनुमति देना है। किसानों (सशक्तिकरण एवं संरक्षण) का मूल्य आश्वासन अनुबंध एवं कृषि सेवाएं विधेयक का उद्देश्य अनुबंध खेती की इजाजत देना है। आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक अनाज, दालों, आलू, प्याज और खाद्य तिलहन जैसे खाद्य पदार्थों के उत्पादन, आपूर्ति, वितरण को विनियमित करता है। संसद ने पिछले सप्ताह इन विधेयकों को मंजूरी दी थी और इनका मकसद कृषि क्षेत्र का उदारीकरण करना और किसानों को बेहतर कीमत के लिए अपनी उपज कहीं भी बेचने की इजाजत देना है।

दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को गांव, किसान और देश के कृषि क्षेत्र को आत्मनिर्भर भारत का आधार बताते हुए कहा कि ये जितने मजबूत होंगे, आत्मनिर्भर भारत की नींव भी उतनी ही मजबूत होगी। आकाशवाणी पर मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 69वीं कड़ी में अपने विचार व्यक्त करते हुए मोदी ने कहा कि संसद से पारित कृषि सुधार विधेयकों के पारित होने के बाद देशभर के किसानों को अब उनकी इच्छा के अनुसार, जहां ज्यादा दाम मिले वहां बेचने की आजादी मिल गई है। मोदी ने इस अवसर पर कई राज्यों के किसानों और कुछ किसान संगठनों के अनुभवों तथा उनकी सफल कहानियों को (शेष पेज 9)

चुनावी मौसम में जनता दल-यू के हो गए पूर्व डीजीपी गुप्तेश्वर

- पार्टी में शामिल होने के बाद बोले- राजनीति में आने को खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा था

पायनियर समाचार सेवा। पटना

पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समक्ष जदयू की सदस्यता लेते गुप्तेश्वर पांडेय

बिहार के पूर्व डीजीपी गुप्तेश्वर पांडेय रविवार को जनता दल यूनाइटेड में शामिल हो गए। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

जदयू में आने के बाद गुप्तेश्वर पांडेय ने कहा कि नीतीश कुमार ने उन्हें राजनीति में कदम रखने को कहा था। वह हमारे नेता हैं। जो भी हमसे कहेंगे, वह करूंगा। हाल ही में गुप्तेश्वर पांडेय ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) ली थी। इसके बाद से ही उनके राजनीति में जाने के कयास लगाए जा रहे थे। गुप्तेश्वर पांडेय 2019 में बिहार के डीजीपी बने थे। सुशांत सिंह राजपूत केस को लेकर वह देशभर में चर्चित हो गए थे। पार्टी की सदस्यता लेने से पहले पांडेय ने शनिवार को जेडीयू के प्रदेश मुख्यालय जाकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की थी।

इसके बाद से ही उनके जेडीयू का दामन थामने और विधानसभा चुनाव लड़ने की अटकलें लगाई जाने लगी थीं। गुप्तेश्वर के अपने पैतृक जिले बक्सर से विधानसभा चुनाव लड़ने की संभावना है।

मीडिया रपटों के अनुसार गुप्तेश्वर को वाल्मीकिनगर लोकसभा सीट के लिए होने वाले उपचुनाव में टिकट दिया जा सकता है। निवर्तमान जेडीयू सांसद बैद्यनाथ महतो के निधन से यह सीट खाली हुई थी।

बाजार

सेंसेक्स	37,388	
निफ्टी	11,050	
सोना	50,824	/10g
चांदी	60,536	/kg

क्विक न्यूज

जम्मू कश्मीर में मुठभेड़ दो आतंकवादी हुए ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में सुरक्षा बलो के साथ मुठभेड़ में दो अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया गया। पुलिस ने इस बारे में जानकारी दी है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के अवंतीपुरा इलाके के सम्बूरा में आतंकवादियों के छिपे होने की गुप्त सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया एवं वहां तलाश अभियान चलाया। उन्होने बताया कि सुरक्षा बल इलाके में तलाश अभियान चला रहा थे, इसी दौरान आतंकवादियों ने उन पर गोली चला दी। सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की जिसके बाद यह मुठभेड़ शुरू हो गई। अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ में दो आतंकवादियों को मार गिराया गया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान और वे किस समूह से जुड़े हुए थे, इस बारे में पता लगाया जा रहा है।

राजनीति में राजपूती ठसक घोलने वाले जसवंत सिंह का निधन

- राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सहित कई नेताओं ने जताया शोक, लंबे समय से थे बीमार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विदेश, वित्त और रक्षा मंत्री बनने का गौरव हासिल करने वाले एवं पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी के बेहद करीबी रहे पूर्व केन्द्रीय मंत्री जसवंत सिंह का लंबी बीमारी के बाद रविवार को यहां निधन हो गया। वह 82 वर्ष के थे।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राजस्थान, बिहार और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों और भाजपा व अन्य दलों के वरिष्ठ नेताओं ने सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। भाजपा के संस्थापक सदस्य रहे सिंह ने दिल्ली में सेना के रिसर्च एंड रेफरल अस्पताल में अंतिम सांस ली। सैन्य अस्पताल ने एक बयान जारी कर कहा, 'बड़े दुख के साथ सूचित किया जा रहा है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री जसवंत सिंह का आज सुबह 6.55 बजे निधन हो गया। उन्हें 25 जून को भर्ती कराया गया था। आज सुबह दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हुआ।' बयान में कहा गया कि विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने उन्हें बचाने का भरपूर प्रयास किया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। जसवंत सिंह का जोधपुर में उनके फार्म हाउस में रविवार शाम को अंतिम संस्कार किया गया।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जसवंत सिंह के पुत्र मानवेन्द्र सिंह ने उन्हें मुखाग्नि दी। जोधपुर के सिविल एयरपोर्ट के पास स्थिति फार्म हाउस में अंतिम संस्कार के समय सिंह के परिवार के सदस्य और रिश्तेदार मौजूद थे। पूर्व सैन्य अधिकारी सिंह अगस्त 2014 में अपने घर में गिरने के बाद से बीमार थे। उन्हें सेना के रिसर्च एंड रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके बाद से उन्हें कई बार अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस साल जून में उन्हें दोबारा अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

तीन जनवरी, 1938 को बाड़मेर जिले के जसोल गांव में जन्मे जसवंत सिंह भाजपा के उन गिने-चुने नेताओं में से थे जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पृष्ठभूमि से नहीं आते थे। इसके बावजूद उन्होंने वाजपेयी सरकार में देश के विदेश, वित्त और रक्षा मंत्री बनने का गौरव हासिल किया। वर्ष 1996 में वह वाजपेयी की 13 दिन की सरकार में वित्त मंत्री बनाए गए थे। वाजपेयी ने ही उन्हें योजना आयोग का उपाध्यक्ष बनाया था। वाजपेयी के प्रधानमंत्रित्व काल के दौरान वह विदेश मंत्री बने। उनकी पुस्तक 'जिन्ना-इंडिया, पार्टीशन, इंडिपेंडेंस' प्रकाशित होने के सिर्फ दो दिनों के बाद ही उन्हें भाजपा की

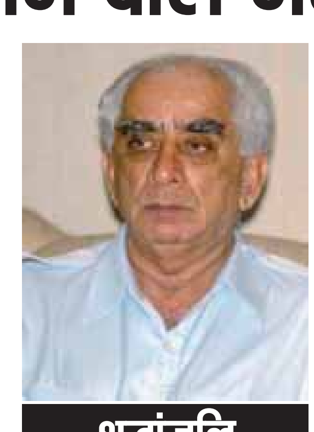

श्रद्धांजलि

प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया था।

वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में सिंह को जब भाजपा ने टिकट नहीं दिया तो वह निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में राजस्थान के बाड़मेर से मैदान में उतरे थे। हालांकि उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा था। जसवंत सिंह ने पश्चिम बंगाल के दार्जीलिंग संसदीय क्षेत्र का भी लोकसभा में प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने प्रतिष्ठित मेयो कॉलेज और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़कवासला में पढ़ाई की। 19 साल की उम्र में वे रक्षा सेवाओं में शामिल हो गए आठ साल नौकरी करने के बाद के 1965 में उन्होंने इस्तीफा दे दिया और राजनीति में कूद पड़े। राजनीति में शुरुआती दौर में उन्हें बहुत सफलता नहीं मिली। उन्हें 1980 तक इंतजार करना पड़ा जब भाजपा ने उन्हें राज्यसभा भेजा। इसके बाद से संसद में उनकी उपस्थिति लगातार 2014 तक रही।

इस दौरान वे पांच बार उच्च सदन के सदस्य चुने गए जबकि चार बार लोकसभा सांसद चुने गए। वे एक सक्षम प्रशासक थे लेकिन वर्ष 1999 में कंधार विमान अपहरण कांड के दौरान तीन आतंकवादियों को अपने साथ विमान से कंधार ले जाने को लेकर जसवंत सिंह की अकसर आलोचना होती रही। राष्ट्रपति कोविंद ने उन्हें उत्कृष्ट सांसद, असाधारण जननेता और बुद्धिजीवी करार देते हुए कहा, 'जसवंत सिंह ने अनेक कठिन भूमिकाओं को सहजता और धैर्य के साथ निभाया। उनके परिवार, मित्रों और सहयोगियों के प्रति मेरी शोक-संवेदना।' प्रधानमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा, 'जसवंत जी को राजनीति तथा समाज से संबंधित मामलों में उनके अद्वितीय दृष्टिकोण के लिए याद किया जाएगा। उन्होंने भाजपा को मजबूती देने में भी योगदान दिया।

मैं उनके साथ हुए संवाद को याद कर रहा हूं। मेरी ओर से उनके परिवार और समर्थकों के प्रति संवेदनाएं। ओम् शांति। मोदी ने कहा कि अटल जी की सरकार में उन्होंने वित्त, रक्षा और विदेश मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों को संभाला और इन क्षेत्रों में गहरी छाप छोड़ी। उनके निधन से दुखी हूं। प्रधानमंत्री ने जसवंत सिंह के पुत्र मानवेंद्र सिंह से फोन पर बात की और अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं। मोदी ने कहा कि जसवंत सिंह बहुत बहादुरी से (शेष पेज 9)

शरद पवार ने उद्धव से मुलाकात की

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार ने रविवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मुलाकात की। यह मुलाकात महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और शिवसेना सांसद संजय राउत की बैठक के एक दिन बाद हुई है जिससे राजनीतिक कयासों का दौर शुरू हो गया है। सूत्रों ने बताया कि पवार ने उद्धव ठाकरे के आधिकारिक आवास पर मुलाकात की और यह करीब 40 मिनट तक चली। हालांकि, दोनों नेताओं की बैठक के दौरान क्या बातचीत हुई, इसकी तत्काल जानकारी नहीं मिल सकी है। सूत्रों ने हालांकि बताया कि राज्य में भविष्य के अनलॉक और कोविड-19 की स्थिति कुछ मुद्दे रहे, जिनपर दोनों नेताओं ने बैठक के दौरान चर्चा की। उल्लेखनीय है कि शनिवार को मुंबई के एक होटल में फडणवीस और राउत ने मुलकात (शेष पेज 9)

टीम नड्डा का हिस्सा नहीं बन पाया हरियाणा का कोई नेता

प्रदेश के किसी नेता को नहीं मिली राष्ट्रीय कार्यकारणी में जगह

आस लगाए बैठे कई नेताओं की उम्मीदों पर फिर गया पानी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

भारतीय जनता पार्टी की शनिवार को घोषित हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी से हरियाणाा के कई उन नेताओं को झटका लगा है, जो राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की टीम का हिस्सा बनने की आस लगाए बैठे थे।

इस बार हरियाणा के किसी भी नेता को टीम नड्डा में शामिल नहीं किया गया है। हरियाणा से आमतौर पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी में नेताओं को हिस्सेदारी मिलती रही है। कयास लगाए जा रहे थे कि इस बार भी हरियाणा के एक-दो नेताओं को बड़ी जिम्मेवारी मिल सकती है। मगर किसी भी नेता को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल करने की आस लगाए बैठे कई नेताओं की उम्मीदों पर पानी फिर गया है।

पिछले दिनों ही हरियाणा में बीजेपी अध्यक्ष पद पर पूर्व कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ की नियुक्ति के बाद से विधानसभा चुनाव में हारे हुए दिग्गज मंत्रियों की नजर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की टीम पर थी। खासतौर पर उन नेताओं का तो नड्डा की टीम में शामिल होना तय माना जा रहा था जो प्रदेशाध्यक्ष पद की दौड़ में शुरू से आखिर तक रहे। इनमें मुख्य तौर पर हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु व पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा का नाम टीम नड्डा में तय माना ता रहा था। इसके अलावा पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य सुधा यादव, पूर्व मंत्री कविता जैन, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर के अलावा कई पूर्व मंत्री व नेता राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शमिल होने की उम्मीद लगाए बैठे थे और कई नेता तो बाकायदा लॉबिंग में जुटे थे।

बीजेपी की घोषित हुई इस राष्ट्रीय कार्यकारिणी में पहला ऐसा मौका है जब हरियाणा के किसी नेता को शामिल नही किया गया। इससे पहले कैप्टन अभिमन्यु अमित शाह की टीम में पंजाब प्रांत के सहप्रभारी के रूप में काम देख रहे थे और वे बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्त ाभी रहे है। सुधा यादव भी पूर्व में अमित शाह की टीम में राष्ट्रीय सचिव के अहम पद पर रही और अब वह पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य है। पूर्व कैबिनेट मंत्री बीरेन्द्र सिंह भी अमित शाह की टीम का हिस्सा रहे। इसके अलावा हरियाणा के कई नेता राष्ट्रीय कार्यकारिणी में अहम पदो पर रहे है।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी में हरियाणा के किसी भी नेता को जगह ना मिलने का सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है कि फिलहाल हरियाणा में कोई चुनाव नही है। दूसरा सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है कि हालही में बनाए गए हरियाणा में बीजेपी अध्यक्ष पूर्व कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ व मनोहरलाल के कामकाज में कोई दिक्कत पेश ना हो। अगर किसी बड़े नेता को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में अहम जिम्मेवारी दे दी तो प्रदेश में गुटबाजी को बढ़ावा मिलने की संभावनाए बनी रहेगी।

कौन होगा बीजेपी का अगला प्रभारी

पिछले करीब छह साल से हरियाणा के प्रभारी रहे डॉ. अनिल जैन को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में जगह नही मिली, जिससे यह तय हो गया है कि अब नए प्रभारी को हरियाणा की कमान सौंपी जाएगी। डॉ. अनिल जैन दिल्ली दरबार में काफी प्रभावी रहे हैं और केंद्रीय नेतृत्व की इच्छानुसार अनेक प्रदेशों में चुनाव व संगठन का काम देखते रहे हैं। उन्ही के नेतृत्व में हरियाणा में लोकसभा की सभी दसों सीटें जीती थी। अब उन्हे राष्ट्रीय कार्यकारिणी में जगह नही मिली। ऐसे में तय हो गया है कि किसी नए प्रभारी को हरियाणा की कमान सौंपी जाएगी।

हरियाणा की सारी कपास खरीदेगा केंद्र : मनोहर लाल

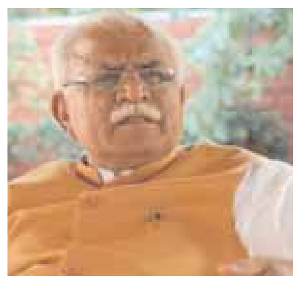

केंद्रीय मंत्री के साथ हुई बैठक में खरीद केंद्र बढ़ाने का फैसला

चंडीगढ़। केंद्र सरकार ने हरियाणा में इस बार शतप्रतिशत कपास खरीदने का आश्वासन दिया है। यही नहीं केंद्र सरकार हरियाणा में कपास के खरीद केंद्र बढ़ाने को लेकर भी राजी हो गया है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल तथा उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने इस मुद्दे को लेकर केंद्रीय वस्त्र मंत्री स्मृति इरानी जुबिन के साथ मुलाकात की।

बैठक में कपास खरीद प्रकिया के संदर्भ केंद्रीय वस्त्र मंत्री से विचार-विमर्श हुआ। बैठक के उपरांत हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बताया कि भारतीय कपास निगम द्वारा एक अक्तूबर से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कपास की खरीद की जाएगी। हरियाणा में पिछले वर्ष कपास खरीद केंद्रों की संख्या 20 थी, जो इस बार बढाकर 40 की जा रही है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि कपास खरीद प्रकिया के दौरान कपास के संदर्भ में पहले से निर्धारित 12 प्रतिशत तक नमी के मापदंड का भारतीय कपास निगम द्वारा अनुसरण किया जाएगा और इसमें कोई परिवर्तन किए जाने की सहमति नहीं दी गई।

मुख्यमंत्री ने कहा पिछले वर्ष प्रदेश में कुल कपास उत्पादन की 30 प्रतिशत ही खरीद हो सकी थी। इस बार भारतीय कपास निगम द्वारा किसानों की कपास की शत प्रतिशत खरीद की जाएगी। आढतियों के माध्यम से 1.25 प्रतिशत कमीशन प्रणाली पर खरीद किए जाने के सुझाव पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इस संदर्भ में केंद्र की ओर से कोई आश्वासन नहीं दिया गया है। गत वर्ष भी कपास की खरीद आढतियों के माध्यम नहीं की गई थी। धान खरीद प्रबंधों के संदर्भ में हरियाणा के मुख्यमंत्री ने कहा कि धान मंडियों में आना प्रारंभ हो गया है। खरीद से संबंधित सभी प्रबंध सुनिश्चित किए हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

फसल का पूरा मूल्य और सरकारी खरीद शुरू : पाड़ला

कैथल। जन-नायक जनता पार्टी स्वर्गीय ताऊ देवी लाल की नीतियों पर चलने वाली पार्टी है। जिस प्रकार जननायक ताऊ देवी लाल ने गरीब, किसान, मजदूर व कमेरे वर्ग के उत्थान के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया उसी प्रकार आज हरियाणा के उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला भी सरकार में किसानों व मजदूरों के हितों की लगातार पैरवी कर रहे है। किसानों व कमेरे वर्ग को उनके अधिकार दिलवाने के लिए दुष्यंत चौटाला प्रतिबद्ध है। ये बातें जजपा सह-प्रवक्ता हरदीप एडवोकेट ने जिला पार्टी कार्यालय में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही। हरदीप ने कहा की जब से जजपा की सत्ता में भागीदारी हुई है तब से उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला निरन्तर किसान हितैषी फैसले ले रहे है। करोना जैसी बीमारी के चलते गेहूं खरीद में किसी भी तरह की दिक्क्त न आने देना व तय सीमा के अंदर सारी खरीद का भुगतान करना अपने आप में एक मिसाल है। हरदीप ने कहा की हम विश्वास से कह सकते है की जब तक जजपा की सत्ता में भागीदारी है किसान, मजदूर और कमेरे वर्ग के अधिकारों पर किसी तरह की आंच नहीं आएगी। इस मौके पर उनके साथ हल्का युवा प्रधान वीरेंद्र ढांडा, महिला जिला उपप्रधान चांदनी, शिव चेची, मोहित नैन व उसके साथ बहुत से कार्यकर्ता मौजूद थे।

सरकार ने अब मजदूर वर्ग के अधिकारों पर चलाई तलवारः कप्तान

रेवाड़ी। 300 श्रमिकों वाली कंपनी को उन्हें किसी भी समय हटाने संबंधी विधेयक पास करने पर कांग्रेस ने जनता पर इसे भाजपा का एक और प्रहार करार दिया है। कांग्रेस ने इसके विरोध में कल 28 सितंबर को चंडीगढ़ में महामहीम राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने का ऐलान किया है। पूर्व विधायक एवं कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे वरिष्ठ नेता कप्तान अजय सिंह यादव ने कहा कि भाजपा सरकार एक के बाद एक जन विरोधी कानून पास करने में लगी हुई है। पहले किसानों के हितों के खिलाफ तीन काले बिल पास किए और अब मजदूरों पर वार करते हुए नए कानून को मंजूरी दे दी है। संसद में पास हुए नए बिल के अनुसार अब 300 मजदूरों वाली कंपनी कभी भी अपने कर्मचारियों की छुट्टी कर सकती है। यादव ने बताया कि कृषि विधेयकों व श्रम विधेयकों के खिलाफ २८ सिंतबर सोमवार को कांग्रेस पार्टी चंडीगढ में राज्यपाल को ज्ञापन सौंपेगें। इस दौरान कांग्रेस पार्टी के प्रभारी विवेक बंसल, प्रदेश अध्यक्षा कुमारी शैलजा, विधायक दल के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा सहित सभी पूर्व मंत्री, विधायक, पूर्व विधायक उपस्थित रहेंगे। कैप्टन अजय सिंह ने कहा कि नए श्रम विधेयकों के जरिये 300 श्रमिकों से अधिक वाली कंपनी किसी भी समय बिना सरकार की अनुमति के उन्हें नौकरी से निकालने की अधिकारी होगी। इस कानून के तहत श्रर्मिकों पर बंदिश भी इस कानून के तहत रहेगी। वे हड़ताल करने के लिए कंपनी को ६० दिन पहले नोटिस देंगे।

समस्याओं का हल करना हमारा परिवार का उद्देश्य : चहल

कुरुक्षेत्र। सनातन धर्म की रक्षा के लिए हमारा परिवार कुरुक्षेत्र इकाई की बैठक हुई। इकाई के जिला प्रमुख रामेश्वर चहल अधिवक्ता ने हमारा परिवार के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि समस्याओं का हल हमारा परिवार का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि सभी संबंधों के आधार पर एक एक व्यक्ति तक पहुंचते समय संबंध विकसित करते संगठन का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हमारा परिवार की शुरुआत झंडेवालान दिल्ली से 9 व्यक्तियों से 17 सितंबर 2017 को दिल्ली के निकट गांव नूना माजरा से हुई थी। आज तक लगभग 5500 पंजीकरण हो चुके हैं और 175 कार्यकर्ताओं की विशाल कार्यकर्ता टीम काम कर रही है। इसके अलावा 12 कार्यकर्ताओं की केंद्रीय टोली है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता दर्शन लाल पाहवा ने बताया कि दिल्ली के अतिरिक्त हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, बिहार, इंग्लैंड व अमेरिका, इणडोनेशिया मिलाकर 51 इकाइयों का गठन किया गया है। इस दौरान संरक्षक प्रो. पुष्पा रानी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। बैठक में अजय शर्मा, हरबंस लाल, सुरेंद्र शर्मा, शिव कुमार, प्रेम मदान, विजय पुजारा, राजन शर्मा, सुरेंद्र हम्मबिरिया मौजूद रहे।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी ने शुरू किए गुरबाणी कंठ मुकाबले

विजेताओं को मिलेंगे 5100 और 2100 रुपये के विशेष पुरस्कार : विर्क

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते दिल्ली कमेटी के मेंबर सर्वजीत सिंह विर्क और अन्य।

छोटे बच्चों व किशोरों को गुरबाणी से जोड़ने के लिए दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी ने एक विशेष प्रतियोगिता शुरू की है। इस प्रतियोगिता के तहत विजेताओ को 5100-5100 रुपये और 2100-2100 रुपये के विशेष पुरस्कार देकर नवाजा जाएगा।

यह घोषणा दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के मेंबर जत्थेदार सर्वजीत सिंह विर्क ने की। वे रविवार को रोहिणी सेक्टर-16 में श्रीसुखमणि साहिब पाठ के समापन पर संगत को संबोधित कर रहे थे। विर्क ने बताया कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान जत्थेदार मनजिंदर सिंह सिरसा की सोच है कि देश और कौम दी चढ़दी कला के लिए गुरसिखी जीवनयापन अति जरूरी है। बच्चों को गुरबाणी से जोड़ कर ही यह मुकाम हासिल किया जा सकता है। विर्क ने बताया कि बच्चों व किशोर वर्ग को गुरबाणी से जोड़ने व उसमें उत्साह भरने के लिए गुरबाणी कंठ मुकाबला शुरू करने का फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि करीब चार महीने पहले जून में यहां सुखमणि साहिब पाठ की श्रृंखला शुरु की गई थी। सन् 1984 के दंगा पीड़ित सिख परिवारों के बच्चों को यहां विशेष रूप से प्रोत्साहित करने के लिए यह मुकाबले शुरू किए जा रहे हैं। मुकाबले के तहत श्रीसुखमणि साहिब पाठ की पहली 6 पौड़ी जुबानी (कंठस्थ) सुनाने वाले सभी बच्चों व किशोरों को 2100-2100 रुपये, अगली 6-6 पौड़ी जुबानी (कंठ) सुनाने वाले सभी बच्चों व किशोरों को भी 2100-2100 रुपये और श्रीसुखमणि साहिब पाठ की सभी 24 पौड़ी जुबानी सुनाने वाले सभी बच्चों व किशोरों को 5100-5100 रुपये प्रोत्साहन स्वरूप ईनाम दिया जाएगा। विर्क ने स्पष्ट किया कि यह सारी ईनाम राशि वे निजी कोष से देंगे। उन्होंने बताया कि दिल्ली कमेटी के प्रधान मनजिंदर सिंह सिरसा के नेतृत्व में कमेटी द्वारा जरूरतमंद लोगों की हर संभव सहायता की जा रही है। इसी कड़ी में आज बच्चों व किशोरों को दस्तारे वितरण की गई है। समापन पर विर्क ने सारी संगत से आह्वान किया कि कोरोना महामारी के चलते सरकार द्वारा जारी किए गए निर्देशों की पालना करें। मास्क का प्रयोग करते हुए सामाजिक दूरी बना कर रखें। इस अवसर पर अवतार सिंह, बलकार सिंह, दलेर सिंह, गुरमीत सिंह, बलविंदर सिंह, मक्खन सिंह, सलविंदर सिंह, दिलबाग सिंह, गुरदेव सिंह व जसबीर सिंह मौजूद रहे।

कैथल में सरकार के खिलाफ गरजा सर्व कर्मचारी संघ

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

स्वास्थ्य ठेका कर्मचारी यूनियन सम्बद्ध सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के बैनर तले रविवार को सेवा विस्तार व सेवा सुरक्षा की मांग को लेकर उपायुक्त कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन से पहले सभी ठेका कर्मचारी जिला सचिवालय में एकत्रित हुए। इसकी अध्यक्षता जिला प्रधान नरेश शर्मा ने व संचालन जिला सचिव मंगत राम ने किया। सभा को संबोधित करते हुए सर्व कर्मचारी संघ के जिला सचिव रामपाल शर्मा, सहसचिव ओमपाल भाल व प्रेस प्रवक्ता सतबीर गोयत ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों के तहत सफाई कर्मचारी, वार्ड सर्वेंट, माली, धोबी, इलेक्ट्रीशियन, प्लंबर, कंप्यूटर ऑपरेटर, फायरमैन, लिफ्ट अटेंडेंट आदि की सेवाएं दे रहे 11000 ठेका कर्मचारियों पर नौकरी जाने का खतरा मंडरा रहा है।

कोरोना संक्रमण काल में जनता की सेवा करने वाले इन फ्रंट लाइन कोरोना योद्धाओं के साथ हरियाणा सरकार ठेकाप्रथा के तहत उत्पीड़न कर रही है। उल्लेखनीय है कि बीमारी के संक्रमण से लड़ते हुए कई ठेका कर्मचारी स्वयं भी संक्रमित हो गए परंतु इसके बावजूद भी सभी ठेका कर्मचारियों की इसी 30 सितंबर को सेवाएं खत्म होने जा रही है। ठेका कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सर्व कर्मचारी संघ की जिला ऑडिटर सावित्री देवी व ब्लॉक सचिव शिवदत्त शर्मा ने कहा कि एक और जहां नौकरी जाने का खतरा बना हुआ है, वहीं दूसरी ओर नौकरी के दौरान भी ठेका कर्मचारियों के साथ भारी भेदभाव हो रहा है। उन्हें दो-दो, तीन-तीन महीने तक तनख्वाह तक नहीं मिलती, अधिकारियों द्वारा मनमर्जी से उनकी सेवाएं समाप्त करने की धमकियां दी जाती हैं। आलम यह है कि ना तो उन्हें अवकाश दिए जाते हैं। डीसी रेट के लिए भी बार-बार मांग पत्र देने प? रहे हैं। ठेका कर्मचारियों को अभी तक ईएसआई कार्ड तक जारी नहीं हुए हैं। इस अवसर पर बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन के जिला सचिव सुरेंद्र कुंडू, जिला उपप्रधान देवी रानी, सीटू के जिला कैशियर जयप्रकाश शास्त्री,हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के जिला प्रधान विजेंद्र मोर, कैशियर तरशेम सिंह, रामफल दयोरा,कर्मजीत, यादवेंद्र व सैंकड़ो स्वास्थ्य ठेका कर्मचारी मौजूद रहे।

शहीद भगत सिंह के जन्मदिन पर चलाई 90 किमी साइकिल

सोनीपत। मां भारती रक्तवाहिनी की शाखा मां भारती साइकिल क्लब सोनीपत ने शहीद भगत सिंह के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सोनीपत से बहादुरगढ़ के बीच साइकिल यात्रा निकाली। जिसकी दूरी 90 किलोमीटर रही। यात्रा में 12 सदस्यों ने भाग लिया। यात्रा बहादुरगढ़ पहुंची तो यात्रा का कई संस्थाओं ने जोरदार स्वागत किया। जिसमें भारती अटल सेना व रुद्राक्ष जन कल्याण सेवा समिति मुख्य तौर पर सामिल रही। सभी संस्थाओं ने साइकिल यात्रा को सम्मानपूर्वक विदा किया। यात्रा का उद्देश्य समाज में साइकिल चलाने के प्रति जागरूक करना था। जिसमें संदेश दिया कि सभी को अपने रोजमर्रा के कम दूरी तक के कार्य साइकिल से ही करे। जिसे पर्यावरण भी स्वच्छ रहेगा और हमारा स्वास्थ्य भी अच्छा बना रहेगा।

अपने 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को स्कूटी व मोटरसाइकिल कतई नहीं दे, क्योकि वे उन्हें सुविधा नहीं दे रहे है, वे उन्हें स्कूटी देकर सडक़ दर्घटनाओं को बढ़ावा देने का कार्य कर रहे। इसलिए बच्चों को साइकिल ही दें। साइकिल क्लब के सदस्य प्रेम गौतम ने सरकार से निवेदन किया है कि सरकार सप्ताह में एक दिन साइकिल चलाने के लिए लोगों से अपील करें व इसे समाज में लागू करवाएं, ताकि सभी व्यक्ति साइकिल चलाने व पर्यावरण के प्रति अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

हरियाणा के छोरे ने एमडी की प्रवेश परीक्षा की टॉप

रेवाड़ी। शहर निवासी डॉ. सुमित यादव ने ऑल इंडिया नीट सुपर स्पेशयलिटी (डॉक्टरेट ऑफ मेडिसन) प्रवेश परीक्षा-२०२० में अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान पाकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। शहर के डॉक्टरों व सामाजिक संगठनों ने डॉ. सुमित को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है।

15 सितंबर को आए परीक्षा परिणाम डॉ. सुमित यादव की खुशी का ठिकाना नहीं था, कारण उन्हें अपनी मेहनत का फल मिला था। डॉ. सुमित यादव 400 अंकों वाली इस परीक्षा में 347 अंक लेकर अखिल भारतीय स्तर पर गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी में प्रथम स्थान हांसिल किया। साधारण परिवार में पले बढ़े डॉ. सुमित यादव ने रोहतक पीजीआईएमएस से एमबीबीएस तथा पटियाला स्थित गर्वन्मेंट मेडिकल कॉलेज से एमडी की।

हरियाणा दिवस : गूंजेगी पेंशन बहाली की आवाज : समिति

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

रविवार को पेंशन बहाली संघर्ष समिति हरियाणा की जिला सोनीपत, पानीपत, जींद और रोहतक कार्यकारिणी की मीटिंग गोहाना विश्राम गृह में संम्पन्न हुई। जिसमें निर्णय लिए गए कि ब्लॉक, जिला कार्यकारिणी को मजबूत कर आगामी आंदोलन के लिए अधिक से अधिक कर्मचारियों को पेंशन बहाली संघर्ष समिति हरियाणा से जोड़ा जाएगा। 2 अक्तूबर गांधी जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी के निर्णय अनुसार प्रदेश में पेंशन संकल्प दिवस मनाया जाएगा। चार अक्तूबर को फतेहाबाद में हिसार, सिरसा, फतेहाबाद जिला कार्यकारिणी की मीटिंग करके संगठन को मजबूत किया जाएगा। 11 अक्तूबर को अम्बाला में पंचकूला, यमुनानगर, कुरूक्षेत्र और करनाल जिला कार्यकारिणी की मीटिंग की जाएगी। एक नवंबर को हरियाणा दिवस पर सोनीपत, पानीपत, रोहतक, जींद के कर्मचारियों द्वारा गोहाना (सोनीपत) में पेंशन बहाली अधिकार दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र धारीवाल ने कहा कि सरकार से बार-बार मांग करने पर भी पेंशन बहाली की मांग को पूरा नहीं कर रही।

प्रेरणा

पायनियर हरियाणा
हमेशा सच के साथ

विकेश भारतीय
लेखक एवं मोटिवेशनल स्पीकर

उन्हें खुदा के घर में भी सुकून नहीं मिलता,
जिन्होंने किसी इंसान का दिल दुखाया हो,
गिराने की सजा बहुत सख्त है उसके यहां,
चाहे तुमने खुद को या किसी और को गिराया हो।

रौनक संस्था ने आयोजित किया वर्चुअल इंटरेक्शन सीरीज समारोह

कैथल। रौनकें नामक एक संस्था ने अपने संस्थापक वसुंधरा अग्रवाल एवं सह संस्थापक रक्षित जैन के सौजन्य से वर्चुअल इंटरेक्शन सीरीज के नाम से अपना एक नया प्रयास शुरू किया और हाल ही में इसका पहला एपिसोड सफलतापूर्वक पूरा हुआ। जिसका आयोजन संगठन के मुख्य आयोजक उज्जवल और आदित्य खुराना ने किया । इस पहले सत्र का विषय अभिभावकों के लिए बेहद खास था।

अकाली दल को कुछ गलतफहमी है जो जल्दी दूर कर ली जाएंगी : विज

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़।

बोले-कांग्रेस किसानों के कंधे पर रखकर बंदूक चला रहे थे वो बंदूक अब नहीं चलेगी

कृषि विधेयकों के विरोध में केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा दे चुकी हरसिमरत कौर बादल के बाद शनिवार को अकाली और भाजपा का सबसे पुराना गठबंधन टूट गया। अकाली दल ने समर्थन वापिस ले लिया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा कि उन्हें कुछ गलतफहमी है जो जल्दी दूर कर ली जाएंगी। विज ने कहा कि प्रधानमंत्री ने इसके बारे में स्पष्ट कर दिया है कि किसानों को एमएसपी और मंडी की जो चिंता है, इस बारे में कह दिया है कि दोनों ही रहेंगी। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है जिससे सभी की शंकाएं दूर होंगी। वहीं कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला द्वारा गठबंधन टूटने पर बयान दिया है। इस पर विज ने कहा कि सुरजेवाला को हर चीज टूटने में जीत नजर आती है, लेकिन हमको जोडने् में जीत नजर आती है। किसानों के समर्थन में कांग्रेस चंडीगढ़ में राज्यपाल को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देने जा रही है जिसको लेकर गृहमंत्री अनिल विज ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस करे प्रदर्शन, कांग्रेस ने सारी जिंदगी पकी-पकाई खाई है अब उन्हें मौका मिला है तो वे विपक्ष की भूमिका अच्छी तरह से निभाए।

विज ने कहा कि कांग्रेस जिन किसानों के कंधे पर रखकर बंदूक चला रहे थे वो बंदूक अब नहीं चलेगी क्योंकि किसानों को ये बात समझ आ गई है कि इस बिल में एक भी शब्द किसानों के खिलाफ नहीं है। कांग्रेस ने एमएसपी के लिए भड़काया था। सरकार ने एमएसपी भी बढ़ा दिया है, कल मंडियों में खरीद भी शुरू हो गई है अब तो कांग्रेस अपनी इज्जत बचाने के लिए इस तरह से प्रदर्शन कर रहे है।

सत्ता के रथ पर सवार होंगे हरियाणा भाजपा के कई नेता

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

सीएम ने नड्डा, शाह व संतोष से मुलाकात कर लगाई नियुक्तियों पर मोहर

हरियाणा में एक बार फिर से मंत्रिमंडल विस्तार तथा बोर्ड व निगमों के चेयरमैनों की नियुक्तियों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने पहले चरण में भाजपा अध्यक्ष ओपी धनखड़ और संगठन मंत्री सुरेश भट्ट के साथ बैठक की। दूसरे चरण में उन्होंने शनिवार की रात भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ दिल्ली में मंत्रणा की।

मुख्यमंत्री ने रविवार को अपनी सभी व्यवस्तताओं को रद्द कर दिया और पहले वह पार्टी के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बीएल संतोष से मिले और उसके बाद वह गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात करने के लिए पहुंचे। संगठन और पार्टी के बड़े नेताओं से मुलाकात के पीछे की वजह मंत्रिमंडल विस्तार है। हरियाणा में बरोदा उपचुनाव, भाजपा संगठन में नियुक्तियां और मंत्रीमंडल विस्तार को लेकर चर्चा हुई है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ मुलाकात के बाद कहा कि शनिवार को राष्ट्रीय टीम का गठन किया गया है। जिसके लिए उन्हें बधाई दी गई है। संगठन को लेकर भी कई तरह की चर्चाएं हुई हैं।

सीएम ने स्वीकार किया कि प्रदेश में राजनीतिक नियुक्तियां अभी लंबित हैं। इस विषय पर भी राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ चर्चा की गई है। मंत्रिमंडल विस्तार पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि संख्या के आधार पर हरियाणा कैबिनेट में दो सीटें खाली हैं। जिन्हें केंद्र के साथ चर्चा के बाद फाइनल किया जाएगा।

मेडिकल वीसा देने से होगा अर्थव्यवस्था में सुधार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पर्यटन मंत्रालय के अनुसार मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में 2015 में तीसरे स्थान पर था भारत

पर्यटन मंत्रालय के अनुसार भारत मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में 2015 में तीसरे स्थान पर था। भारत इस सेक्टर में अपने आपको एक प्रसिद्ध उद्योग में स्थापित कर चुका है। आंकड़ों के अनुसार व्यापार तीन बिलियन डॉलर का था। लगभग 2.34 लाख रोगी इलाज के लिए भारत आये थे । 2017 तक, मरीजों की संख्या बढ कर 4.95 लाख हो गई थी और भारत के चिकित्सा पर्यटन उद्योग को 2020 तक 200 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान लगाया गया था। जो 9 बिलियन डॉलर (लगभग 68,000 करोड़ रुपये) था।

एक अनुमान के अनुसार हमें 2020 में 9 बिलियन डॉलर मेडिकल टूरिज्म इंडस्ट्री को रेवेन्यू जेनरेट करना था। कोविद -19 महामारी के कारण, उद्योग को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन उम्मीद है कि सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बाद, इस उद्योग में भारी सुधार होगा। बहुत विचार करने के बाद, हम एमवीटी कंपनियों ने दिशानिर्देशों की एक सूची बनाई है और अधिकारियों को अनुमोदन के लिए भेजा जाता है। यदि दिशा-निर्देशों का पालन किया जाता है तो चिकित्सा पर्यटन उद्योग फिर से जीवित हो जाएगा।

श्री दानिश अहमद एमईटीआरए्र के प्रवक्ता कहते हैं।कोरोना महामारी के प्रकोप के साथ, चिकित्सा पर्यटन उद्योग एक दु:स्वप्न का सामना कर रहा है। हजारों एमवीटी संगठन यह देखने का प्रयास कर रहे हैं कि चिकित्सा पर्यटन उद्योग को फिर से कैसे शुरू किया जाए। व्यापार ने मानक कार्य पद्धति (एसओपी) का गहन रूप से विस्तार किया है, जो उद्योग और वाणिज्य मंत्रालय, नागरिक उड्डयन मंत्रालय, पर्यटन मंत्रालय, और समर्थन के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया है। सूत्रों द्वारा संकेत 87 कोरोना वैश्विक महामारी की वजह से भारत में आने वाले मरीजों की संख्या ना के बराबर है।

जिसकी वजह से इस उद्योग से जुड़े कर्मी चाहे वो मेडिकल टूरिज्म इंडस्ट्री की कंपनी हो या लैंग्वेज इंटरप्रेटर हो, टैक्सी ड्राइवर, होटेल और गेस्ट हाउस ओनर हो और भी अन्य कर्मचारी जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस उद्योग से जुड़े हैं। अब गहन परेशानी का सामना कर रहे हैं।

पेंशनरों के दुख दूर करेगी दिल्ली सरकार

लोगों की फरियाद सुनें अधिकारी और जल्द निपटाएं लंबित मामले : राजेंद्र पाल गौतम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

महिला बाल विकास विभाग को लंबित पेंशन मामलों के निस्तारण में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। जिला अधिकारियों से मामलों के विषय में प्राप्त जानकारी के आधार पर विभाग को ई-जिला पोर्टल के जरिए पेंशन आवेदन को जमा करने की प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए केंद्र सरकार की राष्ट्रीय सूचना विज्ञान (एनआइसी) और दिल्ली सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के साथ बातचीत करके समाधान निकालने का निर्देश दिया।

बैठक में अधिकारियों संग मंत्री राजेंद्र पाल गौतम

विभाग के मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने रविवार को विभाग की सभी योजनाओं की समीक्षा बैठक में यह बातें कही। राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि दिल्ली सरकार के ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के सर्वर के विस्तार को ध्यान में रखते हुए आईटी प्रणाली की क्षमता को भी अद्यतन किए जाने की आवश्यकता है।

कोविद-19 महामारी के समय में महिला बाल विकास विभाग को लंबित पेंशन मामलों के समाधान को सर्वाधिक प्राथमिकता देनी चाहिए। इस बैठक में विभाग की सचिव मधु गर्ग, निदेशक रश्मि सिंह सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

जिसमें दिल्ली महिला और बाल विकास मंत्री को एकीकृत बाल विकास सेवा (आइसीडीएस) के तहत राजधानी में पंजीकृत लाभार्थियों, गर्भवती महिलाओं और बच्चों, को राशन के वितरण के बारे में जानकारी दी गई। गौतम ने बताया कि वार्ड स्तर की निगरानी समितियों के गठन और निगरानी के कार्य से राशन वितरण में प्रभावी ढंग से विसंगतियां दूर हुई है जिसके परिणामस्वरूप राशन वितरण व्यवस्था में गुणात्मक सुधार हुआ है।

उन्होंने विभाग से संबंधित नागरिकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए सभी जिला अधिकारियों से कार्यालय में उपलब्ध रहने का भी निर्देश दिया। साथ ही कहा कि अधिकारियों की नियमित उपलब्धता से ही आम लोगों की शिकायतों के निवारण की व्यवस्था सुचारू और बेहतर बनेगी।

गौतम ने रविवार को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर सुबह दिल्ली सरकार के उपक्रम दिल्ली पर्यटन द्वारा साकेत में विकसित गार्डन ऑफ फाइव सेंसेस में नेचर वॉक में शामिल होकर प्रकृति संरक्षण और पर्यटन के महत्व पर चर्चा की।

फिल्म सिटी में शूटिंग जनवरी से

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यमुना एक्सप्रेसवे पर जेवर के पास प्रस्तावित जेवर फिल्म सिटी में अगले 3 महीने यानी जनवरी 2021 से शूटिंग शुरू करवाने का लक्ष्य रखा गया है। रविवार को फिल्म सिटी की साइट का दौरा करने पहुंचे यूपी के अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी ने यह जानकारी दी है। अपर मुख्य सचिव ने उत्तर प्रदेश शासन और यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को इस परियोजना पर तेजी से काम शुरू करने का निर्देश दिया है। उम्मीद है कि अगले एक महीने में यहां फिल्म उद्योग के लिए भूमि आवंटन का काम शुरू हो जाएगा। 3 महीनों में शूटिंग शुरू हो जाएगी।

यमुना एक्सप्रेसवे पर सेक्टर-21 में प्रस्तावित फिल्म सिटी के साइट देखने के लिए उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी रविवार की सुबह पहुंचे। अवस्थी के साथ यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ अरुण वीर सिंह भी मौजूद हैं। अफसरों ने पूरे इलाके का दौरा किया और मौजूदा स्थिति देखी है। अवनीश कुमार अवस्थी ने यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों को फिल्म सिटी प्रोजेक्ट पर जल्दी से जल्दी काम शुरू करने का आदेश दिया है। अवनीश अवस्थी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चाहते हैं कि परियोजना से जुड़ी जरूरी औपचारिकताएं जल्दी पूरी कर ली जाएं।

अपर मुख्य सचिव ने प्राधिकरण अधिकारियों को बताया है कि आने वाले दिनों में फिल्म जगत से जुड़ी कुछ बड़ी हस्तियां साइट का दौरा करने आएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले सप्ताह यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के क्षेत्र में फिल्म सिटी को मंजूरी दी है। प्राधिकरण ने रबूपुरा कस्बे के पास सेक्टर-21 में 1,000 एकड़ जमीन फिल्म सिटी के लिए आरक्षित कर दी है। यमुना प्राधिकरण ने भूमि के लिए आवंटन दरें निर्धारित कर दी हैं। यमुना प्राधिकरण ने साइट का चयन करते समय इस बात का भी ध्यान रखा है। फिल्म सिटी की साइट में 220 एकड़ जमीन व्यावसायिक उपयोग की है। फिल्म सिटी शुरू होगी तो यहां पर होटल, रेस्तरां, गेस्ट हाउस, शॉपिंग कांप्लेक्स की जरूरत पड़ेगी।

इसके लिए यह जमीन काम आएगी। यमुना एक्सप्रेस वे के किनारे होटल व शॉपिंग कांप्लेक्स बनाए जाएंगे। इससे इलाके के लोगों को भी रोजगार मिलेगा। भूखंड का क्षेत्रफल वर्ग मीटर में कीमत रुपये प्रति वर्ग मीटर में 4 हजार मीटर 66704 स 8 हजार मीटर 56808 से 20 हजार मीटर 481020 हजार मीटर तक है।

साइट देखने पहुंचे अपर मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी अफसरों को दिए जल्द काम पूरा कराने के निर्देश

जरूरी सुविधाएं जल्द : सीईओ

यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ अरुणवीर सिंह ने बताया कि फिल्म सिटी के लिए जो जरूरी सुविधाओं की जरूरत होगी, उसको पूरा किया जाएगा। इसको लेकर सरकार की ओर से जो दिशा-निर्देश आएंगे, उनको पूरा किया जाएगा। जमीन की साइट तय हो गई है। प्राधिकरण के पास पूरी जमीन है। जल्द ही इस दिशा में आगे की ओर बढ़ा जाएगा।

चिल्ला से महामाया फ्लाईओवर तक एलिवेटेड रोड पर काम तेज

नोएडा। दिल्ली बॉर्डर पर चिल्ला से महामाया फ्लाईओवर तक बन रहे एलिवेटेड रोड के काम में तेजी ले जा रही है। इस प्रोजेक्ट पर दिन-रात काम चल रहा है। इस एलिवेटेड रोड के काम में कई बाधाएं आईं, जिनकी वजह से काम प्रभावित होता रहा। सितंबर 2021 में इस एलिवेटेड रोड के एक हिस्से को वाहनों के लिए खोल दिया जाएगा प्रत्येक शनिवार और रविवार को महाप्रबंधक की ओर से नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। काम में तेजी लाने के लिए महाप्रबंधक राजीव त्यागी, संयुक्त प्रबंध निदेशक आशीष ने काम का जायजा लिया।

गमले का पानी बदलते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल।

कोरोना से लड़ाई के बीच डेंगू पर न हो लापरवाही : सीएम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

डेंगू के खिलाफ 10 हफ्ते, 10 बजे, 10 मिनट अभियान को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आजचौथे रविवार को अपने घर में मौजूद गमलों में इकट्ठा हुए साफ पानी को बदला। उन्होंने कहा कि इस तरह से हमें मच्छर का प्रकोप कम करना और अपने परिवार समेत दिल्ली को डेंगू से बचाना है।

केजरीवाल ने सभी आरडब्ल्यूए से अपनी सोसायटी के लोगों को इस मुहिम में शामिल होने के लिए प्रेरित करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा डेंगू के खिलाफ अभियान को आगे बढ़ाते हुए आज चौथे रविवार को 10 मिनट निकाल कर फिर से घर में जमा साफ पानी को बदला।

केजरीवाल ने पिछले साल भी डेंगू को रोकने के लिए आरडब्ल्यूए का सहयोग मांगा था। उन्होंने आरडब्ल्यूए के लिए 5 सूत्रीय कार्य योजना की शुरुआत की थी, ताकि उनके क्षेत्र में मच्छरों को पनपने से रोकने के उपाय किए जा सकें। सीएम ने कहा कि डेंगू से बचाव के लिए सभी क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों और आरडब्ल्यूए के वरिष्ठ सदस्यों आदि समेत सभी संगठनों की भागीदारी जरूरी है।

जारी किए हेल्पलाइन और व्हाट्सएप नंबर

नई दिल्ली। इस वर्ष, दिल्ली सरकार ने डेंगू के निपटने में लोगों की मदद करने के लिए हेल्पलाइन - 011-23300012 और व्हाट्सएप हेल्पलाइन - 8595920530 शुरू की है। हर रविवार को 10 हफ्ते, 10 बजे, 10 मिनट अभियान के तहत घर में जमा साफ जमा पानी को बदलें। डेंगू का मच्छर जमा साफ पानी में पनपता है, इसलिए लोगों को गमलों, कूलर, एसी, टायर, फूल दान आदि में जमा पानी को हर हफ्ते बदलना चाहिए। जमा पानी बदलने में दिक्कत हो वहां तेल या पेट्रोल की कुछ बूंदें डालें। पानी की टंकी को हमेशा ढक्कर से ढक कर रखें।

बढ़ा ट्रैफिक-बिगड़ने लगी दिल्ली की हवा

गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी से मॉनसून वापसी में हुई देरी से वायु गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। एक सरकारी एजेंसी ने यह संभावना जताई। दिल्ली में रविवार की सुबह साढ़े नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 116 रहा जो मध्यम श्रेणी में आता है। वहीं शनिवार को यह 165 रहा था।

शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा , 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच को बेहद खराब तथा 401 से 500 के बीच एक्यूआई को गंभीर माना जाता है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के वायु गुणवत्ता की निगरानी करने वाली एजेंसी सफर ने कहा कि दक्षिण पश्चिम के शुष्क क्षेत्रों से आने वाली धूल ने दिल्ली को प्रभावित करना शुरू कर दिया है तथा खेतों में पराली जलनी शुरू हो गई है और इससे शहर की वायु गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका है।

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली से मॉनसून की वापसी सोमवार से शुरु होगी। मॉनसून वापसी में हो रही देरी से इस सप्ताह के अंत तक वायु गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। नासा में यूनिवर्सिटीज स्पेस रिसर्च असोसिएशन में वरिष्ठ वैज्ञानिक पवन गुप्ता ने कहा कि शनिवार को पंजाब में आग जलने की 280 घटनाएं हुई हैं। पश्चिम के क्षेत्रों से आने वाली धूल ने उत्तर-मध्य भारत की वायु गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती हैं।

मामूली विवाद में पिट रहे व्यक्ति को पुलिस ने बचाया

नई दिल्ली। आनंद पर्वत इलाके में हत्या करने के मकसद से आए लड़कों को पेट्रोलिंग करने वाले पुलिस कर्मियों ने बहादुरी दिखाते हुए दबोच लिया। पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। घटना शनिवार रात साढ़े नौ बजे नई बस्ती की है।

पुलिसकर्मियों ने दो हमलावरों को दबोच लिया। शुरुआती जांच में पता चला कि घायल गौरव अपने 2 दोस्तों थान सिंह और प्रेम सागर के साथ श्रीधाम ढाबा गया था। खाना आर्डर करने के मुद्दे पर दोनों पक्षों में झगड़ा हो गया था। यह ढाबा हमला करने वाले आकाश और उसके भाई नीलेश का है।

भाजपा की मांग, पत्रकारों का स्वास्थ्य बीमा कराए सरकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोविड-19 महामारी में पत्रकार अपनी जान की परवाह किए बगैर लगातार जानकारी दे रहे हैं। ऐसे में संक्रमित होने की आशंका बनी है।

प्रदेश भाजपा ने दिल्ली सरकार से दिल्ली के मीडियाकर्मियों के लिए 5 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा योजना और कोरोना से मौत होने पर 10 लाख रुपये का मुआवजा देने की मांग की है। पार्टी नेता का कहना है कि यहां के पत्रकार पूरे देश का प्रतिनिधत्व करते हैं ऐसे में केजरीवाल सरकार की उनके प्रति जिम्मादारियां हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने पत्रकारों के लिए शानदार पहल करते हुए 5 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा और संक्रमण से मौत होने पर दस लाख रुपए का मुआवजा देने का ऐलान किया है।

उसी तरह मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सामने भी मांग रखी कि दिल्ली के पत्रकारों के लिए भी उन्हें इस तरह की स्वास्थ्य बीमा योजना का प्रावधान करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

राममंदिर आंदोलन के प्राण थे अशोक सिंघलः आलोक

नई दिल्ली। विश्व हिन्दू परिषद(विहिप) मुख्यालय में अशोक सिंघल की जयन्ती के अवसर पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इस दौरान विहिप के केन्द्रीय कार्याध्यक्ष एडवोकेट आलोक कुमार ने कहा है कि वे श्री राम जन्मभूमि मुक्ति आन्दोलन के प्राण थे। उन्होंने सम्पूर्ण हिन्दू समाज को झकझोर कर जगाया, संगठित किया। अपने उद्बोधन में विहिप उपाध्यक्ष तथा राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय ने कहा कि अशोक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयं सेवक बनते ही समाज जीवन में उतर चुके थे। इस कार्यक्रम में विहिप की केन्द्रीय प्रबंध समिति के सदस्य दिनेश चन्द्र, केन्द्रीय संयुक्त महामंत्री स्वामी विज्ञानानंद व कोटेश्वर शर्मा,केन्द्रीय मंत्री प्रशांत हरतालकर, खेमचंद शर्मा तथा जुगल किशोर सहित अनेक गणमान्य लोगों ने अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

लोनी में बनने लगी सड़कें

गाजियाबाद। लोनी में एक करोड़ 57 लाख की लागत से विकास कार्य शुरू हो गए है। लोनी के सकलपुरा पाबी में गढ़ी जस्सी से गढ़ी शब्लू मार्ग और फारूखनगर सिरोरा मार्ग के निर्माण कार्य का शिलान्यास लोनी के भाजपा विधायक नन्दकिशोर गुर्जर ने नारियल फोड़कर किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लोकनिर्माण मंत्री केशव प्रसाद मौर्या ,केन्द्रीय मंत्री वीके सिंह के सहयोग से लोनी के विकास के लिए इतना बड़ा बजट मिल सका है।

पीएम पर आपत्तिजनक पोस्ट, नहीं किया केस दर्ज

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और देश के गृहमंत्री अमित शाह के कुछ आपत्तिजनक रूपांतरित चित्रों को पोस्ट करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। आरोपी के खिलाफ कार्यवाही न होने पर प्रधानमंत्री कार्यालय ने उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव से जवाब मांगा है। अपर मुख्य सचिव ने थाना कविनगर पुलिस को चार दिन पहले तत्काल कार्यवाही का आदेश दिये थे लेकिन खबर लिखे जाने तक इस प्रकरण में थाना कविनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की थी। अधिवक्ता आकाश वरिष्ठ ने कविनगर कोतवाली में शिकायती पत्र देते हुए जाकिर हुसैन आलम और सादिक अली खान रोहेला के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। इन दोनों पर फेसबुक पर पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री की तस्वीरों को छेड़छाड़ कर उन्हें अश्लील बना का आरोप है। उधर सीओ सेकेंड अवनीश कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री अमित शाह के अश्लील पोस्ट वायरल के मामले में गहनता से जांच पड़ताल की जा रही।

मानवता दिवस के रूप में बनेगा खुसरो का जन्मदिन

नई दिल्ली। उर्दू डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन और यूनाइटेड मुस्लिम ऑफ इंडिया की संयुक्त बैठक का आयोजन दरियागंज में किया गया जिसकी अध्यक्षता मौलाना बुरहान अहमद कासमी ने की है। ख्वाजा अमीर खुसरो के जन्मदिवस को मानवता को प्रोत्साहित करने वाले दिवस के रूप में मनाने का फैसला लिया गया है। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मौलाना ने कहा कि बिहार राज्य के कुछ उर्दू भाषी लोगों की तरफ से ख्वाजा अमीर खुसरो का जन्मदिवस उर्दू दिवस के रूप में मनाया जा रहा है जो सही नहीं है। खुसरो के साथ सिर्फ उर्दू भाषा को जोड़ना उनके व्यक्तित्व के साथ नाइंसाफी है। इस अवसर पर मौलाना एम रिजवान अख्तर कासमी,सालिक धामपुरी, हकीम अताउर्रहमान अजमली, हकीम सलाहुद्दीन, यूसुफ मलिक, शेख लियाकत अली मसूदी, इमरान कन्नोजी आदि ने भाग लिया।

फीस बढ़ाने वाले 16 स्कूलों से मांगी गई बैलेंस शीट

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जिला प्रशासन ने जिले में 16 पब्लिक स्कूलों को नोटिस देकर उनकी बैलेंस शीट मांगी है। इससे पहले फ्लैट ऑनर एसोसिएशन एंड आरडब्ल्यूए ने डीएम को पत्र लिखकर इन स्कूलों की बैलेंस शीट मांगी थी ताकि कोरोना काल की फीस को लेकर कुछ निर्णय हो सके।

जिला विद्यालय निरीक्षक की ओर से जारी किए गए नोटिस में कहा गया है कि 15 दिन के भीतर अपनी बैलेंस शीट जमा कराए। जिन स्कूलों से बैलेंस शीट मांगी गई है उनमें डीपीएस, डीपीएस इंदिरापुरम, केआर मंगलम, डीएवी साहिबाबाद, उत्तम गर्ल्स स्कूल, चिल्ड्रंसअकादमी विजय नगर, सेंट फ्रांसेस स्कूल इंदिरापुरम, सिल्वर लाइन प्रेस्टिज स्कूल, डीपीएस राजनगर आदि शामिल है।

बापुधाम कॉलोनी में निकला कोबरा सांप

गाजियाबाद। जनपद गाजियाबाद के गोविंदपुरम इलाके की बापू धाम कॉलोनी में कई फीट लंबा कोबरा सांप देखे जाने के बाद हड़कंप मच गया। जहां मौके पर तुरंत ही लोगों की भारी भीड़ लग गई।

लोगों ने खुद ही कोबरा सांप को पकड़ने का रिस्क उठाया। हालांकि काफी मशक्कत के बाद इस लंबे कोबरा सांप को पकड़ा जा सका, जिसे जंगल में छोड़ दिया गया। लोगों का आरोप है कि यहां पर पहले भी कोबरा सांप निकल चुके हैं। जिसकी शिकायत पहले वन विभाग को की गई थी। लेकिन वन विभाग की तरफ से कोई कदम नहीं उठाया गया है।

औद्योगिक इकाइयों के अवैध कब्जों, प्रदूषण पर तीखी नजर

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

साहिबाबाद साइट-4 स्थित संचालित होने वाली औद्योगिक इकाईयों के संचालन में अनियमिताए के आरोपों पर यूपीएसआईडीसी ने संज्ञान लेते हुए अब औद्योगिक क्षेत्रों में फैक्ट्रियों का निरीक्षण करने का निर्णय लिया है। टीम जाकर आग से बचाव के इंतजामों की जांच करेगी।

कमी मिलने पर नोटिस जारी किए जाएंगे। यूपीएसआईडीसी की आरएम स्मिता सिंह ने बताया कि मोहन नगर, साइट-फोर साहिबाबाद आदि की फैक्ट्रियों में फायर सेफ्टी के इंतजाम नहीं मिलने पर नोटिस दिए जाएंगे। किसी ने अतिक्रमण किया है तो उसे ध्वस्त किया जाएगा। जरूरत होने पर कार्रवाई के लिए पुलिस बल भी मांगा जाएगा।

कई इलाकों में सड़क तक अतिक्रमण है। इससे आपात स्थिति में बचाव कार्यों में रुकावट हो सकती है। ऐसी औद्योगिक इकाइयों पर सख्ती बरती जाएगी। इस बाबात साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एसोसियेशन के चेयरमैन ने यूपीएसआईडीसी के प्रबंधक, जिलाधिकारी से लेकर निगम के आयुक्त को पत्र लिखकर कार्यवाही की मांग की है।

चेयरमैन राजेद्र शर्मा ने अवगत कराया है कि नियम विरूद्ध संचालित इन इकाईयों से प्राधिकरण की छवि तो धूमिल हो ही रही है, साथ ही राजस्व का भी घाटा हो रहा है। बिना नक्शा पास कराए चल रही इन इकाइयों से कभी भी गंभीर घटना हो सकती है।

एनडीए छोड़ने के बाद दिल्ली अकाली दल आज करेगा मंथन

दिल्ली नगर निगम में शिअद के पांच पार्षद, आगामी चुनावों में जमीन मजबूत करने पर रहेगा जोर

संजय राय। नई दिल्ली

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) छोड़ने के बाद दिल्ली शिरोमणी अकाली दल आज मंथन करेगा। भारतीय जनता पार्टी और अकाली दल का लगभग 24 साल पुराना गठबंधन टूट गया है।

भाजपा के सबसे पुराने साथी ने गत शनिवार को कोर कमेटी की बैठक में राजग से अलग होने का फैसले के बाद शिअद दिल्ली इकाई की बैठक अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका की अध्यक्षता में सोमवार को होगी। इस बैठक में पार्टी दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव और दिल्ली में भगवा पार्टी के साथ गठबंधन जारी रखने या केंद्र की तर्ज पर अलग होने की रणनीति चर्चा करेगी। दिल्ली नगर निगम में शिअद के पांच पार्षद हैं।

हरमीत सिंह कालका

इनमें से कई जोन के चेयरमैन समेत अन्य प्रमुख पदों पर है। हरमीत सिंह कालका ने बताया कि शिरोमणि अकाली दल की कोर कमेटी ने भाजपा के साथ गठबंधन टूटने के बाद दिल्ली में शिरोमणी अकाली दल को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए रणनीति बनाएगी।

क्यों आने वाले समय में दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, निगम चुनाव जैसे कई महत्वपूर्ण चुनाव होने है। इसे देखते हुए योजना बनाएगी। पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल द्वारा वरिष्ठ सदस्यों से बातचीत करने के बाद पार्टी को पंजाब और देश के अन्य राज्यों में मजबूत करने के लिए लिया गया फैसला मील का पत्थर साबित होगा।

पार्टी की लोकप्रियता रोजाना बढ़ रही है। सैंकड़ों की संख्या में लोग शिअद से जुड़ रहे हैं। इसी के मद्देनजर सोमवार को कोर कमेटी की बैठक में रणनीति बनाई जाएगी।

● कृषि बिल पर गठबंधन से अकाली दल ने तोड़ लिया है नाता

कोविड से मंद पड़ी पर्यटन की रफ्तार करेंगे तेज : सीएम रावत

वेबिनार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उत्तराखंड के सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा है कि कोविड-19 के कारण पर्यटन गतिविधियों की धीमी हुई रफ्तार में जल्द बदलाव होगा। स्थितियां सामान्य होने पर पर्यटन में तेजी से सुधार होगा। इसके लिए राज्य में प्रत्येक जनपद में थीम आधारित पर्यटन स्थल विकसित किए जा रहे हैं।

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद (यूटीडीबी) द्वारा आयोजित वेबिनार में मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाला सर्दियों का मौसम पर्यटकों को उत्तराखंड में आने के लिए प्रेरित करेगा। मुख्यमंत्री वेबिनार में मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। वेबिनार में उत्तराखण्ड सरकार, विशिष्ट अतिथि सतपाल महाराज पर्यटन मंत्री दिलीप जावलकर, सचिव पर्यटन ने भी भाग लिया। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा, "पर्यटन क्षेत्र का उत्तराखंड की जीडीपी में अहम योगदान रहा है। पर्यावरण हित पर्यटन की तरफ आगे बढ़ रहे हैं। दिलीप जावलकर ने कहा, "पर्यटन उद्योग, उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। वेबिनार के माध्यम से पैनल स्पीकर के रूप में उपस्थित प्रसून जोशी, मनीषा, शिवम, मनदीप सिंह, धनुष सिंह एवं पर्यटन गतिविधियों से जुड़े जानकारों ने अपने सुझाव दिए।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

आखिर कब होगी तावडू सीएचसी में हुई भर्तियों की जांच

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

विधायक संजय सिंह के चुनावी धन्यवाद दौरे में लगभग हर जगह समस्याओं का पिटारा देखने को मिला। जिस भी जगह विधायक गए वहीं लोगों ने उनके समक्ष बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क से जुड़ी समस्याओं को रखा। विधायक ने समस्याओं के अतिशीघ्र निदान का आश्वासन दिया।

विधायक संजय सिंह ने गांव सबरस, गुढ़ा-निहालगढ़, शेखपुर, कलवाड़ी, फ्तेहपुर, झामूवास, वार्ड नंबर 2 व 3 में चुनावी धन्यवाद दौरा किया। वहीं बंध कॉलोनी में महावीर ठेकेदार के घर पर विधायक व पार्टी कार्यकर्ताओं ने जलपान किया। संत रविदास मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में विधायक के समक्ष डीसी रेट की भर्तियों में स्थानीय नागरिकों को तरजीह देने का मुद्दा

विधायक के समक्ष उठा स्थानीय युवाओं को तरजीह देने का मुद्दा

विधायक के समक्ष कई बार गूंज चुका भर्तियों की जांच का मुद्दा।

उठा। लोगों ने विधायक से कहा कि तावडू सीएचसी में लगभग 30 युवाओं को आउटसोर्सिंग के तहत विभिन्न पदों पर नियुक्त किया गया है। लेकिन इन नियुक्तियों में एक भी स्थानीय युवा को भर्ती नहीं किया गया है। इसके पीछे जमकर भ्रष्टाचार की बू आ रही है। लोगों ने कहा कि कई बार आपके समक्ष भी ये मुद्दा रख लिया। आपने आश्वसन भी दिया था कि इन भर्तियों की जांच करा यहां के कुछ युवाओं को यहां नियुक्त किया जाएगा। लेकिन आश्वासन के करीब दो महीने बाद भी हालात जस के जस हैं। अब तो ठेकेदार द्वारा नियुक्त हो चुके युवाओं की हाजिरी भी लगनी जारी है। वहीं तावडू के युवा अपनी नियुक्तियों को लेकर इधर उधर चक्कर काटते देखे जा सकते हैं। कुछ लोगों ने तो दबी जुबान में यहां तक कहा कि अगर भाजपा सरकार में भी धांधलेबाजी से नियुक्तियां होंगी तो पूर्व की सरकारों व वर्तमान सरकार में फिर अंतर ही क्या बचा है। इस विषय पर विधायक ने कहा कि नए सीएमओ ने अभी हाल ही में ज्वाइन किया है। सोमवार को सीएमओ से वह इस विषय पर बात करेंगे। इस विषय पर वह गंभीर रूप से प्रयासरत हैं।

38 गांव की संघर्ष समिति ने डिप्टी सीएम दुष्यंत से की मुलाकात

डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला से मुलाकात करते हुए संघर्ष समिति के लोग।

गुरुग्राम। जिले के 38 और गांवों को नगर निगम में शामिल करने के फैसले के खिलाफ 38 गांव संघर्ष समिति कमेटी समेत काफी संख्या में लोगों ने डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला मुलाकात की। दुष्यंत चौटाला से मुलाकात करते हुए संघर्ष समिति के लोगों ने कहा कि 38 गांव की ग्राम पंचायत के लोग किसी भी हाल में निगम में शामिल नहीं होना चाहते। फिर भी जिला प्रशासन जबरन इन गांवों को शामिल करना चाहता है। जिसका वह विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निगम में शामिल होने से उनके गांवों को केवल नुकसान ही है। पहले से निगम में शामिल किए गए गांवों में आज दुर्दशा का आलम बना हुआ है। सरपंच की पावर रहते किसी भी कार्य को तत्काल प्रभाव से प्रस्ताव पारित कर कराया जा सकता है, जो कि निगम में शामिल होने के बाद संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि निगम में शामिल होने के बाद कानून तो तरह-तरह के बना दिए जाते हैं, लेकिन लोगों की सहूलियत दिलाने के नाम पर उन्हीं कानूनों में उलझा कर छोड़ दिया जाता है। जिसके चलते वह किसी भी हाल में निगम में शामिल नहीं होना चाहते। लोगों ने डिप्टी सीएम से 38 गांवों को निगम में शामिल करने से रोकने की गुहार लगाई है। डिप्टी सीएम से उन्हें आश्वासन मिला है कि जबरन उनके गांवों को शामिल नहीं होने देंगे।

संघर्ष समिति को दुष्यंत चौटाला ने बुलाया चंडीगढ़

लॉकडाउन अनलॉक हुआ तो बढ़ी सड़क दुर्घटनाएं

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

कोरोना महामारी के चलते किया गया लॉकडाउन जैसे ही अनलॉक हुआ तो सड़क दुर्घटनाओं में भी इजाफा होने लगा। पहले की तरह हादसों का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। लोगों की जीवन एक तरह से सामान्य हो गया है और लोग बेखौफ घरों से बाहर निकल रहे हैं। इसके साथ ही सड़क हादसों में घरों के चिराग भी बुझ रहे हैं। इसका कारण तेज रफ्तार और कई तरह की लापरवाही से वाहन चलाना भी है। यहां कोरोना से ही नहीं सड़क दुर्घटनाओं में भी घर उजड़ रहे हैं। गुरुग्राम में यदि पिछले वर्षों के सड़क हादसों पर नजर डाली

तेज गति व यातायात नियमों का पालन न करना बन रहा है दुर्घटनाओं का कारण

जाए तो वर्ष 2018 में जहां 1285 सड़क दुर्घटनाएं हुई, वहीं 464 बहुमूल्य जानें भी गई हैं। इसी प्रकार वर्ष 2019 में 1185 सड़क दुर्घटनाएं हुई और 402 लोग जान से हाथ धो बैठे। इसी प्रकार वर्ष 2020 में करीब 485 सड़क दुर्घटनाएं हुई और 217 लोग अपनी जान भी गंवा चुके हैं। इस वर्ष के आंकड़े अगस्त माह तक के बताए गए हैं। जान गंवाने वाले 217 लोगों में से करीब 40 प्रतिशत

पैदल चलने वाले राहगीर रहे हैं।

ये हैं 24 ब्लैक स्पॉट

यातायात पुलिस ने शहरी क्षेत्र में 24 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए हैं, जिनमें दुर्घटनाओं की संभावनाएं अधिक बनी रहती हैं। इन स्पॉटों में राजीव चौक, हीरो होण्डा चौक, खांडसा, नरसिंहपुर, बिलासपुर चौक व आईएमटी मानेसर चौक आदि शामिल हैं। यातायात पुलिस के एसीपी संजीव बल्हारा का कहना है कि पुलिस का सदैव यह प्रयास रहता है कि यातायात सुगमता से चले।

पैदल चलने वाले और दोपहिया चालक ज्यादा हुए शिकार : वाहनों की तेज गति, दोपहिया वाहन चालकों द्वारा हेलमेट का इस्तेमाल न करना और झपकी आने से भी सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि हो रही है। सितम्बर माह में कोरोना संक्रमितों के मामलों में एकदम से जबरदस्त वृद्धि हुई है। कोरोना संक्रमितों की बढ़ती संख्या से न केवल जिला प्रशासन, बल्कि लोग भी परेशान हो रहे हैं। कोरोना से मरने वालों की संख्या 170 हो चुकी है, लेकिन इस अवधि में सड़क दुर्घटनाओं में भी वृद्धि देखी गई है। पैदल सड़क पार करते हुए व दोपहिया वाहन चालक सड़क दुर्घटना का अधिक शिकार हो रहे हैं।

युवक से नकदी और मोबाइल लूटा

पलवल। चांदहट थाना अंतर्गत सुबह सैर पर गए युवक से बाइक सवार तीन युवक गन प्वाइंट पर नकदी व मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी महेंद्र के अनुसार गांव पेलक निवासी तरुण ने शिकायत दी है कि वह सुबह-सुबह सैर पर जाता है।

तीन सितंबर की सुबह चार बजे घर से सैर करने के लिए गया था। जब गांव के बाहर थोड़ी दूर पहुंचा तो पीछे से बाइक पर तीन युवक आए और गन प्वाइंट पर 2500 रुपये व मोबाइल फोन को लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने अज्ञात लुटेरों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

भटक रही युवा पीढ़ी खेलों में लगाए ध्यान: जीतराम

पायनियर समाचार सेवा। फर्रुखनगर

खंड के ऐतिहासिक गांव गढ़ी नत्थे खां में रविवार को शहीद भगत सिंह युवा क्लब की ओर से एक दिवसीय वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न गांवों की 30 टीमों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

इस प्रतियोगिता का शुभारम्भ मुख्य अतिथि समाजसेवी मास्टर जीतराम यादव ने किया। उद्घाटन मैच में डाबोदा की टीम ने बावड़ा की टीम को 15-10 के अंतर से हराया। इस मौके पर मास्टर जीतराम यादव ने ग्रामीणों और प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार की खेल प्रतियोगिता का आयोजन समय की जरूरत है। शहीद भगत सिंह युवा क्लब के सदस्यों ने

फर्रुखनगर के गांव गढ़ी नत्थे खां में वालीबॉल प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि का स्वागत करते ग्रामीण।

नेक पहल की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में अपने स्वास्थ्य को ठीक रखना किसी चुनौती से कम नहीं है।

खिलाड़ी केवल स्वास्थ्य का ही धनी नहीं, अपितु वह एक सभ्य समाज का सच्चा निर्माता भी होता है। उन्होंने कहा कि चिंता का विषय यह है कि युवा पीढ़ी से सुसज्जित समाज होने के बावजूद युवा पीढ़ी को विकारों ने घेर लिया है। इसका मुख्य कारण युवा पीढ़ी का खेलों से दूरी बनाए रखना है। इस प्रकार की खेल प्रतियोगिता उन्हें खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित करेंगी। मास्टर जीतराम यादव ने खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन के लिए 11000 रुपये भेंट किए। इस मौके पर इनेलो के प्रदेश प्रवक्ता सुखवीर तंवर, प्राईवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष जेपी यादव, सरपंच रमेश काकस, नम्बरदार राव महेन्द्र सिंह, ललित, जीतू, आकाश, संजय, राहुल, देविन्द्र, सचिन, रोहित, रवि, भूपेन्द्र, अशोक, मास्टर राम कृपाल, हरिराम शर्मा, राजेश कुमार, रोहित नम्बरदार, हेमराज किन्हा तिरपड़ी आदि मौजूद थे।

ट्रांसपोर्ट कारोबार पर भी पड़ा कोरोना का असर

गुरुग्राम। कोरोना से निपटने के लिए सरकार ने लॉकडाउन लगाया। कई माह के लॉकडाउन के बाद सरकार ने धीरे-धीरे सभी सार्वजनिक सेवाओं को खोलना शुरु कर दिया। सितम्बर माह के अनलॉक-4 में कुछ सेवाओं को छोड़कर सभी सार्वजनिक सेवाएं शुरु हो चुकी हैं, लेकिन ट्रांसपोर्ट का कारोबार अभी पूरी तरह से रफ्तार नहीं पकड़ पाया है। इस कारोबार पर अभी संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

ट्रांसपोर्ट का कारोबार करने वाले लोगों का कहना है कि उनके पास काम की भारी कमी है। यानि कि प्रतिष्ठानों में उत्पादन कम हो रहा है। इन प्रतिष्ठानों में भी काम तभी पूरी रफ्तार से होगा, जब उन्हें डिमांड के ऑर्डर मिलने शुरु हो जाएं, लेकिन ऐसा होता दिखाई नहीं दे रहा है। उन्हें अपने वाहनों का खर्च निकालना भी भारी पड़ रहा है।

ट्रांसपोर्ट कारोबार में लॉडिंग व अनलॉडिंग करने वाले श्रमिकों की भी कमी बनी हुई है। कुछ कारोबारियों का कहना है कि डीजल के बढ़ते दामों, गाड़ियों को सैनिटाइज कराने व श्रमिकों, चालकों, परिचालकों तथा हैल्परों को सुरक्षित रखने के लिए काफी खर्चे बढ़ गए हैं। अब केवल नो लोस और नो प्रॉफिट पर ही काम किया जा रहा है। जिन वाहनों पर ऋण लिया हुआ है, उनकी किश्ते चुकाना भी भारी पड़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

कार से 17 पेटी देशी शराब बरामद, दो गिरफ्तार

पलवल। कैंप थाना पुलिस ने गश्त के दौरान शराब से भरी कार को काबू कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। किठवाड़ी पुल चौकी इंचार्ज यशपाल ने बताया कि उन्हें मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि एक कार में अवैध शराब भरकर लाई जा रही है, जो अलावलपुर रेलवे ओवरब्रिज होते हुए यूपी की तरफ जाएगी। सूचना मिलते ही हैड कांस्टेबल सुभाष के नेतृत्व में टीम गठित कर रेलवे पुल के समीप नाकाबंदी की गई। थोड़ी देर बाद एक कार आती दिखाई दी जिसे काबू कर दो लोगों को हिरासत में लिया गया। कार की तलाशी लेने पर 17 पेटी देशी शराब को बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम सुनील निवासी शिव विहार पलवल व राजेश निवासी गांव जैनपुर हथीन बताया। पुलिस ने आरोपियों को रविवार को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

तीन चरणों में होगा प्रतिभा सम्मान समारोह

गुरुग्राम। समाज उत्थान न्यास (सन फाउंडेशन) की रविवार को संस्था के चेयरमैन नरेश कुमार सैनी की अध्यक्षता में बैठक आहुत की गई। इस बैठक में प्रतिभा सम्मान समारोह के आयोजन पर विचार करके निर्णय लिया गया कि आगामी माह में तीन चरणों में यह समारोह आयोजित किया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष महेंद्र सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम को तीन चरणों में किया जाना इसलिए तय किया गया है, ताकि हर किसी को इस बीमारी से बचाया जा सके। ज्यादा लोग एक स्थान पर एकत्रित ना हों। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण का आयोजन दिनांक 2 अक्टूबर 2020 को गांव कारोला तहसील फर्रुखनगर में होगा। इसमें सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए उचित दूरी और मास्क, सेनिटाइजर का उपयोग करके बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। दूसरे चरण में 4 अक्टूबर को कार्यक्रम सोहना में और अंतिम तीसरे चरण का कार्यक्रम 11 अक्टूबर को गुरुग्राम के जैकबपुरा में करना तय किया गया है। इस बैठक में प्रधान तेजिंदर सैनी, संदीप सैनी, हितेश सैनी, गौतम, गगनदीप सैनी, बुधराम सैनी गुड़गांव गांव, प्रधान जयवीर कारोला गांव, प्रधान ओमप्रकाश सैनी सोहना, डा. संदीप सिंह, सूबे सिंह झाड़सा, ओमप्रकाश, समेत संस्था के काफी सदस्य मौजूद रहे।

14 नए कोरोना पॉजिटिव और 60 केस हुए ठीक

भिवानी। भिवानी जिले में आज रविवार को 14 नए कोरोना पॉजिटिव के केस सामने आए है। सिविल सर्जन ने बताया कि भिवानी जिले में रविवार को खबर लिखे जाने तक 14 नए कोरोना पॉजिटिव के केस सामने आए है। जिनमें से 1 पुर बवानी खेड़ा से 51 वर्षीय व्यक्ति है जो कि सरकारी स्कूल पुर में शिक्षक है। यह 26 सितम्बर को सिरसा गया था तथा वहीं पर ही होम आईसोलेट है। 3 तोशाम से जिसमें से 33 वर्षीय व्यक्ति जो कि पुलिस चौकी तोशाम में सिपाही के पद पर कार्यरत है। यह पहले से आए कोरोना पॉजिटिव के सम्पर्क में आया है। 28 वर्षीय महिला तोशाम से जो कि गृहिणी है।

कोरोना संक्रमितों की जांच को हर रोज लगेंगे दो शिविर

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

स्वास्थ्य विभाग ने एक बार फिर से शहर में कोरोना संभावितों की जांच को तेज कर दिया है। नागरिक अस्पताल की तरफसे एक दिन में दो शिविर लगाएं जाएंगे। ताकि लोग कोरोना की जांच आसानी से करा सके। स्वास्थ्य विभाग ने शहरी क्षेत्र में कोरोना की बढ़ती गति को रोकने के लिए एक बार फिर से कमर कस ली है। नागरिक अस्पताल की तरफ अब कोरोना संक्रमितों की पहचान के लिए एक दिन में दो शिविर लगाएं जाने का फैसला लिया गया है।

एक शिविर नागरिक अस्पताल में तथा दूसरा शिविर आबादी क्षेत्र में लगाया जाएगा। रविवार को नागरिक अस्पताल के साथ-साथ एक शिविर शहर के पठानवाड़ा मोहल्ले में लगाया गया। सोमवार को शहर की अनाज मंडी में, गुरुवार को बिजली निगम के एसडीओ कार्यालय के पास कोहली वाड़ा मोहल्ले में तथा दो अक्टूबर को वार्ड-6 के केडीएम स्कूल परिसर में लगाया जाएगा।

जांच के लिए आगे आएं नागरिक

स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए जा रहे कोरोना संक्रमितों की पहचान के लिए आम नागरिकों को सहयोग करना चाहिए। स्वास्थ्य विभाग और आम नागरिकों की सजगता से कोरोना को हराने में सफ लता मिलेगी। नागरिकों को अपने जांच के लिए स्वयं जागरुक होना पड़ेगा।

डॉ. नवल किशोर एसएमओ नागरिक अस्पताल सोहना

एमएसपी का झूठा ढिंढोरा पीट रही है सरकार : योगेन्द्र योगी

भिवानी। हरियाणा केश कला एवं कौशल विकास बोर्ड के पूर्व चेयरमैन एवं ओबीसी महासभा के राष्ट्रीय सचिव योगेन्द्र योगी ने केन्द्र सरकार द्वारा पारित तीनों कृषि अध्यादेशों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एमएसपी रेट पर सरकारी खरीद को झूठ का पिटारा करार दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार जिस एमएसपी रेट की बात कर रही है, वह दावों के बिलकुल उलट है।

असल में सरकार एमएसपी के नाम पर थोड़े दिन ही नाममात्र की फसल खरीदती है और दाना-दाना खरीदने का दावा कर हवा हवाई बातें करती है, जबकि हकीकत यह है कि किसानों को एमएसपी रेट मिल ही नहीं पाता। योगी ने कहा कि आज गेहूं का एमएसपी रेट 1925 रूपये है, जबकि इसकी खरीद का रेट 1650 रूपये है।

वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर रेल 60 फुट ऊंचाई पर दौड़ेगी

नरेश कुमार। सोहना

रेवाड़ी से पलवल जाने वाली वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर रेल सोहना में 20 से लेकर 60 फुट की उंचाई पर दौड़ेगी। यह रेल लाइन अरावली पहाड़ी से ही 60 फुट उंचाई वाले पिछरों के ऊपर से चलती हुई नजर आएगी।

सोहना व जिला नूंह से गुजरने वाली वेस्टर्न रेल लाइन का कार्य तेजी से चल रहा है। रेवाड़ी से सोहना पहुंचने से पहले वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर रेल को करीब एक किलोमीटर लंबी गुफा से गुजरना होगा। उसके बाद अरावली पहाड़ी करीब तीन किलोमीटर की यात्रा करने के बाद सोहना की सीमा पिछरों पर चलेगी। जहां पर करीब 60 की उंचाई वाले पिछरों पर 8 से 10

सोहना में वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर रेल के लिए बनाएं जा रहे 20 से 60 फुट ऊंचाई वाले पिलर। रेल के लिए तैयार की गई 'डबल कंटेनर' रेल लाइन की फाइल फोटो।

किलोमीटर की गति पर चलेगी। जहां पर पिछरों की उंचाई 20 से 60 फुट की उंचाई वाले होंगे। सोहना नगर परिषद के पार्षद नरेन्द्र सैनी ने बताया कि वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर रेल लाइन उनके खेतों से निकल रही है। क्षेत्र के लोग वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर रेल को उंचाई से ही आते व जाते देखेंगे।

डबल कंटेनर की गुफा : वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर रेल लाइन के लिए जिला नूंह के गांव धुलावट के जंगल से शुरू होने वाली 'डबल कंटेनर' की पटरी पर रेल 100 किलोमीटर प्रति घंटा से दौड़ेगी। यह विश्व की पहली 'डबल कंटेनर' रेल लाइन होगी। हालांकि रेल विभाग के स्थानीय कोई भी अधिकारी इस विषय में कुछ भी कहने को तैयार नहीं है।

सूत्रों ने बताया कि 'डबल कंटेनर' लाइन का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। लेकिन गुफा के पास किसी बाहरी व्यक्ति को जाने की अनुमति नहीं है। वहां पर सुरक्षा का कड़ा पहरा लगाया हुआ है।

जैविक खेती से बागवानी के सम्राट बने प्रेरणास्रोत

औरंगाबाद के किसान सम्राट सिंह चौहान एनसीआर में ऑनलाइन सब्जी बेचकर कमा रहे खासा मुनाफा

प्रमोशन के लिए वेबसाइट और व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर जोड़ रखा अनेक किसानों को

विनोद शर्मा। पलवल

उत्तम खेती मध्यम बान, की कहावत को चरितार्थ करने वाले पलवल के गांव औरंगाबाद निवासी सम्राट सिंह चौहान ने जैविक खेती से बागवानी कर न केवल दूसरों के लिए मिसाल पेश की है, ऑनलाइन सब्जियां बेचकर अच्छा मुनाफा भी कमा रहे हैं। उन्होंने अपनी वेबसाइट व

गांव औरंगाबाद में जैविक खेती से बागवानी करते किसान

व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर अन्य किसानों को भी इस मुहिम से जोड़ा है। सभी किसानों की सब्जियों को अच्छे दामों पर बेच रहे हैं। उनकी सब्जियां न केवल दिल्ली एनसीआर में सप्लाई हो रही है, बल्कि कई आईएएस अधिकारियों के घर पर भी भेजी जा रही हैं।

मल्टीनेशनल कंपनी से नौकरी छोड़ अपनाई बागवानी : गांव औरंगाबाद निवासी सम्राट सिंह चौहान बताते हैं कि उन्होंने वर्ष 2008 में आईआईटी खड़कपुर से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की पढ़ाई की। इसके बाद गुरुग्राम की मल्टीनेशनल कंपनी में डेढ़ लाख प्रतिमाह के पैकेज पर काम किया। वर्ष 2018 में उन्होंने नौकरी छोड़कर गांव में जैविक खेती से सब्जी की बागवानी शुरू की व दिल्ली एनसीआर में ऑनलाइन सब्जी बेचने का काम शुरू किया। जिसके लिए, उन्होंने अपनी वेबसाइट बनाई। 22 एकड़ में जैविक खेती की शुरुआत की, जिसमें बिना कीटनाशक व जहरीले पदार्थ का उपयोग के सब्जी, दाल, गन्ना, गेहूं आदि उत्पाद लगाए। वेबसाइट के माध्यम से क्षेत्र के अन्य किसानों को भी जोड़ा। अन्न ग्रुप के माध्यम से अब 50 एकड़ भूमि में जैविक खेती से बागवानी की जा रही है।

कई आईएएस अधिकारियों के घर जा रही सब्जी : उनकी जैविक खेती से उगाई शुद्ध सब्जी ग्रेडिंग व पैकिंग कर दिल्ली एनसीआर में कई घरों के अलावा अनेक आईएएस अफसरों के घर भी सीधी पहुंच रही है। जिनमें मुख्य रूप से जिला उपायुक्त पलवल नरेश नरवाल, वीरेंद्र मित्तल आईएएस फूड प्रोसेसिंग नई दिल्ली, नवजोत कपूर नई दिल्ली शामिल हैं।

दो वर्ष पहले जैविक खेती से सब्जियों की बागवानी कर ऑनलाइन बिक्री की शुरुआत की थी। इसे शुरू करने से पहले श्रीश्री रविशंकर की संस्था से जैविक खेती की ट्रेनिंग ली थी। यूट्यूब के माध्यम से भी इसके बारे में जाना। हमारे परिवार में दो लोग कैंसर से पीड़ित हो गए थे। इस वजह से भी रसायनिक खाद की जहरीली खेती के बजाय जैविक खेती का प्रोजेक्ट पर काम करने का मन बनाया था। इसके लिए पलवल के बागवानी उत्कृष्टता केंद्र से भी काफी सहयोग मिला है।

-सम्राट सिंह चौहान

जैविक खेती के माध्यम से बागवानी कर ऑनलाइन सब्जी बेचने वाले किसान सम्राट सिंह चौहान आज दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत बन गए हैं। वेबसाइट के माध्यम से शुरू की गई संस्था वह व्हाट्सएप ग्रुप से उन्होंने क्षेत्र के अन्य किसानों को भी जोड़कर सब्जियों के बेहतर दाम में ऑनलाइन बेचने में मदद की है। उनका यह प्रयास सराहनीय है। गुणवत्ता युक्त सब्जी होने के कारण ही आज उनकी सब्जियां ऑनलाइन दिल्ली एनसीआर में बिक रही है। खुद पलवल के जिला उपायुक्त नरेश नरवाल भी सब्जी का उपयोग कर रहे हैं।

-शालिनी जादौन, विशेषज्ञ व प्रभारी बागवानी उत्कृष्टता केंद्र

पुलिसवालों के घर से ही चोरों ने चुराया लाखों का माल

फर्रुखनगर में चोरों का आतंक, एक के बाद एक घरों में हो रही चोरी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

फर्रुखनगर क्षेत्र में चोरों का आतंक मचा हुआ है। एक के बाद एक घरों में चोरी करके चोर लाखों के सामान पर हाथ साफ कर चुके हैं। आम आदमी के साथ-साथ पुलिस वालों के घर को भी चोरों ने नहीं छोड़ा और लाखों का सामान चुरा लिया। जिस तरह से क्षेत्र में चोरियों की वारदातें बढ़ीं हैं, उससे लगता है कि क्षेत्र में कोई बड़ा गैंग इन वारदातों को अंजाम दे रहा है।

फर्रुखनगर के वार्ड-6 स्थित बालाजी नगर निवासी पिता-पुत्र पुलिस में हैं। उनके घर से चोर करीब 90 हजार नकद, करीब 15 लाख रुपये कीमत के सोने चांदी के जेवर लेकर फरार हो गए। थाना फर्रुखनगर पुलिस ने पुलिसकर्मी के पुत्र नवीन के बयान पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। नरेंद्र ने बताया कि वह भोंडसी आरटीसी में हवलदार का प्रशिक्षण ले रहा है।

वहीं उसके पिता पूर्णमल गुरुग्राम के डीएलएफ फेस वन थाना में भारतीय सेना से रिटायर्ड होने के बाद हवलदार के रूप में तैनात हैं। उसका भाई घर पर ही बालाजी नगर में परचून की दुकान चलाता है। बीती 25/26 सितम्बर की रात्रि अज्ञात चोर उसके घर में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम दे गए। हवलदार नरेन्द्र ने बताया कि उसकी पत्नी अपने मायके गई हुई थी और मां रात्रि को दवाई लेकर करीब 11/12 आई तो घर पर ताला लगा हुआ था। रात्रि में चोरों ने घर के सामने लगी स्ट्रीट लाइट को बंद किया और घर का ताला तोड़कर घटना को अंजाम दे दिया।

टीवीएस एजेंसी मालिक के घर पर सेंधमारी

फर्रुखनगर में एक घर में चोरी की वारदात के बाद पहुंची पुलिस।

फर्रुखनगर-वजीरपुर रोड स्थित लार्ड कृष्णा अस्पताल के सामने टीवीएस मोटर साइकिल एजेंसी के मालिक के घर का ताला तोड़कर चोर करीब 50 तोले सोने के जेवर व करीब 60 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। सूचना पाकर थाना फर्रुखनगर पुलिस ने मौका मुआयना किया। यहां नवीन पुत्र राजेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि उन्होंने अपने टीवीएस शोरूम के पीछे पांच मंजिला मकान बनाया हुआ है। शनिवार को वह और उसका छोटा भाई रवि यादव मानेसर में अपने बाइक के शोरूम पर थे। उनके पिता राजेंद्र सिंह, मां सुमन देवी, पत्नी कविता तीनों बच्चों सहित सुल्तानपुर स्थित अपने खेत में रोज की भांति पशुओं की देखभाल व दूध निकालने को करीब 4 बजे गए थे।

लापरवाही : सोशल डिस्टेंसिंग टूटने से प्रकोप दिखा रहा है कोरोना

मृतकों की संख्या का आंकड़ा 215 पर

विभिन्न संगठन और राजनीतिक पार्टियां तक कोरोना के बढ़ते खतरे को कर रही हैं नजरअंदाज

कविता। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे है। जिसमें कभी संक्रमण को मात देने वालों की संख्या बढ़ जाती है, तो दूसरी तरफ आंकड़ों में उछाल आ जाता है। हिसाब-किताब बराबर हो जाता है, लेकिन हरियाणा के अन्य जिलों के मुकाबले फरीदाबाद में सर्वाधिक मौत हुई है। जिसमें 215 मृतकों की संख्या है। ऐसी परिस्थिति में ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत होती है, लेकिन लोग लापरवाह हो रहे हैं। विभिन्न संगठन और राजनीतिक पार्टियां तक कोरोना के बढ़ते खतरे को नजरअंदाज कर रही हैं।

सोशल डिस्टेंसिंग की उड़ती धज्जियां

यह है कारण

जिले में लोग बचाव नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। जिसके गंभीर परिणाम सामने आ रहा है। कोरोना के प्रकोप को देखते हुए केंद्र सरकार ने पूरे देश में 24 मार्च से लॉकडाउन लगाया गया था, जो 31 मई तक था। जरूरी कार्य छोड़कर लोगों को घर निकलने पर पाबंदी थी। जरूरत की दुकानें खुलती थी। बाकी दुकानें बंद रहती थी। एक जून से देश में अनलॉक शुरू हुआ। इसमें बाजार खुलने लगे। अनलॉक दो शुरू हुआ तो शॉपिंग मॉल भी खुल गए। लोगों को रोजगार के जीवन यापन के लिए और छूट दिए जाने की घोषणा के साथ एक सितंबर से अनलॉक चार भी शुरू हो गया है।

सावधानी हटी, दुर्घटना घटी

जिले में होने वाले सामाजिक एवं राजनीतिक आयोजनों में लोगों भारी संख्या में जमा होते हैं। ज्ञापन देने, धरना-प्रदर्शन और अन्य कार्यक्रमों के दौरान यहां सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ती नजर आती है। रैलियों में आलम यह रहता है कि लोग एक दूसरे से सटकर चल रहे होते हैं। कोरोना के लगातार बढते मामले के बीच इस तरह से स्वास्थ्य विभाग टेंशन में हैं। हालांकि कोई अधिकारी इस मामले में खुलकर कुछ नहीं कहना चाहता।

लेकिन उनका मानना है कि अब लोग लापरवाह हो चले हैं। कोरोना से बचाव के लिए जो सावधानी बरतनी चाहिए, वह नहीं बरती जा रही है। जिससे सावधानी हटी और दुर्घटना घटी वाली कहावत चरितार्थ हो रही है।

जीवन से खिलवाड़

लोगों को यह समझना होगा कि अनलॉक होने से ही सब कुछ सामान्य नहीं हो गया है। अनलॉक में लोगों को राहत दी गई है, ना कि सब कुछ सामान्य किया गया है। कोरोना वायरस से बचने के लिए लोगों को हर हाल में मास्क का उपयोग और सामाजिक दूरी बनानी।

कोरोना से दो मौतें, 178 पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 19,299

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में रविवार को 238 पॉजिटिव लोगों ने कोरोना की जंग को जीत लिया। जिससे जिले का रिकवरी रेट 91.9 प्रतिशत पर पहुंच गया। वहीं राहत के बीच दो पॉजिटिव मरीजों ने विभिन्न बीमारियों के कारण दम तोड़ दिया। जिससे मृतकों की संख्या का आंकड़ा 215 पर पहुंच गया।

जिले में पिछले कुछ दिनों के मुकाबले रविवार को पॉजिटिव मरीजों की संख्या काफी कम आई है। 178 पॉजिटिव से जिले में कोविड-19 का आंकड़ा 19299 पर पहुंच गया।

यह है आंकड़ा

अब तक कुल जांच	194921
अब तक पॉजिटिव	19299
रिपोर्ट नेगेटिव आई	175315
रिपोर्ट आनी बाकी	307
गंभीर हालत में भर्ती	43
वेंटिलेटर पर भर्ती	9
अब तक ठीक हुए	17730
अब तक कुल मौत	215

मृतक और पॉजिटिव

रविवार को कोरोना पॉजिटिव दो मरीजों ने दम तोड़ दिया। जिसमें चावला कालोनी निवासी 54 वर्षीय पुरुष और 55 वर्षीय जवाहर कालोनी निवासी एक महिला शामिल है। वह दोनों अन्य कई तरह की बीमारियों से ग्रस्त थे। वहीं 178 पॉजिटिव में सुरदास कालोनी, शिव दुर्गा बिहार, सेक्टर-82, बसेलवा कालोनी, जीवन नगर, एसजीएम नगर से 2-2 मरीज है। सेक्टर-41, 21, 25, 64, 85, 86, 75, 55, 65, नेकपुर, चार्मवुड, भूड कालोनी, अरावली टॉवर ओमेक्स हिल्स, खेड़ी कला, मवई, शिव कालोनी, चावला कालोनी, नंगला इंक्लेव, बल्लभगढ़, इंदिरा इंक्लेव, राजीव कालोनी, मेवला महाराजपुर, अहीरवाडा, प्रतापगढ़, कृष्णा कालोनी, तिलपत, ब्रावेली टॉवर हिल-दो, एनएच-एक, सेहतपुर, संजय इंक्लेव, पाली, से 1-1 मरीज है। सेक्टर-आठ, 29, 78, एनएच-4 से 3-3 मरीज है। सेक्टर-7 से 4, जवाहर कालोनी से 5, ग्रीन फिल्ड कालोनी से 6 और अन्य एरियों से 89 मरीज शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

दो पारियों में हुई जेईई एडवांस्ड की परीक्षा

फरीदाबाद। कोरोना महामारी के बीच गाइडलाइन फोलो करते हुए रविवार को एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) की ओर से जेईई एडवांस्ड की परीक्षा आयोजित की गई। आय ऑन डिजिटल जोन सेक्टर-20बी में परीक्षा केंद्र बनाया गया था। परीक्षा सुबह और दोपहर की दो पारियों में संपन्न कराई गई। परीक्षा सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर 2.30 से शाम 5.30 बजे तक हुई। फरीदाबाद के अलावा पलवल के परीक्षार्थियों का केंद्र भी औद्योगिक नगरी में ही बनाया गया। इस बार आय ऑन डिजिटल जोन के लिए, परीक्षा सफलतापूर्वक कराना एक बड़ी चुनौती था, क्योंकि कोरोना संक्रमण अपने चरम पर हैं और नए मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। परीक्षार्थियों के बीच शारीरिक दूरी बनाए रखने के लिए केंद्र के अंदर एवं बाहर सफेद रंग से एक मीटर की दूरी पर गोल घेरे बनाए गए थे। केंद्र प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार पहली व दूसरी पाली में करीब 350 परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई थी। इनमें से कुछ अनुपस्थित भी रहे हैं। वहीं अभिभावकों को केंद्र से पहले रोक दिया गया था और माइक के जरिये अभिभावकों से घर वापस जाने की अपील की जा रही थी। परीक्षार्थी परीक्षा को लेकर तनाव में दिख रहे थे, लेकिन परीक्षा समाप्त होने के बाद केंद्र से बाहर निकलते समय परीक्षार्थी काफी खुश दिखाई दे रहे थे। परीक्षार्थियों के अनुसार जेईई मेन की तर्ज पर ही एडवांस्ड का प्रश्नपत्र आया था।

मंच ने महिला अभिभावकों को जोड़ने का लिया संकल्प

फरीदाबाद। अभिभावक एकता मंच महिला सेल की बैठक रविवार को आयोजित की गई। जिसमें मंच की महिला सदस्यों के साथ साथ कई स्कूलों की महिला पेरेंट्स व सामाजिक संगठनों की महिला प्रतिनिधियों ने भाग लेकर प्राइवेट स्कूलों की मनमानियों के बारे में चर्चा की। समाज सेविका डॉक्टर हेमलता शर्मा की अध्यक्षता में उनके सेक्टर-21बी स्थित निवास पर आयोजित इस बैठक में मंच की महिला सेल की सदस्य एडवोकेट अर्चना अग्रवाल, पूनम भाटिया, महिला अभिभावक साक्षी भाटिया, आशा, ममता शर्मा, अनीता, राखी, सुरभि, तान्या, निशा रानी, पिंकी शर्मा ने बताया कि प्राइवेट स्कूलों द्वारा कराई जा रही तथाकथित ऑनलाइन पढ़ाई में सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं को उठानी पड़ रही है। बच्चों को मोबाइल पर कराई जा रही ऑनलाइन पढ़ाई के समय उनको भी बैठना पड़ता है, उनको आ रही दिक्कत को दूर करना पड़ता है और दिए जाने वाले होमवर्क में भी हाथ बटाना होता है। सभी ने मंच द्वारा किए जा रहे कार्य व कार्यक्रमों की सराहना करते हुए मंच को पूरा सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया और मंच के उद्देश्यों को प्रत्येक महिला अभिभावक की जानकारी में लाने का संकल्प लिया।

विश्वकर्मा महासंगठन ने बैठक का किया आयोजन

फरीदाबाद। अखिल भारतीय श्रीविश्वकर्मा महासंगठन की हरियाणा प्रदेश की एक बैठक का आयोजन संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक सदस्य रतन लाल शर्मा के सेक्टर-19 स्थित कार्यालय पर किया गया। इस बैठक में भाग लेने के लिए हरियाणा प्रदेश से सभी लोकसभा इंचार्ज, सभी जिलों के जिलाध्यक्ष व पदाधिकारी पहुंचे। कार्यक्रम की शुरूआत महासंगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रतन लाल शर्मा, राष्ट्रीय अध्यक्ष (महिला) पुष्पा शर्मा जागिड़, महासचिव रमेश कुमार जांगड़ा द्वारा दीप प्रज्जवलित कर की गई। इस बैठक में संगठन की कार्यप्रणाली, लक्ष्य एवं व्यवस्था पर चर्चा व सुझावों का आदान प्रदान किया गया। इसके अलावा प्रदेश कार्यकारिणी व लोकसभा अध्यक्षों को नियुक्ति पत्र देने के साथ साथ उन्हें शपथ भी दिलाई गई। बैठक में विश्वकर्मा बंधुओं ने बारी बारी से अपने विचार रखे और महासंगठन को मजबूती देने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

चोरी और छीना झपटी के दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर 48 ने चोरी और छीना झपटी करने वाले दो आरोपी करण निवासी पलवल और गुलशन निवासी समयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी करण फिलहाल नंगला एनक्लेव पार्ट 2 में रह रहा है। आरोपी करण ने बताया कि उसने अपनी प्रेमिका को घुमाने और उसकी जरूरतों को पूरी करने के लिए चोरी और छीना झपटी की कई वारदातों को अंजाम दिया है। आरोपी करण ने 26 फरवरी 2020 को एनआईटी थाना एरिया में एक ऑटो सीएनजी चुराया था। आरोपी ने 21 अगस्त 2020 को मुजेसर थाना एरिया में एक मोटरसाइकिल चोरी की। 13 सितंबर 2020 को आरोपी ने एसजीएम नगर थाना एरिया में स्कूटी चोरी की थी। इसके अलावा आरोपी करण ने अपने दोस्त गुलशन के साथ मिलकर थाना सेक्टर 58 एरिया में 25 सितंबर 2020 को फोन छीनने की वारदात को अंजाम दिया था। जिस पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज है। करण इससे पहले 377 के एक मामले में जेल जा चुका है। पुलिस ने आरोपियों से उपरोक्त तीन वारदात को सुलझाते हुए छीना हुआ मोबाइल फोन, 1 सीएनजी ऑटो, एक स्कूटी, और सीआरपीसी 102 के तहत आरोपी करण से 3 स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। आरोपियों को अदालत में पेश कर जेल भेजा गया है।

गांवों को निगम में शामिल करने का विरोध

फरीदाबाद। पृथला विधानसभा क्षेत्र के 11 गांवों को नगर निगम फरीदाबाद में शामिल करने के विरोध में रविवार को सभी 11 गांवों मौजिज सरदारी की एक पंचायत क्षेत्र के पूर्व विधायक रघुवीर सिंह तेवतिया के सीकरी स्थित कार्यालय पर आयोजित की गई। इस पंचायत में उपरोक्त गांवों के पंच-सरपंच सहित मौजिज सरदारी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस पंचायत में एक स्वर से फैसला लिया गया कि अगर पृथला क्षेत्र के 11 गांवों सहित सभी 26 गावों को नगर निगम में शामिल करने के फैसले को निरस्त नहीं किया गया तो वह सभी पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरियाणा के नेता प्रतिपक्ष चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा से मिलेंगे और सभी 26 गांव की सरदारी, पार्टी के विधायकों व कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर एक बडी सभा का आयोजित किया जाएगा। जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को आमंत्रित किया जाएगा। नगर निगम में जाने के बाद गांव विकास कार्यों के लिए आने वाली राशि सीधा निगम के पास जाएगी और जो नगर निगम घोटालों के चलते खुद घाटे में है, वह हमारे गांव का क्या भला कर पाएगा। पूर्व विधायक तेवतिया ने कहा कि पहले किसान विरोधी बिल और अब ये नगर निगम फैसला, पूरी तरह किसान विरोधी और जन विरोधी है।

गांजा की तस्करी में दो गिरफ्तार

फरीदाबाद। दयालबाग चौकी प्रभारी एसआई राजेश कुमार और उनकी टीम ने नाका बंदी कर मोटरसाइकिल पर गांजा ले जाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान मुकेश निवासी नई दिल्ली और हिमांशु निवासी शिव दुर्गा विहार लक्कड़पुर फरीदाबाद के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस टीम को सूचना मिली थी दो मोटरसाइकिल सवार आरोपियों के पास गांजा है। जिसको वह सप्लाई करने के लिए लेकर जा रहे हैं। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस चौकी प्रभारी एसआई राजेश और उनकी टीम ने दयालबाग चौक पर नाकाबंदी कर आरोपियों को रुकवाने की कोशिश की जिस पर आरोपियों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन मुस्तैद नाकाबंदी और अलर्ट खड़े पुलिस कर्मियों ने भाग कर आरोपियों को मौके पर ही धर दबोचा। आरोपियों की तलाशी लेने पर आरोपियों के कब्जे से 3 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद हुआ। जिस पर आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला थाना सूरजकुंड में दर्ज किया गया है।

पार्क अस्पताल के शिविर में हृदय जांच को पहुंचे 200 मरीज

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पार्क हॉस्पीटल के सभी ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स में एक दिवसीय निःशुल्क हृदय जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सुबह नौ से दोपहर एक बजे तक के कैम्प में पार्क समूह के सभी अस्पतालों में 200 से अधिक रोगियों ने अपनी जांच कराई। कोरोना महामारी के इस दौर में इस कैम्प में माता-पिता और बच्चों के बीच एक अनोखा उपचार अनुभव और संबंध देखा गया। बच्चे अपने माता-पिता के स्वास्थ्य के बारे में अधिक चिंतित हैं, क्योंकि शिविर में बच्चों को अपने माता-पिता के लिए निवारक हार्ट पैकेज बुक करते हुए देखा गया। शिविर में सेनिटाइजर, सोशल डिस्टेंसिंग जैसे उपायों का इस्तेमाल किया गया और शिविर में उपस्थित लोगों के लिए अन्य व्यक्तिगत उपाय किए गए। पार्क समूह अर्थात दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, पानीपत, करनाल और अंबाला के सभी स्थानों पर हार्ट कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें मुफ्त परामर्श, ईसीजी, ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर जांच, ईको/टीएमटी की जांच की गई। इस शिविर का आयोजन वर्ल्ड हार्ट डे के उपलक्ष्य में किया गया। शिविरों में विशेषज्ञों के अलावा कार्डियोलॉजी व कार्डियक सर्जरी विभाग के विशेषज्ञ भी उपलब्ध रहें। जिसमें पार्क हॉस्पिटल, गुड़गांव के डॉ. विनय कुमार कार्डियोलॉजिस्ट, डॉ. ईला मदान फेलोशिप इन नॉन इनवेसिव कार्डियोलॉजी और पार्क हॉस्पिटल, फरीदाबाद के डॉ. राकेश अरोड़ा कार्डियोलॉजिस्ट और द सिग्नेचर हॉस्पिटल, गुडगांव के डॉ. सौरभ चौपड़ा और विशेषज्ञों की टीम में डॉ. दीपक नटराजन, डॉ. सीएम मित्तल, डॉ. अरविंद सिंगल, डॉ. संजय कुमार गुप्ता रहेंगे।

आईटीआई व कौशल विकास के ठेका कर्मचारियों का शोषण बर्दाश्त नहीं : शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्रदेश की आईटीआई में वर्षों से तैनात ठेका कर्मचारियों ने ठेकेदारों व अधिकारियों की मिलीभगत से हो रहे शोषण के खिलाफ रविवार को मंत्री मूलचंद शर्मा के कार्यालय पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मंत्री के सामने आपबीती सुनाई, जिसको सुनकर मंत्री स्तब्ध रह गए। मंत्री ने तुरंत विभाग के एसीएस व निदेशक से बातचीत कर शिकायतों एवं शोषण का समाधान करने के लिए 30 सितंबर को मीटिंग निश्चित की। मंत्री ने प्रदर्शनकारियों के बीच आकर आश्वासन दिया कि कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग हरियाणा में ठेके पर लगे कर्मचारियों के शोषण करने वाले ठेकेदारों और इसमें शामिल अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। प्रदेश की आईटीआई में तैनात कर्मचारी रविवार को ओपन एयर थियेटर सेक्टर 12 में एकत्रित हुए। वहां से सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष लांबा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश कुमार शास्त्री,उप प्रधान सविता मलिक, आल हरियाणा आईटीआई आउटसोर्सिंग इंप्लाइज एसोसिएशन के राज्य संयोजक श्रवण कुमार व सह संयोजक अनीता,एसकेएस के जिला सचिव बलबीर सिंह व नपाकर्स हरियाणा के उप महासचिव सुनील कुमार की अगुवाई में जूलुस की शक्ल में प्रदर्शन करते हुए कैबिनेट मंत्री के कार्यालय पर पहुंचे और जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों के तेवरों को देखते हुए मंत्री ने शिष्टमंडल को तुरंत बातचीत के लिए आमंत्रित किया। इसके बाद ही प्रदर्शनकारी शांत हुए। सुभाष लांबा व नरेश कुमार शास्त्री ने मंत्री से मामले में हस्तक्षेप कर तुरन्त निर्देश जारी करें कि ठेका बदलने पर किसी पुराने कर्मचारी को न हटाने,हटाए गए कर्मचारियों को वापस ड्यूटी पर लेने और समय पर पूरा वेतन भुगतान सुनिश्चित कराने की मांग की। आल हरियाणा आईटीआई आउटसोर्सिंग इंप्लाइज एसोसिएशन के संयोजक श्रवण कुमार व सह संयोजक अनीता ने मंत्री को बताया कि प्रदेश की आईटीआई में करीब 1240 ठेका कर्मचारी आउटसोर्सिंग पॉलसी -1 के अंतर्गत सफाई कर्मचारी व माली के पदों पर काम कर रहे है।

सीएम फ्लाइंग की टीम ने पकड़ा नकली घी और नशे का सामान

नकली घी और भांग के गोले किए बरामद, मामला दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। बल्लभगढ़

सीएम फ्लाइंग ने सेक्टर-सात थाना पुलिस के साथ मिलकर रविवार की सुबह करीब दस बजे सेक्टर-तीन स्थित एक किरयाने की दुकान पर छापा मारा। पुलिस ने रवि किरयाना स्टोर से करीब सवा सौ किलो भांग के गोले व पचास किलो नकली देशी घी, ब्रांडेड कंपनियों के देशी घी की पैकिंग व मोहर आदि सामान जब्त किया। पुलिस ने दुकानदार व उसके भाई को मौके से गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर लिया है। देर शाम तक पुलिस जांच में जुटी रही।

मुख्यमंत्री उड़न दस्ते के प्रभारी डीएसपी देवेंद्र यादव ने बताया कि उन्हें सूचना मिली कि सेक्टर तीन स्थित रवि किरयाना स्टोर पर नकली घी बनाने व नशे का सामान भारी संख्या में रखा हुआ है। उन्होंने सेक्टर सात थाना प्रभारी व सरकारी अस्पताल के डॉक्टर की टीम को साथ लेकर सुबह करीब दस बजे रेड कर दी। रेड के दौरान दुकान से पचास किलो नकली घी। मिल्कफूड, अमूल व मदर डेयरी के नकली पैकिंग व करीब सवा सौ किलो भांग के गोले बरामद हुए। उन्होंने बताया कि भांग के गोलों को सस्ते नशे के रूप में युवाओं द्वारा इस्तेमाल किया जाता है। दुकानदार भांग बाहर से भारी मात्रा में मंगवाकर छोटे दुकानदारों और खोखे वालों को सप्लाई करता था। इसके साथ ही ब्रांडेड घी की पैकिंग में घी बनाकर मिलावटी देशी घी बनाकर भी बेचता था। टीम ने घी के सेम्पल लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के पास जांच के लिए भेज है। भारी सामान की गिनती करके जब्त किया गया है। दुकान संचालक रवि अग्रवाल को हिरासत में लेकर उससे आगे के नेटवर्क के बारे में पूछताछ की जा रही है।

एकलव्य ने जीता 68 रन से मैच

फरीदाबाद। प्रथम रविंद्र फागना टी-20 क्रिकेट लीग में एकलव्य क्रिकेट अकैडमी (फ़रीदाबाद) ने शाहिद राज सिंह खटाना क्लब (दमदमा) को 68 रन से हराया। यह मुकाबला रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी स्थित मैदान पर खेला गया। बीबीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया कि ये मैच 20-20 ओवर का है ये मैच एकलव्य क्रिकेट अकैडमी (फ़रीदाबाद) और शाहिद राज सिंह खटाना क्लब (दमदमा) के साथ खेला गया। एकलव्य क्रिकेट अकैडमी (फ़रीदाबाद) ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाज़ी करने का निर्णय लिया। एकलव्य क्रिकेट अकैडमी (फ़रीदाबाद) टीम की ओर बल्लेबाज़ी करते हुए टीम ने 20 ओवार में 3 विकेट पर 182 रन बनाए। टीम की ओर बल्लेबाजी करते हुए हेमंत डोगरा ने 82 रन, पारस डोगरा ने 63 रन और सोमबीर ने 16 रन बनाए। शाहिद राज सिंह खटाना क्लब (दमदमा) की ओर से गेंदबाजी करते हुए नीरज तिवारी, रकम सिंह और सतीश मास्टर ने 1-1 विकेट लिए।

मंच लाया मानसिक रूप से कमजोर बच्चों के चेहरों पर मुस्कान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मारवाड़ी युवा मंच बल्लभगढ़ शाखा के द्वारा मानसिक रूप से कमजोर बच्चों के चेहरे के ऊपर मुस्कान लाने का कार्य किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष विमल खंडेलवाल उपस्थित हुए, मंच के द्वारा कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान समाज में विभिन्न प्रकार के कार्य किए जा रहे हैं।

जो बच्चे मानसिक रूप से विकसित नहीं है अपना पालन पोषण नहीं कर सकते, मारवाड़ी युवा मंच बल्लभगढ़ शाखा के द्वारा रविवार के दिन भारत कॉलोनी के पास इन बच्चों के साथ समय व्यतीत किया गया, चॉकलेट, टॉफी, बिस्कुट, फ्रूटी, दोपहर के भोजन की व्यवस्था की गई, इस सब चीजों को देखकर बच्चों के चेहरों के भाव मुस्कान से भरे हुए थे, विमल खंडेलवाल ने इस नेक कार्य के लिए सभी को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं। मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष रवि भाटी ने बताया कि हमारी संस्था में किसी भी सदस्य का जन्म दिवस हो शादी की सालगिरह हो तो उसे व्यक्ति से सहयोग लेकर इन बच्चों के चेहरे के ऊपर खुशी लाने का कार्य हम सदैव करते रहते हैं, परमात्मा ने हमें मनुष्य के रूप में जन्म दिया है यह हमारा सौभाग्य है कि हम इस प्रकार जनमानस और लाभान्वित करा सकें। कार्यक्रम में उपस्थित प्रदेश उपाध्यक्ष विमल खंडेलवाल, बल्लभगढ़ शाखा अध्यक्ष रवि भाटी, पूर्व अध्यक्ष अनुज शर्मा, उपाध्यक्ष विपिन शर्मा, मुकेश शर्मा, तनुज ठाकुर, राजीव शर्मा, विष्णु शर्मा,अधिवक्ता रविंद्र गुप्ता, अधिवक्ता राजेंद्र गौतम, अधिवक्ता रामवीर तंवर, अधिवक्ता ओ पी सैनी, अधिवक्ता शिवकुमार शर्मा, मुख्य रूप से उपस्थित थे।

पंजाबी सभा के शिविर में 351 लोगों ने किया रक्तदान

कोरोना महामारी के चलते रक्तदान शिविर लगाना बहुत ही नेक कार्य : मूलचंद शर्मा

रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं और इसका कोई दूसरा विकल्प भी नहीं : यशपाल यादव

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बल्लभगढ़ स्थित अग्रवाल धर्मशाला में शहीद-ए-आजम भगत सिंह के 'जन्मदिवस' के उपलक्ष्य में पंजाबी समिति बल्लभगढ़ द्वारा छठां विशाल रक्तदान शिविर लगाया गया। जिसमें समिति द्वारा 351 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस दौरान कोविड-19 को ले सरकार की ओर से जारी एडवाइजरी का पालन करते हुए समिति के सदस्यों ने मास्क व दस्ताने भी पहन रखे थे। साथ ही शिविर में सोशल डिस्टेंसिंग व सैनिटाइज का भी ध्यान रखा गया। रक्त दाता को भी रक्तदान से पूर्व सैनिटाइज भी किया गया। गौरतलब है कि समिति द्वारा आयोजित हुए प्रथम शिविर 2015 में 150 यूनिट रक्त, 2016 में 201, 2017 में 225, 2018 में 251 एवं 2019 में 275 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। जोकि अपने आप में एक मिसाल है।

हर वर्ष कि भांति समिति द्वारा रक्तदाता का उपहार स्वरूप कुछ ना कुछ दिया जाता है इसी के चलते इस बार समिति द्वारा सड़क सुरक्षा और यातायात के नियमों को ध्यान में रखते हुए, रक्तदाता को उपहार स्वरूप में (आईएसआई) हेलमेट प्रदान किया गया। शिविर में सदस्यों द्वारा मास्क भी वितरित किए गए। इस शिविर में महिला एवं पुरुष व युवाओं ने बढ़चढ़ रक्तदान किया।

यह शिविर रेडक्रॉस सिविल हस्पताल (बीके हॉस्पिटल), डिवाइन ब्लड बैंक, रोटरी ब्लड बैंक की टीम द्वारा लगाया गया। शर्मा ने सभी शहर वासियों को सरकार के दिशा-निर्देशों का पालन करने की बात कही। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने शहीदे आजम भगत सिंह की कुर्बानियों को भी याद किया और रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा की आज शहीदों के बलिदान के कारण ही हम खुली हवा में सांस ले रहे है। उन्होंने कहा की कोरोना महामारी के चलते रक्तदान शिविर लगाना बहुत ही नेक कार्य है। ऐसे आयोजनों से जरूरतमंदों के लिए रक्त काम आएगा। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि आज महिलाएं भी रक्तदान के लिए आगे आ रही हैं, महिलाओं के हौसले को देखते हुए उन्हें सम्मानित किया। शिविर में विशिष्ठ अतिथि के तौर पर जिला उपायुक्त यशपाल यादव, रवि कालरा (अर्थ सेवियर फाउंडेशन) को समिति के पदाधिकारियों ने फूल बुके से उनका व आये हुये सभी अतिथियों का स्वागत किया व स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर जिला उपायुक्त यशपाल यादव ने कहा कि पंजाबी सेवा समिति बल्लभगढ़ द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित करना एक मानवीय कार्य है और रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं और रक्तदान का कोई दूसरा विकल्प भी नहीं।

बिहार में चुनाव
नीतीश की परीक्षा

महामारी के बीच में बिहार विधानसभा चुनाव व्यवस्था व सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए चुनौती हैं। ये वायरस के प्रसार पर लगाम रखते हुए जनता की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने का उदाहरण बन सकते हैं। इसके लिए चुनाव के नए नियम लागू होंगे जिसमें वर्चुअल प्रचार अभियान, मतदान का लंबा समय, ज्यादा मतदान केन्द्र, कोविड संक्रमित मतदाताओं के लिए कवारंटीन सेंटर तथा अभूतपूर्व सुरक्षा उपाय शामिल हैं। सबसे बड़ी चुनौती यह सुनिश्चित करना होगा कि चुनाव वायरस फैलाव का कारण न बनें। यह निर्वाचन आयोग की बड़ी परीक्षा होगी क्योंकि इसके बाद कई राज्यों में चुनाव होंगे। मुख्यमंत्री व जनता दल युनाइटेड-जदयू नेता नीतीश कुमार को जनता को समझाना होगा कि वे अभी नतीजे देने के मामले में सबसे अच्छे हैं। विपक्ष तथा राष्ट्रीय जनता दल-राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के लिए यह सिद्ध करने का अवसर है कि उनके बेटे उनका राजनीतिक आंदोलन आगे बढ़ाते रहेंगे। नीतीश की महामारी, बाढ़ तथा प्रवासी श्रमिक संकट से ठीक से न निपटने की आलोचना होती है। फिलहाल मुख्यमंत्री उम्मीदवार के रूप में वे भाजपा के साथ विजय प्राप्त कर सकते हैं, पर भविष्य में भाजपा शायद अपने लिए अलग नेता तलाश करे। नए कृषि विधेयकों का राज्य की राजनीति पर ज्यादा प्रभाव शायद नहीं पड़ेगा क्योंकि बिहार देश में कृषि उत्पाद बाजार समिति कानून 2006 में समाप्त करने वाला देश का पहला राज्य है जिसने कृषि उत्पादों की खरीद में निजी क्षेत्र को शामिल किया था, लेकिन इससे बिहार के किसानों को शायद ज्यादा लाभ नहीं हुआ। राज्य के कृषि क्षेत्र में कोई बड़ा निजी निवेश

भी नहीं हुआ। विपक्ष यह मुद्दा चुनाव प्रचार में उठा सकता है। राजनीतिक रूप से नीतीश कुमार ने लोक जनशक्ति पार्टी-लोजपा का असर घटाया है जिसके नेता चिराग पासवान उन पर रोज हमला करते रहते हैं। इसके लिए उन्होंने हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा-हम संस्थापक जीतन राम माझी को अपने साथ लिया है। इससे दलित मतदाता राजग से मजबूती से जुड़ेंगे जिनकी संख्या 2011 की जनगणना के अनुसार बिहार में 15 प्रतिशत है। महादलित 16 प्रतिशत हैं, पर उनका थोड़ा झुकाव राजद की ओर भी है जिसे मुस्लिम और यादव मतदाताओं का परंपरागत समर्थन प्राप्त है। माझी दलितों को नीतीश के पक्ष में लाकर उनकी स्थिति मजबूत करेंगे।

सवाल है कि लालू यादव की स्थिति कैसी रहेगी। अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी-सपा ने बिहार चुनाव न लड़ने तथा राजद उम्मीदवारों के समर्थन की घोषणा की है। लालू अभी मजबूत हैं, पर वे समान विचार वाली पार्टियों के साथ महागठबंधन को मजबूत करने के लिए जमीन पर नहीं उतर सकते हैं। इससे राजद को नुकसान होगा। रणनीतिक साझेदारी के अभाव में विपक्ष गैर-राजग मतों का विभाजन करा सकता है। इसके साथ ही राजद की सीटें थोड़ी कम कर गठबंधन ज्यादा आक्रामक बन सकता है। लेकिन राजद की सीटें घटने से भाजपा लाभ की स्थिति में होगी। लोकसभा चुनाव परिणाम इसकी पुष्टि करता है। राजद के कुछ साझीदार सार्वजनिक रूप से तेजस्वी यादव की आलोचना करते हैं। नौजवान लालू यादव के बेटों के वंशवादी अधिकार से खुश नहीं हैं जो सार्वजनिक स्पेस में अपनी महत्वाकांक्षाओं के लिए लड़ते हुए कोई विश्वास नहीं पैदा करते हैं। अब तक तेजस्वी केवल जीहुजूरों को एकजुट करते हुए वरिष्ठ नेताओं को किनारे धकेलते रहे हैं। इससे वामपंथी पार्टियों व कांग्रेस में राजद की विश्वसनीयता घटी है। भाजपा विपक्षी खेमे में बिखराव की प्रतीक्षा कर रही है। वामपंथी पार्टियों की हालत खराब है, हालांकि परंपरागत क्षेत्रों में उनका कुछ असर है। वे जेएनयू छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार का प्रभावी प्रयोग कर सकती हैं। कांग्रेस की हालत भी अच्छी नहीं है। हालांकि, इससे राजद को नुकसान नहीं होगा, पर एक और खराब प्रदर्शन के बाद कुछ और कांग्रेसी भाजपा में जा सकते हैं। हालांकि, जनता का एक तबका नीतीश से नाराज है, पर लालू की अनुपस्थिति में विपक्ष इसका लाभ उठाने में अक्षम है।

सार्वजनिक हित में कदम उठाए सरकार

यह सुस्थापित तथ्य है कि वायरस अत्यधिक संक्रामक है तथा संक्रमित व्यक्ति के साथ संपर्क होने पर बड़ी तेजी से फैलता है। इसके परिणामस्वरूप, कोविड-19 एक सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दा है।

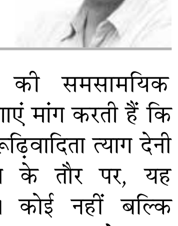

स्वपन दासगुप्ता
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

सही होने की समसामयिक धारणाएं मांग करती हैं कि अच्छे नागरिकों को रूढ़िवादिता त्याग देनी चाहिए। एक नियम के तौर पर, यह निरपवाद पहलू है। कोई नहीं बल्कि सर्वाधिक कट्टर व्यक्ति स्पष्ट रूप से कहता और मानता है कि सभी चीनी एक जैसे लगते हैं। निश्चित रूप से, वे नहीं लगते, और सुझाव उतना ही हास्यास्पद है जितना कि चेहराविहीन देशीय लोगों के जनसमुदाय में पुरातन औपनिवेशिक विश्वास।

उसी समय, सरकारें एवं नीति नियंता अवश्यंभावी रूप से पुनः संकीर्णता के भंवर में वापस डूब जाते हैं, एक विवादास्पद शब्द प्रयोग करें, सामान्यीकरण अथवा, यदि आप पसंद करें तो, जमावड़ा। उदाहरण के लिए, कोविड-19 महामारी, के दो स्पष्ट आयाम हैं। पहला है, एक विशुद्ध चिकित्सीय अथवा वैज्ञानिक आयाम जो केंद्रित है, सर्वप्रथम, एक निरोधक वैक्सीन विकसित करने पर तथा, एक पल के लिए, उपचार का प्रकार सुरक्षित करने पर जो इस घातक वायरस से होने वाली मौतों की संख्या कम करेगा। निःसंदेह कुछ राष्ट्रीय गुण लोगों के पसंदीदा विभिन्न औषधि सम्प्रदायों में शामिल होते हैं। उदाहरण के लिए, भारत में, प्रचुर मात्रा में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली चीजें बाजार में उपलब्ध हैं जिनमें होम्योपैथिक मीठी गोलियों से लेकर जड़ी-बूटियों के मिश्रण तक जो औषधीय पौधों पर पर आधारित होती हैं। फिर आता है योग और ध्यान। पश्चिम में, विटामिन सी व जिंक मिश्रित रोग प्रतिरोधक दवाओं के अलावा, ज्यादा जोर शारीरिक व्यायाम व मोटापा नियंत्रित करने पर दिया जाता है। उदाहरण के लिए, ब्रिटिश सरकार ने, एक अधिक वजन वाले प्रधानमंत्री, जो कोविड-19 के गंभीर संक्रमण से उबरकर निकले हैं, से सबक लेकर मोटापे के विरुद्ध अभियान छेड़ दिया है।

हालांकि, एक और आयाम है कोविड-19 के प्रबंधन का जिसमें राज्य की भूमिका शामिल है। यह सुस्थापित तथ्य है कि वायरस अत्यधिक संक्रामक है तथा संक्रमित व्यक्ति के साथ संपर्क होने पर बड़ी तेजी से फैलता है। इसके परिणामस्वरूप, कोविड-19 एक सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दा है जिसके लिए सर्वप्रथम राज्य को बढ़ते संक्रमण के मामलों पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है और फिर पर्यावरण को लोगों के लिए सुरक्षित बनाना होगा। यहीं पर राष्ट्रीय चरित्र महत्वपूर्ण हो जाता है। लोक नीति के केंद्र में सवाल है मांगों के परिमाण का जो एक राज्य वैधानिक रूप से अपने नागरिकों पर बनाता है। यह ऐसा सवाल है जिसमें मुख्यतः लोकतंत्र शामिल होते हैं। स्वेच्छाचारी हुकूमतें, और चीन सर्वाधिक उपयुक्त उदाहरण है, ऐसी शीर्ष से निम्नतम पादान तक की रणनीति विकसित करने की स्थिति में है जिन्हें निष्क्रिय नागरिकों पर बलपूर्वक लागू किया जा सकता है।

सभी प्रकार से, और उस तरीके पर उसके बाद पैदा होने वाले विवादों के बावजूद जिस तरह वायरस ने अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को पार किया, वुहान में लाकडाउन सर्वाधिक क्रूरतापूर्ण था, जहां के लिए माना जाता है कि वायरस पैदा हुआ था। जब इसे महामारी के शुरुआती महीनों में परिचालन में लाया गया था, खबरों के ब्लैकआउट तथा लोगों के मूल अधिकारों के कथित उल्लंघन को लेकर चिंताएं व्यक्त की गईं थीं। इन आरोपों की सत्यता चाहे जो भी हो एवं विश्वसनीय जानकारियों का जितना भी अभाव रहा हो, अब यह मान लिया गया है कि चीन ने अपने कदम मजबूती से उठाए थे और अब वह दुनिया का हॉटस्पॉट नहीं रह गया है।

कोविड-19 से निबटने को लेकर चीन के दृष्टिकोण के साथ-साथ सरकार के दिशा निर्देशों के प्रति जनता की स्वीकृति भी थी। इस मुद्दे पर कोई सार्वजनिक बहस नहीं हुई और यदि लोगों ने विरोध जताया, तो उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया को स्वयं तक ही सीमित रखा। यह अन्य देशों के विपरीत है जहां सामान्य जीवन पर प्रतिबंधों की परिणिति स्फूर्त सार्वजनिक वाद विवाद के रूप में हुई। ऐसा लगता है कि सरकारों ने जीवन और आजीविका के बीच संतुलन बिठाने का प्रयास किया, जहां सफलता भिन्न-भिन्न रूप में मिली। अपने निर्णय लेने में, सरकारों ने लोकप्रिय दीर्घकालिकता की समझ तथा अन्य सामाजिक-सांस्कृतिक धारणाओं पर भरोसा किया।

पिछले सप्ताह संसद के समक्ष दिए गए एक बयान में, ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने जोर दिया कि यूके में कोविड-19 संक्रमण इटली से ज्यादा बुरे साबित हुए क्योंकि ब्रिटेनवासी कहीं ज्यादा स्वतंत्रता प्रेमी होते हैं और, इसलिए, आधिकारिक अनुदेशों का पालन करने में कम विश्वास रखते हैं। जिस तरीक से अनिवार्यता होती है, उस तरह ब्रिटिश जनसंख्या से एकसमान रूप से दिशा निर्देशों का पालन करने की उम्मीद नहीं की जा सकती। इस टिप्पणी का इतालवी राष्ट्रपति सर्गियो मैटरेला ने यह कहकर जवाब दिया कि, ''हम इटलीवासी भी स्वतंत्रता प्रेमी हैं, लेकिन हम गंभीरता की भी चिंता करते हैं।''

झिड़की समायानुरूप थी। इटली की छवि एक अतिशय मौज मस्ती पसंद देश की है जो अंतरनिहित रूप से अनुशासन के प्रति असहज महसूस करता है, जैसा कि मुसोलोनी ने पाया था जब उसने अपनी हुकूमत को अतिशय सैन्यवादी बनाने का प्रयास किया था। इटलीवासियों में परिवार को लेकर भाव बहुत गहरा है और ऐसा कहा जाता था कि पितामहों से अत्यधिक संपर्क शुरुआती महीनों के दौरान कोविड-19 से उच्च मृत्यु का एक कारक था। हालांकि, इन सामाजिक जटिलताओं के बावजूद, मार्च में घोषित लाकडाउन इटली के उत्तरी क्षेत्र में अत्यधिक कठोर प्रकृति का था। यूके में ऐसा कभी नहीं हुआ है।

ब्रिटेन के नागरिकों के अधिक स्वतंत्रता प्रेमी होने से इसका कोई खास लेना-देना नहीं है। ब्रिटिश, एक निम के तौर पर, भयावह रूप से कानून का पालन करने वाले बताए जाते हैं। यदि सरकार ने भलाई के लिए अस्थायी असुविधा को दांव पर लगाया होता, तो इसकी संभावना अधिक है कि ब्रिटेन के लोग नए नियमों का पालन करते। हालांकि, समस्याएं अनवरत रूप से आती हैं जब सरकारें आम भलाई को वैयक्तिक जिम्मेदारी से ऊपर रखने में संकोच करती हैं।

ऐसा ही पंजाब में दुर्गा पूजा उत्सव मनाने के मामले में हो सकता है जो अक्टूबर माह के उत्तरार्ध में होना निर्धारित है। यद्यपि सरकार ने सामाजिक दूरी सुनिश्चित कराने के लिए कुछ कदम उठाए हैं तथा मास्क पहनने की सलाह दी है, ये कदम प्रत्येक पूजा समिति को 5,000 रुपए देने का वादा किए जाने से कमजोर पड़ गए हैं।

दूसरे शब्दों में, लोकरंजकता चुनावी वर्ष में जिम्मेदारी के बड़े भाव पर ज्यादा हावी हो गई है। हम कह सकते हैं कि सह बंगाली चरित्र है, लेकिन यदि राज्य सत्ता कमजोर हो, तो कुछ लोगों की अंतरनिहित जिम्मेदारी सामने क्यों नहीं आती? राष्ट्रीय चरित्र एक यथार्थ है लेकिन राज्य की सत्ता को सार्वजनिक भलाई के लिए आगे आना चाहिए।

> **कोविड-19 एक जन-स्वास्थ्य संबंधी मुद्दा है जिसके लिए सर्वप्रथम राज्य को बढ़ते संक्रमण के मामलों पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है और फिर पर्यावरण को लोगों के लिए सुरक्षित बनाना होगा। यहीं पर राष्ट्रीय चरित्र महत्वपूर्ण हो जाता है। लोक नीति के केंद्र में सवाल है मांगों के परिमाण का जो एक राज्य वैधानिक रूप से अपने नागरिकों पर बनाता है। यह ऐसा सवाल है जिसमें मुख्यतः लोकतंत्र शामिल होते हैं।**

बॉलीवुड को दूषित होने से बचाएं

> **कंगना रनौत प्रकरण के बाद अभिनेताओं को खास राजनीतिक विचारधाराओं के मार्केटिंग एजेंटों की तरह प्रयोग करने की प्रक्रिया पर रोक लगनी चाहिए।**

अनुराग तिवारी

अनुभव झा

सरकार ने हाल ही में देश की 'सबसे सुंदर' व 'सबसे बड़ी' फिल्म सिटी उत्तर प्रदेश के नोयडा में बनाने का निर्णय किया है। इसे व्यापक सामाजिक-राजनीतिक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। इसे बालीवुड को विकेन्द्रित करने, मुंबई का देश की मनोरंजक राजधानी के रूप में दर्जा कमजोर करने तथा कला व रचनात्मकता के विस्तार के रूप में देखा जा सकता है। इस दृष्टिकोण से वर्तमान समय से अच्छा समय नहीं हो सकता है। भाई-भतीजावाद, नशे के प्रयोग, मुंबई में फिल्म निर्माताओं के तथाकथित 'माफिया' तथा सुशांत सिंह राजपूत-एसएसआर की असमय मृत्यु ने बालीवुड के बारे में आज दर्शकों की राय बदल दी है। आरोप है कि हिंदी फिल्म उद्योग पर कुछ वंश परिवारों का कब्जा है जो 'बाहरी' लोगों के प्रति अत्यधिक घमंडी, महत्वाकांक्षी तथा आत्मकेन्द्रित दृष्टिकोण रखने वाले हैं।

वैश्विक रूप से भी मनोरंजन उद्योग की यही छवि बनी है कि वह केवल अपने लिए काम करता है। बालीवुड में भीतरी-बाहरी की बहस ने अभिनेताओं व फिल्म निर्माताओं की बहुत बड़ी छवि को धक्का देकर उद्योग का अच्छा, बुरा और भद्दा चेहरा जनता के सामने उजागर कर दिया है। देखना होगा कि यह कितना सच है। लेकिन मजेदार तरीके से कंगना रनौत एक विचित्र तरीके से सत्ता-विरोधी शक्ति के रूप में उभरी हैं।

इसका कारण अति-दक्षिण व केन्द्र से वाम को झुकी राजनीतिक विचारधाराओं के बीच बहस व विवाद भी है। शहरी मध्यवर्गीय लोगों का समर्थन पाने के लिए राजनीतिक पार्टियों ने सिनेमा, कला और कलाकारों की सोच में आमूल परिवर्तन किया है। इसके कारण मनोरंजन उद्योग के भीतर समानान्तर सत्ता संरचनाओं का विकास हुआ है जिनको राज्य से समर्थन मिला है। यह परिघटना एसएसआर-रिया-कंगना प्रकरण में दिखाई पड़ी है। राजग सरकार के सत्ता में आने के बाद से यह घटनाक्रम तेज हुआ है।

अनुपम खेर, परेश रावल, मधुर भंडारकर तथा अनेक अन्य लोगों ने राष्ट्रवाद व धर्म पर हो रही बहस में अपने स्वर शामिल किए हैं। लेकिन

बालीवुड व राजनेताओं के बीच गठजोड़ नई परिघटना नहीं है। महान राजनेता समझते हैं कि जनता को संदेश देने के लिए केवल राजनीति ही काफी नहीं है। इसलिए ऐतिहासिक रूप से दोनों वैचारिक समूहों के लोगों ने एक दूसरे का इस क्षेत्र में भी मुकाबला किया। फिल्म निर्माताओं ने राजनेताओं की उनके अभियानों में सहायता की और इसी प्रकार राजनेताओं ने विफल कलाकारों को 'सांस्कृतिक राजनय' के नाम पर प्रशासक बनाया। यह लगभग एक नियम बन गया। लेकिन कंगना प्रकरण से स्पष्ट हुआ है कि वर्तमान समय में एक समानान्तर मनोरंजन उद्योग खड़ा करने का प्रयास हो रहा है जो दक्षिणपंथी राजनीतिक पार्टियों व सरकार के समर्थक का काम कर सकता है। यह समूह उन तत्वों की सहायता करेगा जिनको 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के हाशिए' पर पड़ा माना जाता है। इसकी कार्यविधि सरल है और यह सत्ता संरचनाओं को बदल कर उद्योग को राज्य के नियंत्रण में लाना चाहता है। ऐसे समर्थक अभिनेताओं की सेवा प्राप्त करने के लिए सरकारें उनको सुरक्षा तथा नागरिकता प्रदान कर सकती हैं।

लेकिन इस पूरी बहस में इस तत्व को पूरी तरह से अनदेखा किया जा रहा है कि सिनेमा जगत के लोकतांत्रीकरण का अर्थ पहले विविधतापूर्ण विचारों को प्रोत्साहन व निर्माण होता था जिनको उद्योग में स्थान नहीं मिलता था। इसका अर्थ यह भी था कि 'बाहरियों' के लिए 'प्रवेश की बाधायें कम की जाएं', भले ही उनका किसी खास वंश से कोई संबंध न हो। इसका अर्थ प्रयोग तथा कलात्मक अभिव्यक्ति व रचनात्मकता के नए विकल्प विकसित करना भी था। इसमें फिल्मों तथा अभिव्यक्ति के उन कामों को महत्व मिलता था जो प्रति-संस्कृति को बढ़ावा देते थे। विविधतापूर्ण सिनेमा व कलात्मक अभिव्यक्ति सिनेमा उद्योग के लोकतांत्रीकरण की मांग का मुख्य उद्देश्य थे।

लेकिन वर्तमान घटनाक्रम सभी पक्षों के लिए संकट की स्थिति पैदा कर रहा है जिसमें दर्शक भी शामिल हैं क्योंकि वे किसी कलात्मक अभिव्यक्ति के प्रमुख व बहुसंख्य पक्ष हैं। कुछ ऐसे राजनेता भी उभरे हैं जिनको अभिनेता पहले अश्पृश्य मानते थे। कुछ अभिनेता दक्षिणपंथी राष्ट्रवाद के प्रचार का काम करते हैं, पर रचनात्मकता या कला में उनका योगदान नहीं है। दूसरी ओर वर्तमान परिघटना के कारण कुछ कलाकारों की रचनात्मक स्वायत्तता नष्ट हो सकती है और उन पर सामाजिक जिम्मेदारी का बोझ बढ़ सकता है।

फिल्मों में बहुसंख्यकवाद को चुनौती देने वाली रचनायें राज्य-विरोधी विचार मानी जाती हैं और उनको अनुमति मिलने में बाधायें आती हैं। सेंसरशिप के वर्तमान मानक बदल रहे हैं और वे पहले से भी खराब हो गए हैं। इस कारण भेदभाव के आरोप लग रहे हैं। कंगना रनौत प्रकरण के बाद राजनीतिक विचारधारा के प्रचार हेतु कलाकारों को मार्केटिंग एजेंट में बदलने के प्रयास बंद होने चाहिए। राज्यसभा में 'उद्योग को गटर बनाने से बचाने' की पिछले सप्ताह जया बच्चन की टिप्पणी को सही संदर्भ में देखा जाना चाहिए तथा सिनेमा दर्शकों व फिल्म निर्माताओं को अपने भीतर झांकना चाहिए।

आप की बात

समाज की बेड़ियां तोड़ती बेटियां

म्हारी छोरी छोरो से कम है कै? दंगल की यह लाइने हर किसी की जुबां पर रहता है। और इसे सटीकता से आगे ले जा रही हैं आज की बेटियां। वे नारी जो अबला नहीं, सबला है, समृद्ध है तथा शसक्त है। ऐसी ही एक बेटी का हालिया उदाहरण है अत्याधुनिक लड़ाकू विमान राफेल की पहली महिला पायलट शिवांगी! उन्होंने यह साबित कर दिया की वाकई महिलाएं कुछ भी कर सकती है। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं जिसमे वे पुरुषों का मुकाबला नहीं कर सकती। एक समाज ऐसा भी था जहां बेटियों को कोई अधिकार नहीं प्राप्त थे। मनुस्मृति में तो नारी की तुलना दासी से की गयी थी। आज महिलाओं को बहुत से अधिकार मिल रहे है ताकि वे पंख फैलाकर उड़ सके। परंतु अब भी बहुत सारे बदलाव की आवश्यकता है। महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराध आज भी थमने का नाम नहीं ले रहे जिसमे सुधार की आवश्यकता है। आवश्यक है की समाज अपने सोच को परिवर्तित करे। इसकी शुरुआत प्रत्येक घर से होना चाहिए जहां भेदभाव के बिना बेटे तथा बेटियों को सामान दर्जा मिले, बराबरी का! और आज की नारी तो वैसे भी अबला नहीं, सबला है। उन्हें बस अवसर मिलने की देर है, वह आसमां छूने की ताकत रखती है।

– **आस्था मुकुल**, रांची

डब्लूएचओ की चेतावनी

दुनियाभर में कोरोना वायरस के मामले और कोरोना से मौतो का आंकड़ा रोजाना लगातार बढ़ता जा रहा है, तमात कोशिशों के बावजूद भी कोरोना पर लगाम लगाने में पूरी तरह से कामयाबी हमारे देश को हासिल नहीं हो पाई है। हालांकि इस बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्लूएचओ ने हालही में एक बड़ी चेतावनी दी है कि यदि वायरस को रोकने के लिए वैश्विक स्तर पर कड़े कदम नहीं उठाए गए तो कोविड़-19 से होने वाली मौतों की संख्या बीस लाख तक जाने की आशंका है। वैसे अभी विश्व में कोरोना से होने वाली मौतों की संख्या दस लाख पहुंचने के करीब है। डब्लूएचओ की ओर से यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब दुनिया में कोरोना से मौत का आंकड़ा दस लाख के स्तर पर पहुंचने वाला है। डब्लूएचओ ने कहा है कि, यदि महामारी से निपटने के लिए विभिन्न देश और लोग एक साथ नहीं आए तो, दस लाख और मौतों की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। ड्ब्लूएचओ के आपातकालीन कार्यक्रम के निदेशक माइकल रेयान ने एक वर्चुअल सम्मेलन में कहा कि दस लाख का आंकड़ा डराने वाला है और अगले दस लाख पर विचार शुरू करने से पहले हमें इस पर विचार करने की जरूरत है।

– **निधि जैन**, लोनी, गाज़ियाबाद

कृषि विधेयकों पर हंगामा

संसद में हाल ही में पारित कृषि बिल पर हंगामा हो रहा है । ये बिल निश्चित ही प्रकृति से उग्रवादी है । इनका उद्देश्य उस मौजूदा व्यवस्था में सुधार लाना है , जिसके तहत किसान को उसकी उपज मंडी में सरकार द्वारा तय न्यून्तम समर्थन मूल्य पर बेचनी पड़ती है। विपक्षी दल का मानना है कि सरकार किसान को जिंदा तो रखना चाहती है पर वो यह नही चाहती कि किसान फले-फूले , क्योंकि कई स्तर पर देखा गया है कि हम उन चीज़ों का निर्यात नही करते है जिससे किसानों को लाभ व आगे बढ़ने का मौका मिले । किसान आज राजनीति में शतरंज के खिलाड़ियों के बीच सिर्फ एक प्यादा बन गया है , यह बिल किसानों के लिए डेथ वॉरेंट जैसा है किसान बदहाल हो जाएगा। भारतीय किसान के विकास के लिए कृषि बिल एक जरुरी कदम है। हमारे किसानों को भी वैश्वीकरण के लाभ मिलना चाहिए। बस चर्चा इस बात की है कि इस किसान बिल का न्यूनतम समर्थन मूल्य से कोई लेन देन नही होना चाहिए , एमएसपी दिया जा रहा है और भविष्य में भी दिया जाना चाहिए।

– **खुशबू वेद**, आलोट, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

यद्यपि अर्थव्यवस्था अपेक्षा से बेहतर रही है, मैं सोचता हूं कि उसमें गिरावट का जोखिम है यदि आगे राजकोषीय सहयोग नहीं मिलता है।

– **जेरोम पावेल**
फेडरल रिजर्व अध्यक्ष

जो बुरे इरादे पाकिस्तानी डीप स्टेट के प्रेरक हैं वह उन उद्देश्यों व सिद्धांतों के पूर्णतः विपरीत है जिन्हें बढ़ावा देने के लिए हम मानवाधिकार के इस मंदिर में एकत्र हुए हैं।

– **विमर्श आर्यन**
सचिव विदेश मंत्रालय

रूस उन आक्रामक मांगों से प्रभावित होकर उने आधार पर नीतियां कदापि नहीं बनाएगा जिनमें कोई वैधानिक बल नहीं है।

– **सर्गेई लावरोव**
रूसी विदेश मंत्री

उपचुनाव की जंग में उतरे सीएम योगी

● जौनपुर तथा देवरिया में पार्टीजनों के बीज जमीनी हकीकत को परखा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी की आठ विधानसभा सीटों के उपचुनाव का ऐलान अभी होना है लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चुनावी जंग के मैदान में उतर पडे है। जमीनी हकीकत को परखने के लिये सीएम योगी जौनपुर तथा देवरिया की नब्ज टटोल चुके है। उन्हे अभी उन जिलों में भी जाना है जहां विधानसभा के उपचुनाव होने हैं। सीएम के स्तरसे सभी जिलों का फीडबैक आने के बाद ही भाजपा उपचुनाव के लिये आगे के कदम उठायेगी।

विधानसभा चुनाव में जाने से पहले राज्य की आठ विधानसभा सीटों के लिये होने वाले उपचुनाव को योगी सरकार और भाजपा संगठन लिटमस टेस्ट के रूप में देख रहा है। इनका मानना है कि उपचुनाव के नतीजों से राज्य की जनता को बडा संदेश जाएगा और इसका उसे विधानसभा के चुनाव में फायदा मिल सकता है।

सीएम योगी जौनपुर तथा देवरिया में पाटीजनों के साथ मंथन करके जमीनी हकीकत को परखने का काम कर चुके है। जौनपुर की मल्हनी तथा देवरिया की सदर विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने हैं। इसके अलावा सीएम योगी को अभी फिरोजाबाद, रामपुर, बुलंदशहर, अमरोहा कानपुर नगर तथा उन्नाव भी जाना है। इन जिलों में भी उपचुनाव होने हैं।

प्रदेश में 8 सीटों पर होने वाले उपचुनाव की तारीखों की घोषणा 29 सितंबर को होनी है। बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा वाले दिन मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने स्पष्ट किया था कि 29 सितंबर की शाम को जिन राज्यों में उपचुनाव होने हैं, उनकी तारीखों का ऐलान कर दिया जाएगा। यूपी की जिन 8 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं उनमे से छड सीटों पर भाजपा का कब्जा था जबकि दो सीटे सपा के पास थी। इस उपचुनाव को 2022 विधानसभा चुनाव के लिहाज से खासा अहम माना जा रहा है। साथ ही कोरोना संक्रमण के चलते इस बार के चुनाव अलग तरीके से होंगे। भाजपा संगठन के स्तर पर इन सीटो के लिये काफी पहले से काम शुरू किया जा चुका है। सरकार के स्तर पर सीएम योगी सीधे चुनावी तैयारियों को ग्राउंड जीरों पर जाकर परख रहे है। सूत्रों का कहना है कि सीएम योगी की आंकलन रिपोर्ट आने के बाद उपचुनाव के लिये उम्मीदवारों के नाम पर भाजपा आगे बढ़ेगी।

मायावती ने की दोषियों के खिलाफ अविलंब कार्रवाई की मांग

लखनऊ। प्रदेश के हाथरस में एक दलित लड़की के साथ गैंगरेप व मारपीट किए जाने की घटना को लेकर एक बार फिर बसपा सुप्रीमो मायावती ने योगी सरकार पर निशाना साधा है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने इस घटना को लेकर यूपी की कानून.व्यवस्था पर सवाल उठाया है और दोषियों के खिलाफअविलंब कार्रवाई की मांग की है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर ट्वीट करते हुए लिखा कि यूपी के जिला हाथरस में एक दलित लड़की को पहले बुरी तरह से पीटा गयाए फिर उसके साथ गैंगरेप किया गया, जो अति.शर्मनाक व अति.निन्दनीय। जबकि अन्य समाज की बहन.बेटियाँ भी अब यहाँ प्रदेश में सुरक्षित नहीं हैं। सरकार इस ओर जरूर ध्यान दे, बीएसपी की यह माँग। वही दूसरी तरफ मायावती ने शोक जताते हुए लिखा बीजेपी के क़द्दावर नेता रहे व पूर्व रक्षा, वित्त व विदेश मंत्री आदि उच्च पदों को काफी लम्बे समय तक सुशोभित करने वाले तथा नौ बार सांसद रहे जसवंत सिंह के निधन की खबर अति.दु:खद।

लखनऊ में महामारी के दौरान कार्य करते हुए मृत कर्मचारियों के परिजनों को सम्मानित करतीं महापौर संयुक्ता भाटिया

स्क्रीनिंग के विरोध में 13 अक्टूबर तक जागरण अभियान चलाएगा परिषद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

स्वास्थ्य विभाग में 50 पार कर्मचारियों की स्क्रीनिंग के लिए शासन स्तर पर गठित कमेटी के विरोध में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद 13 अक्टूबर तक राज्य कर्मचारी के विभिन्न कार्यालयों में संपर्क कर 13 अक्टूबर तक जन जागरण करने का निर्णय लिया है।इसके साथ ही सोशल मीडिया द्वारा भी कर्मचारियों को जागरूक किया जाएगा ।

रविवार को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की बैठक अध्यक्ष सुरेश रावत ने की। बैठक में इप्सेफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी मिश्रा परिषद के संगठन प्रमुख केके सचान वरिष्ठ उपाध्यक्ष गिरीश मिश्रा परिषद के महामंत्री अतुल मिश्रा प्रमुख उपाध्यक्ष सुनील यादव उपाध्यक्ष धनंजय तिवारी, डॉ पी के सिंह, शिक्षक संघ के अध्यक्ष केदार नाथ तिवारी आदि उपस्थित थे। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रत्येक जनपदों में 14 अक्टूबर को सोशल डिस्टेंसिंग और प्रोटोकॉल का पूरी तरह पालन करते हुए मुख्यालयों पर धरना प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री को ज्ञापन का प्रेषित किया जाएगा। इसके साथ ही मंडल मुख्यालयों पर एक जगह धरना ना कर उसे छोटे.2 कई पार्ट में आंदोलन करेगा। इप्सेफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी मिश्रा ने कहा कि कर्मचारियों के अधिकार धीरे धीरे कम हो रहे हैं। सरकार संविदा आउटसोर्सिंग और निजीकरण को बढ़ावा दे रही है। जो आम जनता के भविष्य के लिए भी घातक है। वहीं कर्मचारियों को निराश कर रहे हैं और उनका मनोबल तोड़ने के लिए 50 साल की उम्र तक 30 साल की सेवा कर जबरन रिटायर किए जाने का प्रचार प्रसार किया जा रहा है। जिसे कर्मचारी परेशान है और इसे बर्दाश्त नहीं करेगा।

जिला सहकारी बैंको में एकमुश्त समाधान योजना 31 दिसम्बर तक

लखनऊ। सहकारिता मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा ने बताया है कि प्रदेश के 16 नवीन लाइसेन्स प्राप्त जिला सहकारी बैंकों इलाहाबाद, फतेहपुर, आजमगढ़, बलिया, बस्ती, सिद्धार्थनगर, बहराइच, फैजाबाद, सुल्तानपुर, देवरिया, गोरखपुर, हरदोई, सीतापुर, जौनपुर, गाजीपुर एवं वाराणसी में बकाया फसली ऋणों एवं अन्य ऋणों की वसूली हेतु एकमुश्त समाधान योजना लागू की गई, जो 31 दिसम्बर 2020 तक लागू रहेगी। उन्होंने बताया कि एकमुश्त समाधान योजना की मुख्य विशेषताएं प्रारम्भिक कृषि ऋण सहकारी समितियों के स्तर से वितरित फसली ऋण जो तीन वर्ष से अधिक बकाया है। श्री वर्मा ने बताया कि इस योजना में दी जाने वाली छूट 1997 से पूर्व के फसली ऋणों में कृषक द्वारा लिए गये वास्तविक मूलधन में से बचे अवशेष मूलधन को जमा कराकर ओटीएस योजना का लाभ दिया जायेगा। 1997 से 31 मार्च, 2012 के मध्य वितरित फसली ऋण में कृषकों को दिये गये मूलधन तथा मूलधन के बराबर ब्याज की वसूली करके ओटीएस योजना का लाभ दिया जायेगा।

भाजपा कार्यकर्ताओं में सेवाभाव की संस्कृति: स्वतंत्र देव सिंह

● बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने वर्चुअल वेबिनार को किया संबोधित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने रविवार को कहा कि एकात्म मानववाद और अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं के प्रेरणा स्रोत हैं। पंडित दीनदयाल जी ने जो विचारधारा थी उसी पर चलते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं में सेवा भाव की संस्कृति विकसित हुई। स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार ने पिछले 6 वर्षों में पंडित दीनदयाल जी के अंत्योदय के सिद्धांत के आधार पर चलते हुए सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास को मूल मंत्र बना कर समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाने का काम किया है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने वर्चुअल वेबीनार को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की चर्चा करते हुए कहा कि भारत की आत्मनिर्भरता में सभी के सुख की चिंता होती है। इस योजना का उद्देश्य 130 करोड़ देशवासियों को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा राज्य में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा सरकार की योजना भी गांव गरीब किसान और जन.जन के कल्याण को समर्पित है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने रविवार को वर्चुअल वेबिनार में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के व्यक्तित्व कृतित्व पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प लेकर आजमगढ़ के नागरिकों व कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया। पार्टी द्वारा आयोजित किये जा रहे जिला स्तरीय वर्चुअल संवाद के दूसरे दिन आज प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आगरा महानगर

व डा. दिनेश शर्मा ने वाराणसी महानगर के वर्चुअल वेबिनार के माध्यम से सम्बोधित किया। पार्टी के पदाधिकारियों, राज्य सरकार के मंत्रियों व अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी आज जिला स्तर पर आयोजित वेबिनार को सम्बोधित किया।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल जी ने हमेशा राष्ट्र को राजनीतिक नहीं सांस्कृतिक इकाई माना लेकिन राजनीतिक रूप से वह राष्ट्रीय अखंडता के प्रबलतम समर्थक रहे। उनके सपने को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व में अमित शाह ने जम्मू.कश्मीर से धारा 370 को समाप्त करने का काम किया और दशकों से विकास की राह देख रहे जम्मू.कश्मीर और लद्दाख के लोगों के लिए शांति,न्याय और समृद्धि का मार्ग खुला। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में सरकार ने यशस्वी व तेजस्वी प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में कड़े और बड़े फैसले लेकर करोड़ो देशवासियों की आकांक्षाओं की पूर्ति की है। जिन कामों की हमारे बड़े.बुजुर्ग पिछले 70 वर्षों से सिर्फ कल्पना कर सकते थे वह काम पिछले एक वर्ष में पूरी मजबूती के साथ किए गए है, फिर चाहे वह धारा 370 समाप्त करना हो प्रभु श्रीराम जी के मंदिर का निर्माण कार्य आरम्भ हुआ, नागरिकता संशोधन कानून हो, ट्रिपल तलाक की प्रथा को खत्म करनो हो। सभी फैसले आदरणीय मोदी जी की मजबूत इच्छाशक्ति और इरादों के कारण लिए जा सके। यह फैसले भारत के इतिहास में हमेशा ही स्वर्णिम अक्षरों में लिखे जाएंगे। स्वतंत्र देव सिंह ने आत्मनिर्भर भारत का जिक्र करते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी के समयबद्ध व दृढ़ फैसलों के कारण हमारा देश वर्तमान में इस महामारी से लड़ाई में एक बेहतर स्थिति में पहुँचा है। 25 मार्च को लॉकडाउन करने वाली उनकी दूरदर्शी नीति को पूरी दुनिया द्वारा सराहा गया और अपनाया भी गया। ण्आकड़े बताते है कि पूरे विश्व में भारत की मृत्यु दर सबसे कम है और अब सरकार ने इस दर को और भी नीचे लाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

श्री सिंह ने कहा कि किसानों को भरोसा दिलाया यह विधेयक 70 वर्षो से हमारे अन्नदाताओं के होने वाले शोषण को समाप्त कर एक नई व सुगम व्यवस्था को स्थापित करेंगे। पूर्व में किसानों को अपनी फसलों का भुगतान लेने में अनेकों कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अपितु हाल ही में पारित हुए विधेयक के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया है कि प्रत्येक व्यापारी को उसी दिन या अधिकतम तीन कार्य दिवसों के भीतर ही किसान की फसल का भुगतान करना पड़ेगा।

अजय कुमार बने प्रसपा सैनिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया ;प्रसपाद्ध के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल यादव ने रविवार को इंजीनियर अजय कुमार पूर्व नौसेना अधिकारी को प्रसपा सैनिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है । इस दौरान पूर्व न्यायधीश और प्रगतिशील समाजवादी पार्टी ; लोहिया द्ध के प्रवक्ता डॉ राज नारायण सिंह के नेतृत्व में ई. अजय कुमार के साथ ही अनेक पूर्व सैनिक भी पार्टी में शामिल हुए । प्रगतिशील समाजवादी पार्टी में शामिल होने के बाद अजय कुमार ने कहा कि जो सैनिकों को इज्जत समाज में नहीं मिलती है , उनके रिटायरमेंट के बाद , जो सैनिक अपनी आवाज़ नहीं उठा पाते है , यह उनके लिए आवाज़ उठाएंगे । उन्होंने कहा कि मैं अभी तक देश कि सेवा कि बॉर्डर पर कर रहा था लेकिन अब समाज में रहकर देश और लोगों की सेवा करूंगा। उन्होंने कहा कि अभी तक यह

मानसिकता चली आ रही है कि फ़ौजी आता है उसको चौकीदारी का काम दे दो, देश कि चौकीदारी के साथ साथ हम बैंको कि चौकीदारी करने लगे, लेकिन उनके प्रतिनिधित्व कि कोई बात नहीं करता। उन्होंने कहा कि प्रगतिशील समाजवादी पार्टी ने इस बात को ध्यान रखते हुए मुझे प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया है जिस पर मैं पार्टी स्तर पर खरा उतर कर देश व प्रदेश सेवा करूंगा इस अवसर पर प्रगतिशील समाजवादी पार्टी ; लोहिया द्ध के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल यादव ने कहा कि सैनिकों का सार्वजनिक जीवन और राजनीति में आना एक शुभ संकेत है । इस मौके पर आदित्य कुलश्रेष्ठ, अश्विन मेहता, किशोर डे , आनंद सिंह , अभिषेक दत्त, मनीष श्रीवास्तव, रमाकांत गुप्ता, एडवोकेट एस एन सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग पार्टी में शामिल हुए।

गांधी जयंती पर सपा सत्याग्रह करके भाजपा सरकार पर होगी हमलावर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी गांधी जयंती के अवसर पर सत्याग्रह करके प्रदेश सरकार के खिलाफमोर्चा खोलेगी। प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता 2 अक्टूबर को गांधी प्रतिमा पर 2 घंटे का मौन व्रत रख किसान, नौजवान, आम इंसान और विपक्ष का दमन कर सत्ता द्वारा की जा रही लोकतंत्र की हत्या के खिलाफ सत्याग्रह करेंगे। यह जानकारी समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने दी। श्री पटेल ने कहा है कि भाजपा सरकार की नीतियों के प्रति जनता में आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है। किसानों से खेत मालिक की जगह छीनकर खेत मजदूर बनाने की साजिश हो रही है। सरकार किसानों को धान, गेहूं की फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य भी दिलाना नहीं चाहती है। खुले बाजार के नाम पर बड़े व्यापारियों को औनपौने दाम पर फसल खरीदने की छूट दी जा रही है। मंडी व्यवस्था समाप्त की जा रही है। युवाओं द्वारा अपनी मांगे रखने पर उनपर लाठियां चल रही है। भाजपा सरकार सिर्फ दमन और शोषण के रास्ते पर चलती है। इसके विरोध में समाजवादी प्रदेश भर में शांतिपूर्ण ढंग से गांधी प्रतिमा पर मौन सत्याग्रह करेंगे।

उत्तर प्रदेश में चारों तरफ अंधेरा क्यों है: अखिलेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि युवाओं को कड़ी परीक्षा पास करने के बावजूद 5 साल की संविदा देने वाले सत्ताधीश खुद चंद महीनों की संविदा पर कार्यरत हैं। भाजपा सरकार के साढ़े तीन साल के प्रदर्शन ने जनता को बता दिया है कि वह 5 साल तो क्या 5 दिन भी सरकार चलाने के लायक नहीं है। अब तक वे अपनी एक भी जनहित की योजना लागू नहीं कर सके हैं। समाजवादी सरकार के कामों पर अपने नाम का ठप्पा लगाने और फीता काटने के अलावा भाजपा सरकार ने कुछ नहीं किया है। वस्तुत: भाजपा नेतृत्व इतना कृतघ्न है कि वह समाजवादी सरकार को उसके समय हुए विकासकार्यों का श्रेय भी नहीं देना चाहता है।

सरकार को इधर.उधर की बहानेबाजी करने के बजाय यह बताना होगा कि उत्तर प्रदेश में चारों तरफ अंधेरा क्यों हैघ् मुद्दा विहीन सरकार के कारण राज्य की जनहित की समस्याएं उलझती जा रही हैं। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्वतंत्रता आंदोलन में

रंचमात्र भूमिका नहीं थी इसलिए वह लोकनायक जयप्रकाश नारायण की स्मृति को संजोने को बने अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र को नीलामी पर चढ़ा रही है। इस केन्द्र में स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृतियां अक्षुण्ण बनाए रखने की योजना थी। भाजपा राज में वहां धूल भी नहीं साफहुई। केन्द्र का अधूरा काम रोक कर भाजपा को क्या मिलाघ् आपातकाल के विरोध का नेतृत्व जयप्रकाश जी ने किया था। दूसरी आजादी के उस संघर्ष पर धूल डालने में भाजपा नेतृत्व भी सहयोगी बन रहा है, आखिर क्योंघ् अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री को यह भी पता नहीं कि वे अपने आचरण से अपने प्रेरणापुरूष का अपमान कर रहे हैं या सम्मान। सूचना विभाग के नए भवन के निर्माण की स्वीकृति समाजवादी सरकार के समय हुई थी, क्योंकि सिविल अस्पताल का विस्तार करना था। इस भवन पर अपने शीर्ष नेता का नाम ही लगाना था तो अपनी किसी नई योजना को पूरा करते। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पूर्वांचल एक्सप्रेस.वे की शुरूआत समाजवादी सरकार में ही हो गई थी लेकिन साढ़े तीन साल में भी भाजपा इसे पूरा नहीं कर पाई है। जबकि 325 किलोमीटर के आगरा.लखनऊ एक्सप्रेस.वे का निर्माण दो वर्ष से कम समय में पूरा कर लिया गया था। कई कोशिशों के बाद भी भाजपा सरकार इस एक्सप्रेस.वे में कमी या घोटाला नहीं निकाल पाई। यह इतना मजबूत और गुणवत्ता का एक्सप्रेस.वे है कि इस पर वायु सेना के युद्धक विमान और माल वाहक जहाज भी उतर चुके हैं। भाजपा सरकार की कार्यदक्षता का पता इसी से चलता है कि कैंसर अस्पताल में ओपीड़ी शुरू करने का समय भाजपा सरकार को साढ़े तीन वर्ष बाद मिला है जबकि समाजवादी सरकार ने इसे अपने कार्यकाल में ही पूरा कर लिया था।

अपराधिक घटनाओं ने योगी सरकार के कानून व्यवस्था की खोली पोल: अजय कुमार लल्लू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने उत्तर प्रदेश में हो रहे सिलसिलेवार न थमने वाली गैंगरेप की घटनाएं अनवरत जारी है। जनपद हाथरस के बूलगढ़ी में विगत 14 सितम्बर को हुई दलित नाबालिग बेटी के साथ गैंगरेप व दरिन्दगी एवं जान से मारने के प्रयास की घटना ने यूंपी को झकझोर कर रख दिया है। अजय कुमार लल्लू ने इस घिनौने काण्ड की घोर निन्दा करते हुए कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गयी है। हर रोज प्रदेश के तमाम जनपदों से हत्याए रेप, गैंगरेप और जघन्य अपराधों की तमाम घटनाएं समाचारपत्रों की सुर्खियां बन रही हैं। लचर कानून व्यवस्था और दोषियों पर तत्काल ठोस कार्यवाही न किये जाने से प्रदेश में ऐसे अपराधों की बाढ़ सी आ गयी है। मुख्यमंत्री जी अपराधियों पर सख्त कार्यवाही करने के बजाए अपनी टीम 11 द्वारा जुटाये गये झूठे तथ्यों के जरिये जनता को गुमराह कर रहे हैं। अजय कुमार लल्लू ने कहा कि हाथरस की दलित नाबालिग बेटी को प्रदेश सरकार समुचित न्याय दिलाने के क्रम में सबसे पहले अलीगढ़ मेडिकल कालेज से एयरलिफ्ट कराकर नई दिल्ली स्थित एम्स में समुचित इलाज कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करे। इसके साथ ही तत्काल पीड़ित परिजनों को 50 लाख रूपये आर्थिक अनुदान प्रदान करने व परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दे।

यूपी की 2 सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने उतारे प्रत्याशी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की स्वार विधानसभा सीट और बांगरमऊ विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। उत्तर प्रदेश का उन्नाव जिला कुलदीप सिंह सेंगर मामले को लेकर खूब चर्चा में रहा है। कुलदीप सिंह सेंगर को उम्रकैद की सजा के बाद उनकी विधानसभा की सदस्यता भी रद्द कर दी गई थी। इसके साथ ही बांगरमऊ विधानसभा सीट खाली हो गई है। बांगरमऊ सीट पर चुनावी मुकाबले के लिए कांग्रेस ने आरती वाजपेयी को टिकट दिया है। वहीं समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता माने जाने वाले आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम के उम्र विवाद को लेकर उनकी भी सदस्यता रद्द कर दी गई थी। इसके साथ ही स्वार सीट पर भी सभी दलों की निगाह टिक गई। स्वार सीट पर कांग्रेस ने हैदर अली खान को प्रत्याशी घोषित किया है।

रालोद ने लगाया कुचक्र रचने का आरोप

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश प्रवक्ता सुरेन्द्र नाथ त्रिवेदी ने धर्म और सम्प्रदाय के स्वयंभू ठेकेदारों पर सामाजिक सद्भाव को पुन: तहस नहस करने का कुचक्र रचने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अयोध्या के राम लला के पक्ष में निर्णय देते हुए स्पष्ट टिप्पणी की थी कि देश के शेष मन्दिरों की स्थिति सन् 1947 के अनुसार ही रहेगी। इस निर्णय का सम्पूर्ण देश की एक सौ पैंतीस करोड़ जनता ने हृदय से स्वागत किया परन्तु अब पुन: कतिपय अलम्बरदारों द्वारा मथुरा की कृष्ण जन्मभूमि के मुद्दे को न्यायालय के ही माध्यम से हवा देकर साम्प्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने के प्रयास प्रारम्भ हो गए हैं जो देश हित में उचित नहीं है। त्रिवेदी ने कहा कि इस प्रकार का कदम जहाँ एक तरफ देश की गंगा जमुनी तहजीब को धक्का पहुँचाने वाला है तो दूसरी तरफ माननीय सर्वोच्च न्यायालय की अवमानना भी है। रालोद प्रवक्ता ने प्रदेश के मुख्यमंत्री से अपील करते हुए कहा कि जिलाधिकारियों के माध्यम से साम्प्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने वालों को चिन्हित कराकर दण्डित करने का प्राविधान करें।

फिल्म सिटी के लिए प्रस्तावित साइट का निरीक्षण करने पहुंचे अपर मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 28 सितंबर, 2020

शिवसेना से हाथ मिलाने का इरादा नहीं

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि शिवसेना से हाथ मिलाने या राज्य में उद्धव ठाकरे नीत गठबंधन सरकार गिराने का भाजपा का कोई इरादा नहीं है। फडणवीस ने यहां संवाददाताओं से बात करते हुए दावा किया कि राज्य के लोग शिवसेना नीत महाराष्ट्र विकास आघाडी सरकार के कामकाज से नाखुश हैं और यह अपनी अकर्मण्यता के चलते गिर जाएगी। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने यह भी कहा कि शनिवार को शिवसेना सांसद संजय राउत से उनकी मुलाकात हुई, जिसने राजनीतिक गलियारों में अटकलों को हवा दे दी, यह मुलाकात शिवसेना के मुखपत्र सामना के लिए एक साक्षात्कार के सिलसिले में थी।

पिछले साल महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री पद साझा करने के मुद्दे को लेकर शिवसेना ने भाजपा से अपना नाता तोड़ लिया था। इसके बाद उद्धव ठाकरे नीत पार्टी ने राज्य में गठबंधन सरकार बनाने के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के साथ हाथ मिलाया था।

राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता फडणवीस ने कहा, शिवसेना से हाथ मिलाने या (राज्य में) सरकार गिराने का हमारा कोई इरादा नहीं है। जब यह खुद ब खुद गिरेगी, तब हम देखेंगे। उन्होंने कहा कि राउत के साथ उनकी मुलाकात के कोई राजनीतिक निहितार्थ नहीं हैं। भाजपा नेता ने कहा, उन्होंने मुझसे सामना के लिए एक साक्षात्कार देने को कहा, जिस पर मैं राजी हो गया। लेकिन मैंने अपनी शर्तें भी रखी थी--जैसे कि साक्षात्कार असंपादित रहना चाहिए और साक्षात्कार के दौरान मुझे अपना कैमरा रखने दिया जाए। इस बीच, राउत ने भी यहां अलग से संवादाताओं से बात की।

शिवसेना नेता ने कहा कि वह और फडणवीस दुश्मन नहीं हैं और मुख्यमंत्री ठाकरे इस मुलाकात से अवगत थे, जो साक्षात्कार के कार्यक्रम पर चर्चा के लिए पूर्व नियोजित थी। हालांकि, कांग्रेस नेता संजय निरूपम ने राउत की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उन्हें सुर्खियों में आने की जल्दबाजी रहती है। मुंबई कांग्रेस के पूर्व प्रमुख ने कहा, जब यह होता है तब राजनीतिक करियर खत्म हो जाता है। यह राउत के लिए मेरी बददुआ नहीं है लेकिन यह एक हकीकत है। पिछले साल लोकसभा चुनाव से पहले मुंबई कांग्रेस प्रमुख पद से हटा दिए जाने के बाद से नाराज चल रहे निरूपम ने कहा कि यदि पार्टी (कांग्रेस) हाल ही में संसद में पारित कृषि विधेयकों का विरोध करने के बारे में गंभीर है, तो उसे पहले महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ शिवसेना से अपना रुख स्पष्ट करने को कहना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राकांपा का कहना है कि वे महाराष्ट्र में इस नए विधान को लागू नहीं होने देंगे, जबकि मुख्यमंत्री ठाकरे ने इसपर एक शब्द नहीं बोला है।

निरूपम ने कहा, शिवसेना ने लोकसभा में कृषि विधेयकों का समर्थन किया, जबकि राज्यसभा से वह उस वक्त वाकआउट कर गई जब उच्च सदन में अन्य विपक्षी दल इस पर मतविभाजन कराए जाने की मांग कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के रुख को लेकर राज्य में किसान भ्रम की स्थिति में हैं।

गुंटूर जिले में विश्व पर्यटन दिवस पर उंडावल्ली गुफाओं को देखते हुए लोग।

अरुण जेटली के बाद, भाजपा में पंजाब के मानस को समझने वाला कोई नहीं : नरेश गुजराल

नई दिल्ली। कृषि विधेयकों पर विरोध को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से अलग होने की शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की घोषणा के एक दिन बाद पार्टी नेता नरेश गुजराल ने रविवार को कहा कि अरुण जेटली के निधन के बाद पंजाब के मानस को समझने वाला कोई नेता भाजपा में नहीं हैं। अकाली दल के राज्यसभा सदस्य गुजराल ने उम्मीद जताई कि केंद्र की भाजपा नीत राजग सरकार पंजाब में स्थिति से निपटने मैं कुछ संवेदनशीलतौ दिखाएगी। गुजराल ने कहा कि गठबंधन से अलग होने का फैसला पार्टी कैडर से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर किया गया था। कैडर-आधारित पार्टी होने के नाते अकाली दल उनकी इच्छाओं का सम्मान करता है। भाजपा के साथ लंबे जुड़ाव के संबंध में उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, अरुण जी (पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली) के निधन के बाद, पंजाब के मानस को समझने वाला भाजपा में कोई नहीं है।

गुजराल ने कहा कि पंजाब में सभी तबकों के लोग कृषि संबंधी विधेयकों के मुद्दे पर काफी नाराज हैं। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि स्थिति के हाथ से निकल जाने के पहले इस अंतिम चरण में भी केंद्र, पंजाब की स्थिति से निपटने में थोड़ी संवेदनशीलता दिखाएगा। एक अन्य वरिष्ठ अकाली नेता बलविंदर सिंह भुंडर ने कहा कि अकाली दल और भाजपा के बीच गठबंधन चार दशकों तक जारी रहा लेकिन अब समीकरण बदल गया है।

हम कांग्रेस के अत्याचारों के खिलाफ लड़ने के लिए एक साथ आए। किसानों और पंजाब के मुद्दों पर हमेशा अकाली दल से सलाह ली गई। लेकिन अब भाजपा किसानों से संबंधित मुद्दों और पंजाब के बारे में हमारी चिंताओं को नहीं सुनती। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेई के शासन के विपरीत मौजूदा राजग में सहयोगियों को बहुत महत्व नहीं दिया गया है।

मराठा संगठन ने कोटा मुद्दे को लेकर पुणे में प्रदर्शन किया

पुणे। सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण के मुद्दे को लेकर मराठा समर्थक एक संगठन ने पुणे जिले में सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के कार्यालयों के बाहर रविवार को प्रदर्शन किया। मराठा समुदाय के लिए कोटा आंदोलन का नेतृत्व कर रहे मराठा क्रांति मोर्चा (एमकेएम) के कुछ नेताओं ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा घोषणा की गई राहत और जमीनी हकीकत में बड़ा अंतर है। गौरतलब है कि समुदाय के लिए कोटा के क्रियान्वयन पर उच्चतम न्यायालय के रोक लगाए जाने के आलोक में राज्य सरकार ने मंगलवार को कई उपायों की घोषणा की थी। एमकेएम सदस्यों ने रविवार को यहां राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस, शिवसेना और भाजपा के कार्यालयों के बाहर प्रदर्शन किया। उन्होंने मराठों के समर्थन में नारेबाजी की और कहा कि सरकार को समुदाय को आरक्षण मुहैया करने के लिए दृढ़ता से खड़े रहना चाहिए।

झारखंड के पूर्व कांग्रेस प्रमुख अजय कुमार फिर से पार्टी में

भाषा। नई दिल्ली

झारखंड कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अजय कुमार फिर से पार्टी में शामिल हो गए। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया ने अजय कुमार के फिर से पार्टी में शामिल होने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कुमार ने ट्वीट किया, अन्याय और संस्थाओं पर कब्जा करने के खिलाफ बोलने के लिए अपनी अंतरात्मा की आवाज और राहुल गांधी से प्रेरित होकर मैंने आज कांग्रेस में लौटने का फैसला किया। उन्होंने महात्मा गांधी के एक कथन को भी उद्धृत किया, जब सच बोलने की बारी आती है तो मौन धारण करना कायरता है। एक अन्य ट्वीट में कहा, स्वास्थ्य, किसान, बेरोजगारी और आर्थिक संकट के बीच राहुल और सोनिया भारत और यहां के लोगों के लिए निरंतर आवाज उठा रहे हैं। मैं उनकी दृढ़ता से प्रेरित हुआ हूं और इससे मुझे फिर से कांग्रेस में वापसी की प्रेरणा मिली। पूर्व आईपीएस और 15 वीं लोकसभा में जमशेदपुर से सांसद रह चुके कुमार ने पिछले साल झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले पार्टी छोड़ दी थी। उन्हें नवंबर 2017 में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था लेकिन अगस्त 2019 में उन्होंने इस्तीफा दे दिया और अगले महीने आम आदमी पार्टी से जुड़ गए।

शिवसेना ने राजग छोड़ने पर शिअद की सराहना की

मुंबई। शिवसेना ने किसानों के हितों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से अलग होने पर शिरोमणि अकाली दल की रविवार को सराहना की। हालांकि पार्टी सांसद संजय राउत ने यह भी कहा कि शिरोमणि अकाली दल (शिअद) का राजग से अलग होने का फैसला दुखद घटनाक्रम है। शिअद ने शनिवार रात को राजग से अपने संबंध तोड़ने की घोषणा की। वह हाल के वर्षों में भाजपा की अगुवाई वाले राजग से अलग होने वाली तीसरी बड़ी पार्टी है। इससे पहले शिवसेना और तेदेपा भी राजग से अलग हो चुकी हैं। गत वर्ष शिवसेना ने महाराष्ट्र में सत्ता साझेदारी के मुद्दे पर भाजपा से टकराव के बाद राजग को अलविदा कह दिया था। शिवसेना के मुख्य प्रवक्ता रावत ने ट्वीट किया, शिवसेना किसानों के हित में राजग से अपने रिश्ते तोड़ने के अकाली दल के फैसले की सराहना करती है। इससे पहले यहां पत्रकारों से मुखातिब होते हुए राउत ने कहा था कि शिवसेना और शिअद राजग के स्तंभ थे। राज्यसभा सदस्य ने कहा, दोनों पार्टियां भाजपा के साथ अच्छे-बुरे समय में खड़ी रही जबकि अन्य दल सत्ता की वजह से इसमें शामिल हुए। शिवसेना को पिछले साल राजग छोड़ने पर मजबूर किया गया, जबकि इस साल शिरोमणि अकाली दल ने कृषि विधेयकों को लेकर राजग छोड़ दिया। हमें घटनाक्रम पर दुख होता है। शिवसेना और शिअद राजग के स्तंभ थे जो अब वहां नहीं हैं। राउत ने कहा कि केंद्र में सत्तारूढ़ गठबंधन को राजग नहीं कहा जा सकता है। यह एक अलग गठबंधन है। भाजपा का लोकसभा में स्पष्ट बहुमत है।

क्विक न्यूज

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होना देश के आत्मसम्मान और संप्रभुता से जुड़ा हुआ हैः राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि जो देश अपने सैन्य साजो सामान के लिए आयात पर निर्भर करता है, वह कभी भी मजबूत नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होना देश के" आत्म-सम्मानै और" संप्रभुता" से जुड़ा है। भारत, रक्षा क्षेत्र से जुड़ी बड़ी कंपनियों के लिए एक बड़ा बाजार है और देश उन तीन देशों में शामिल है जिन्होंने पिछले आठ वर्षों में सबसे ज्यादा सैन्य हार्डवेयर का आयात किया है। सिंह ने कहा सरकार ने 101 तरह के हथियार और सैन्य प्रणालियों के आयात पर 2024 तक रोक लगाई है। उन्होंने दीनदयाल स्मृति व्याख्यान को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि इस फैसले से भारत में प्रति वर्ष 52,000 करोड़ रुपए के रक्षा उपकरणों के निर्माण का अवसर मिला है। मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार जल्द ही नई रक्षा उत्पादन एवं खरीद नीति लेकर आएगी। हाल में संसद से पारित कृषि विधेयकों पर सिंह ने कहा कि किसानों के कल्याण की प्रतिबद्धता दीनदयाल उपाध्याय के दौर से बनी हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसे कदम उठाए हैं जिससे किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलने में मदद मिलेगी।

तृणमूल कांग्रेस ने राजग का साथ छोड़ने वाले अकाली दल का समर्थन किया

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस ने राजग का साथ छोड़ने वाले शिरोमणि अकाली दल का समर्थन किया है। हाल ही में संसद में पारित किए गए तीन कृषि विधेयकों का विरोध करते हुए अकाली दल केंद्र की भाजपा नीत राजग सरकार से अलग हो गई है। तृणमूल के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ ब्रायन ने रविवार को एक ट्वीट में अपनी पार्टी की ओर से शिअद का समर्थन किया। उन्होंने ट्विटर पर कहा, हम किसानों के साथ सुखबीर सिंह बादल और अकाली दल के रुख का समर्थन करते हैं। किसानों के लिए लड़ना तृणमूल के डीएनए का हिस्सा है। 2006 में ममता बनर्जी ने किसानों के अधिकारों के लिए 26 दिनों का ऐतिहासिक उपवास कर अपना जीवन जोखिम में डाल लिया था। हम कृषि विधेयकों का विरोध करते हैं क्योंकि इससे एमएसपी, पीडीएस, खरीद और राज्यों की भूमिका खतरे में पड़ जाएगी। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने कृषि विधेयकों के मुद्दे पर शनिवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को छोड़ दिया। शिअद पिछले कुछ वर्षों में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन से बाहर निकलने वाली तीसरी प्रमुख पार्टी है।

पश्चिम बंगाल के कॉलेजों में स्नातक कक्षाएं दो नवंबर से शुरू होंगी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में रविवार को राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और उच्चतर शिक्षा मंत्री पार्था चटर्जी के बीच हुई एक बैठक में कॉलेजों में दो नवंबर से स्नातक (यूजी) की कक्षाएं शुरू करने का फैसला किया गया। कॉलेजों में अक्टूबर में नामांकन की प्रक्रिया पूरी करने के बाद दो नवंबर से कक्षाएं शुरू होंगी। डिजिटल बैठक में शामिल हुए एक प्रमुख विश्वविद्यालय के कुलपति ने बताया कि यह फैसला किया गया है कि नवंबर के आखिरी सप्ताह में संभव नहीं होने की स्थिति में स्नातकोत्तर (पीजी) की कक्षाएं एक दिसंबर से आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि स्नातक और पीजी, दोनों कक्षाएं ऑनलाइन माध्यम से होंगी और संबद्ध शैक्षणिक संस्थान इसके तौर-तरीकों का खाका तैयार करेंगे। उच्चतर शिक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि एक अन्य अहम फैसले के तहत विश्वविद्यालयों ने विभिन्न पीजी पाठ्यक्रमों के तहत 80 फीसदी सीटें उन छात्रों के लिए सुरक्षित रखने का निर्णय किया है, जिन्होंने विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में स्नातक की पढ़ाई की है या स्नातक की पढ़ाई उसी विश्वविद्यालय (जैसे कि यादवपुर विश्वविद्यालय) से की है। शिक्षा मंत्री ने बैठक के बाद कॉल किए जाने पर कोई जवाब नहीं दिया।

कोलकाता में दुर्गा पूजा पर्व के लिए दुकानों पर खरीदारी करती हुई महिलाएं

स्वाद पर ध्यान देने के बदले पौष्टिक भोजन पर जोर दें : नायडू

भाषा। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने स्वस्थ और संतुलित आहार पर जोर देते हुए रविवार को लोगों का आह्वान किया कि वे स्वाद पर ध्यान देने के बदले पौष्टिक भोजन करें। उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने एक फेसबुक पोस्ट में लिखा कि फिटनेस दिनचर्या के अलावा स्वस्थ और संतुलित आहार लेना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि तेजी से शहरीकरण और आधुनिक जीवनशैली से लोगों के भोजन की आदतों में काफी बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि समय आ गया है कि हम नियंत्रण करें और अपने खाने की आदतों में बदलाव लाएं।

वेंकैया नायडू ने कहा, हमें सिर्फ स्वाद के लिए भोजन नहीं करना चाहिए। हमें याद रखना चाहिए कि हम वही होते हैं जो हम खाते हैं और खाना पोषण के लिए है। हमें बिना विचारे भोजन करने के बदले पौष्टिक और प्रोटीन युक्त भोजन अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी से सामान्य जीवन के प्रभावित होने से लोगों को भोजन की सदियों पुरानी पारंपरिक आदतों के लौटने के महत्व का एहसास हुआ है।

उन्होंने कहा कि प्राचीन काल से हमारे पूर्वजों ने हर मौसम और क्षेत्र के अनुरूप विभिन्न स्वास्थ्यवर्धक मसालों और अन्य सामग्रियों को अपने भोजन में शामिल किया। उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने कहा कि इस महामारी के बीच अधिक से अधिक लोग घर में बने जैविक भोजन पर जोर देने लगे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि स्वस्थ जीवन के लिए लोगों को दिनचर्या और ऋतुचर्या के सिद्धांतों का पालन करना होगा।

अटल के हनुमान थे जसवंत सिंह, कभी नहीं किया उदारवादी विचारों से समझौता

भाषा। नई दिल्ली

सेना के अधिकारी से नेता बने, भाजपा के संस्थापक सदस्य रहे पूर्व केन्द्रीय मंत्री जसवंत सिंह पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत अटल बिहारी वाजपेई के विश्वसनीय सहयोगी थे। साथ ही उन्होंने अपने उदारवादी राजनीतिक विचारों से अपनी अलग पहचान बनाई। रविवार सुबह लंबी बीमारी के बाद दिल्ली में उनका निधन हो गया। मजबूत पारिवारिक पृष्ठभूमि से संबंध रखने वाले और उदारवादी मिजाज के लिए जाने जाने वाले 82 वर्षीय जसवंत ने अपने राजनीतिक जीवन में 1998 से 2004 के बीच वाजपेई सरकार में केन्द्रीय मंत्रिमंडल के तीन सबसे प्रमुख रक्षा, विदेश और वित्त मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली।

हालांकि दिसंबर 1999 में इंडियन एयरलाइन्स के अपहृत विमान में सवार यात्रियों के छुड़ाने के लिए तीन खूंखार आतंकवादियों को सरकारी विमान से अफगानिस्तान के कंधार ले जाने से उनकी छवि को धक्का लगा। उस समय जसवंत सिंह विदेश मंत्री थे। इंडियन एयरलाइन्स के विमान (आईसी 814) में सवार 180 से अधिक यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को छुड़ाने के बदले भारत को जिन तीन आतंकवादियों को रिहा करना पड़ा, उनमें मौलाना मसूद अजहर भी शामिल था, जिसने बाद में जैश-ए-मोहम्मद का गठन किया। आठ दिन तक चले उस अपहरण संकट को खत्म करने के लिए जसवंत सिंह खुद आतंकवादियों को छोड़ने गए, तो विवाद खड़ा हो गया। इस घटना के लिए कई बार जसवंत सिंह का मजाक बना। अपहरण की घटना को 1998 में बनी भाजपा नीत राजग सरकार के कार्यकाल की नाकामियों में शुमार किया जाता है।

आतंकवादियों ने अपहृत विमान के एक यात्री की हत्या भी कर दी थी। ईमानदार नेता माने जाने वाले सिंह वाजपेई के बेहद खासमखास थे। इस वजह से उन्हें वाजपेई का हनुमान भी कहा जाता था। वाजपेई के कार्यकाल के दौरान जसवंत सिंह सरकार में काफी ऊंचा ओहदा रखते थे। उस दौरान वह कई ऐतिहासिक घटनाओं और उपलब्धियों के गवाह बने, जिनमें 1998 का परमाणु परीक्षण पोखरण-2, भारत-पाकिस्तान के बीच करगिल संघर्ष, भारत-पाकिस्तान के बीच 2001 में हुआ आगरा शिखर सम्मेलन और अमेरिका के साथ परमाणु मुद्दों पर बातचीत शामिल है। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व शुरू से ही जसवंत सिंह को पसंद करता था। फर्राटेदार अंग्रेजी में बात करने के उनके हुनर का हर कोई कायल था। पार्टी के कई नेता ऐसा नहीं कर पाते थे।

भाजपा को मध्यम वर्ग की पार्टी माना जाता था, जिसमें सिंह को खास मुकाम हासिल था। इसकी वजह उनकी शिक्षा और सैन्य पृष्ठभूमि मानी जाती थी। कम बोलने और गहरी समझ वाले सिंह उदारवारी मूल्यों के कट्टर समर्थक थे। शिष्टजनों में शुमार किए जाने वाले सिंह ने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में कई उतार-चढ़ाव भी देखे। मई 1996 में 13 दिन की वाजपेई सरकार में वह वित्त मंत्री बने थे। आम तौर पर गंभीर दिखने वाले सिंह कभी-कभी अपने मिजाज के विपरीत बात किया करते थे। जुलाई 2009 में वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी ने जब संसद में बजट पेश किया तो सिंह ने उसपर चर्चा के दौरान कहा कि वरिष्ठ नागरिकों को कर में दी गई छूट इतनी भी नहीं है कि वह उससे विस्की की एक बोतल खरीद सकें।

आरएसएस से ताल्लुक न रखने वाले जसवंत को दो बार भाजपा से निष्कासित किया गया। पहली बार उन्हें 2009 में जिन्ना की तारीफ करने पर पार्टी से निकाला गया। हालांकि 2010 में उन्हें फिर से पार्टी में शामिल कर लिया गया। इसके बाद 2014 के लोकसभा चुनाव में राजस्थान की बाड़मेर सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर उम्मीदवारी वापस लेने से मना करने पर एक बार फिर उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया। उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा, जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा। सिंह ने आठ साल तक सेवाएं देने के बाद 1965 में सेना से सेवानिवृत्ति ले ली थी। जब उनसे सेना छोड़ने का कारण पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह राजनीति में जाना चाहते हैं।

भाजपा को इसके गठन के समय से ही दक्षिणपंथी दल माना जाता है। पार्टी के कई तेज-तर्रार नेताओं के विपरीत सिंह हमेशा पार्टी के अंग्रेजी भाषी उदारवादी तथा प्रगतिशील मिजाज के नेता के तौर पर जाने जाते रहे। सिंह ने पार्टी को शहरी इलाकों में पैठ बनाने में भी मदद की। हालांकि जसवंत सिंह को कभी जन नेता के तौर पर नहीं देखा गया। पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच भी वह बहुत लोकप्रिय नहीं रहे। माना जाता है कि उन्हें सत्ता में ऊंचा मुकाम उनकी गहरी समझ के कारण हासिल हुआ। जसवंत सिंह 2012 में उपराष्ट्रपति पद के लिए राजग के उम्मीदवार थे, लेकिन उन्हें संप्रग उम्मीदवार हामिद अंसारी से हार का सामना करना पड़ा।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी व अन्य नेताओं के साथ एक कार्यक्रम में जसवंत सिंह — फाइल फोटो

गांव, किसान, देश का कृषि क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत के आधार: मोदी

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को गांव, किसान और देश के कृषि क्षेत्र को आत्मनिर्भर भारत का आधार बताते हुए कहा कि ए जितने मजबूत होंगे, आत्मनिर्भर भारत की नींव भी उतनी ही मजबूत होगी। आकाशवाणी पर मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 69वीं कड़ी में अपने विचार व्यक्त करते हुए मोदी ने कहा कि संसद से पारित कृषि सुधार विधेयकों के पारित होने के बाद देशभर के किसानों को अब उनकी इच्छा के अनुसार, जहां ज्यादा दाम मिले वहां बेचने की आजादी मिल गई है।

मोदी ने इस अवसर पर कई राज्यों के किसानों और कुछ किसान संगठनों के अनुभवों तथा उनकी सफल कहानियों को साझा करते हुए यह संदेश देने की कोशिश की कि कैसे उन्हें उनके उत्पादों के एपीएमसी (कृषि उत्पाद विपणन समितियां) कानून से बाहर होने का फायदा मिला और कैसे अब वे बिना बिचौलिए के सीधे बाजार में अपने उत्पादों को बेचकर मुनाफा कमा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि देशभर के किसान उन्हें चिट्ठियां भेजकर और कुछ किसान संगठनों ने निजी बातचीत में उन्हें बताया कि कैसे खेती में नए-नए आयाम जुड़ रहे हैं और बदलाव आ रहा है। कोरोना वायरस संक्रमण के बीच देश में बंपर फसल उत्पादन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे कठिन दौर में भी कृषि क्षेत्र और देश के किसानों ने फिर से अपना दमखम दिखाया है। उन्होंने कहा, हमारे यहां कहा जाता है कि जो जमीन से जितना जुड़ा होता है, वह बड़े से बड़े तूफानों में भी उतना ही अधिक रहता है। कोरोना के इस कठिन समय में हमारा कृषि क्षेत्र, हमारा किसान इसका जीवंत उदाहरण है। संकट के इस काल में भी हमारे देश के कृषि क्षेत्र ने फिर अपना दमखम दिखाया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, देश का कृषि क्षेत्र, हमारे किसान, हमारे गांव आत्मनिर्भर भारत का आधार हैं। ए मजबूत होंगे तो आत्मनिर्भर भारत की नींव मजबूत होगी। मोदी ने हरियाणा, महाराष्ट्र और गुजरात के कुछ सफल किसानों तथा किसान समूहों का जिक्र करते हुए कहा कि बीते कुछ समय में कृषि क्षेत्र ने खुद को अनेक बंदिशों से आजाद किया है और अनेक मिथकों को तोड़ने का प्रयास किया है। हरियाणा के सोनीपत जिले के किसान कंवर चौहान की कहानी बताते हुए मोदी ने कहा कि एक समय था जब उन्हें मंडी से बाहर अपने फल और सब्जियां बेचने में बहुत दिक्कत आती थी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में फल और सब्जियों को जब एपीएमसी कानून से बाहर कर दिया गया, तो इसका उन्हें और अन्य किसानों को फायदा हुआ।

उन्होंने बताया कि चौहान ने साथी किसानों के साथ मिलकर एक किसान उत्पादक समूह की स्थापना की और स्वीट कार्न तथा बेबी कार्न की खेती आरंभ की। उन्होंने कहा, आज उनके उत्पाद दिल्ली की आजादपुर मंडी, बड़ी रिटेल चेन तथा पांच सितारा होटलों में सीधे आपूर्ति हो रहे हैं। आज ए किसान ढाई से तीन लाख रुपए प्रति एकड़ सालाना कमाई कर रहे हैं। इतना ही नहीं, इसी गांव के 60 से अधिक किसान नेट हाउस और पॉली हाउस बनाकर टमाटर, खीरा, शिमला मिर्च की अलग-अलग किस्मों का उत्पादन कर हर साल प्रति एकड़ 10 से 12 लाख रुपए तक की कमाई कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि इन किसानों के पास अपने फल-सब्जियों को कहीं पर भी और किसी को भी बेचने की ताकत है तथा ए ताकत ही उनकी इस प्रगति का आधार है। उन्होंने कहा, अब यही ताकत, देश के दूसरे किसानों को भी मिली है। फल-सब्जियों के लिए ही नहीं, अपने खेत में, वो जो पैदा कर रहे हैं – धान, गेहूं, सरसों, गन्ना जो उगा रहे हैं, उसको अपनी इच्छा के अनुसार जहां ज्यादा दाम मिले, वहीं पर, बेचने की अब उनको आज़ादी मिल गई है।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के भारी विरोध के बावजूद हाल में कृषि विधेयक आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक, 2020, कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक 2020 तथा कृषक (सशक्तीकरण और संरक्षण) कीमत आश्वासन एवं कृषि सेवा पर करार विधेयक, 2020 को संसद से पारित कर दिया गया था। कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) विधेयक, 2020, राज्य सरकारों को मंडियों के बाहर की गई कृषि उपज की बिक्री और खरीद पर कर लगाने से रोकता है और किसानों को अपनी उपज को लाभकारी मूल्य पर बेचने की स्वतंत्रता देता है। वर्तमान में, किसानों को पूरे देश में फैले 6,900 एपीएमसी (कृषि उपज विपणन समितियों) मंडियों में अपनी कृषि उपज बेचने की अनुमति है। मंडियों के बाहर कृषि-उपज बेचने में किसानों के लिए प्रतिबंध हैं। देशभर के कई हिस्सों खासकर पंजाब और हरियाणा के किसान तथा किसान संगठन इन विधेयकों को किसान विरोधी बताकर प्रदर्शन कर रहे हैं। कांग्रेस ने तो कृषि संबंधी विधेयकों के खिलाफ शनिवार को सोशल मीडिया पर अभियान शुरू कर दिया और इसके पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लोगों से किसानों पर कथित अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की।

कांग्रेस का कहना है कि एपीएमसी कानून आज किसानों के बड़े तबके के लिए एक सुरक्षा है। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), मूल्य निर्धारण का एक संकेत है जिसके आधार पर बाजार कीमतें तय करता है। कांग्रेस का दावा है कि ए विधेयक एमएसपी के इस महत्व को खत्म कर देंगे और एपीएमसी कानून भी निष्प्रभावी हो जाएगा।

आतंकी गतिविधियों का केंद्र बन गया है बेंगलुरू: तेजस्वी सूर्या

नई दिल्ली। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने रविवार को दावा किया कि बेंगलुरू आतंकवादी गतिविधियों का केंद्र बन गया है। इस सिलसिले में उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) का एक स्थाई कार्यालय कर्नाटक की राजधानी में स्थापित करने की मांग की है। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के अगले ही दिन सूर्या ने कहा कि बेंगलुरू में कई आतंकी मोड्यूल का भंडाफोड़ हुआ है। उन्होंने दावा किया कि आतंकी संगठन शहर को अपनी गतिविधियों का केंद्र बनाना चाहते हैं। सूर्या ने कहा कि दो दिन पहले उन्होंने इस सिलसिले में शाह से मुलाकात की और बेंगलुरू में एनआईए का कार्यालय खोलने का आग्रह किया जो आधुनिक सुविधाओं से लैस हो और जहां पर्याप्त संख्या में कर्मचारी हों। उन्होंने कहा, गृह मंत्री ने मुझे आश्वस्त किया है कि जल्द से जल्द पुलिस अधीक्षक स्तर के एक अधिकारी की निगरानी में एक स्थाई कार्यालय खोलने के लिए वह अधिकारियों को निर्देश देंगे।

कोलकाता में रविवार को दुर्गा पूजा उत्सव से पहले एक बाजार में खरीदारी करने निकली महिलाएं

अटल भूजल योजना के तहत अब तक खर्च हुए केवल 54 लाख रुपए

भाषा। नई दिल्ली

देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल संसाधनों के स्थाई प्रबंधन से जुड़ी अटल भूजल योजना के लिए चालू वित्त वर्ष में 200 करोड़ रुपए आवंटित किए गए लेकिन अब तक सिर्फ 54 लाख रुपए ही खर्च हो पाए हैं। जल शक्ति राज्य मंत्री रतन लाल कटारिया ने लोकसभा में राजेंद्र अग्रवाल के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह योजना एक अप्रैल 2020 से सामुदायिक भागीदारी के साथ भूजल संसाधनों के स्थाई प्रबंधन के लिए लागू की गई थी। कटारिया ने कहा, वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान अटल भूजल योजना के लिए मंत्रालय ने 200 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं जो भौतिकावित्तीय प्रगति के मद्देनजर संशोधन के अधीन हैं। इसमें से 54 लाख रुपए का अभी तक प्रयोग हो चुका है। मंत्री ने बताया कि इसके अतिरक्त योजना के जमीनी क्रियान्वयन से जुड़ी प्रारंभिक गतिविधियों के पूरा हो जाने के बाद राज्यों को निधियों का आवंटन किया जाएगा। यह योजना 2020-21 से पांच वर्ष की अवधि तक जारी रहेगी।

गौरतलब है कि सरकार ने मार्च 2018 में अटल भूजल योजना का प्रस्ताव किया था जिसका लक्ष्य अत्यधिक भूजल दोहन वाले सात राज्यों गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में सामुदायिक हिस्सेदारी के साथ स्थाई भूजल प्रबंधन करने का है। वहीं, नीति आयोग ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि लगातार घट रहा भूजल स्तर वर्ष 2030 तक देश में सबसे बड़े संकट के रूप में उभरेगा। केंद्रीय भूजल बोर्ड तथा राज्य भूजल विभागों के आंकड़ों के अनुसार, देश में कुल मूल्यांकित 6,584 इकाइयों (ब्लॉकातालुकाामंडल) में से I,034 इकाइयों को अत्यधिक दोहन इकाइयों की श्रेणी में रखा गया है। सामान्यत: इन्हें डार्क ज़ोन (पानी के संकट की स्थिति) कहा जाता है।

इनमें दिल्ली में 15 इकाई, हरियाणा में 64 इकाई, कर्नाटक में 43 इकाई, पंजाब में 105 इकाई, राजस्थान में 164 इकाई, तमिलनाडु में 358 इकाई और उत्तर प्रदेश में 113 इकाई भूजल के अत्यधिक दोहन वाली हैं। वहीं, केंद्रीय भूजल बोर्ड की गुणवत्ता निगरानी रिपोर्ट के अनुसार, देश के 23 राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों के 370 जिलों में भूजल में फ्लोराइड 1.5 मिलीग्राम प्रति लीटर से अधिक है। 23 राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों में 423 जिलों में भूजल में नाइट्रेट 45 मिलीग्राम प्रति लीटर से अधिक है। वहीं, 21 राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्र के 152 जिलों में भूजल में आर्सेनिक 0.01 मिलीग्राम प्रति लीटर से अधिक है। 14 राज्यों के 92 जिलों में भूजल में सीसा 0.01 मिलीग्राम प्रति लीटर से अधिक पाया गया है।

डूंगरपुर में प्रर्शनकारियों के साथ सकारात्मक वार्ता

भाषा। जयपुर

राजस्थान के हिंसा प्रभावित डूंगरपुर जिले में तनाव को खत्म करने के लिए रविवार को प्रर्शनकारियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने बैठक की। यहां स्थिति से निपटने के लिए त्वरित कार्यबल की दो कंपनियों को तैनात किया गया है। शनिवार रात को उग्र प्रदर्शन के दौरान एक व्यक्ति की गोली लगने से मौत हो गई थी जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए थे।

बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार ने शनिवार रात पुलिस महानिदेशक एम.एल. लाठर, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक दिनेश एम एन और जयपुर पुलिस आयुक्त आनंद श्रीवास्तव को डूंगरपुर भेजा था। रविवार को खेरवाडा में समाज के नेताओं, प्रदर्शनकारियों के प्रतिनिधिमंडल, स्थानीय जन प्रतिनिधियों और पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारियों ने मुद्दे पर चर्चा की। बैठक के बाद जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री अर्जुनसिंह बामनिया ने संवाददाताओं को बताया, हमने प्रदर्शनकारियों से हिंसा रोकने और शांति बनाए रखने की अपील की है। हम सब चाहते है कि इस क्षेत्र में शांति बनी रहे और हब सब शांति बनाए रखने के लिए यहां इकठ्ठे हुए हैं। उन्होंने कहा कि बैठक में आमराय थी कि इस क्षेत्र में आगे से कोई आगे से किसी तरह का उपद्रव नहीं फैले और शांति बहाल हो। बैठक में क्षेत्र के दोनो लोकसभा सदस्यों, पूर्व सांसद, पूर्व मंत्री सहित क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। उदयपुर के पूर्व सांसद और कांग्रेस नेता रघुवीर मीणा ने कहा कि बैठक सकारात्मक रही और अब जनप्रतिनिधियों के साथ पुलिस, प्रशासन के आला अधिकारी आंदोलन स्थल पर जा रहे है ताकि स्थिति में सुधार लाया जा सके और शांति बहाल हो सके। जयपुर में पुलिस महानिदेशक भूपेन्द्र सिंह ने स्थिति की समीक्षा की और वरिष्ठ अधिकारियों से फीडबैक लिया। उन्होंने बताया कि डूंगरपुर में अब स्थिति शांति पूर्ण है। पुलिस महानिदेशक ने पीटीआईभाषा को बताया कि रविवार को क्षेत्र में त्वरित कार्यबल की दो कंपनियों को तैनात किया गया है। शनिवार रात को पुलिस के तीन वरिष्ठ अधिकारियों को डूंगरपुर भेजा गया था और वर्तमान में स्थिति शांतिपूर्ण है। उन्होंने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकारियों को हिंसा में शामिल असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। दूसरी ओर उग्र प्रदर्शनकारियों के एक दल ने रविवार तडके तीन बजे एक पिकअप वैन को आग के हवाले कर दिया। डूंगरपुर पुलिस कंट्रोल रूम के अनुसार प्रदर्शनकारियों ने रणसागर क्षेत्र में तडके करीब तीन बजे एक पिकअप को आग लगा दी और प्रदर्शनकारी आवासीय क्षेत्रों में भी घुस गए।

डूंगरपुर में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्थिति तनाव पूर्ण है और क्षेत्र में कानून व्यवस्था और शांति बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे है। उल्लेखनीय है कि अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट) से जुडी अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे युवा बृहस्पतिवार शाम को उग्र हो गए। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस दल पर पथराव किया और पुलिस वाहनों सहित 25 से अधिक वाहनों को आग के हवाले कर दिया। शुक्रवार को हिंसा के दौरान डूंगरपुर जिले के बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग आठ पर प्रदर्शनकारियो ने पुलिस दल पर पथराव किया और कुछ बसों को आग लगा दी थी। एक पेट्रोल पंप पर लूटपाट भी की गई थी। प्रशासन ने एहतियातन जिले में निषेधाज्ञा लगाते हुए इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं। प्रदर्शनकारियों ने उदयपुरअहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग को खेरवाडा के पास बृहस्पतिवार से जाम कर रखा है। हिंसा शुक्रवार और शनिवार को भी जारी रही जिसमें एक व्यक्ति की गोली लगने से मौत हो गई। कुछ प्रदर्शनकारियों के आवासीय क्षेत्रों में भी घुसने की सूचना मिली है। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने अब तक 25 वाहनों को आग लगा दी है, कई दुकानों, होटलों और पेट्रोल पंप में तोड़फोड़ की है।

केंद्रीय पुलिस बलों में संक्रमण के 36 हजार से अधिक मामले, 128 जवानों की मौत

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले केन्द्रीय पुलिस बलों में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले 36 हजार के आंकड़े को पार कर गए हैं और इस घातक विषाणु से 128 जवानों की मौत हुई है। ये मामले केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) से जुड़े हैं। नए आंकड़ों के अनुसार इन बलों में अब तक संक्रमण के 36,000 से अधिक मामले सामने आए हैं, जिनमें 6,646 मामले उपचाराधीन हैं और शेष मामलों में जवान ठीक हो चुके हैं। बीएसएफ देश की सीमा की रक्षा करने वाले सबसे बड़ा बल है और इसमें लगभग 2.5 लाख कर्मी हैं। इसमें अब तक संक्रमण के 10,636 मामले सामने आए हैं। इसके बाद सबसे बड़े अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ में संक्रमण के 10,602 और सीआईएसएफ में 6,466 मामले सामने आए हैं। आंकड़ों के अनुसार आईटीबीपी में संक्रमण के 3,845 मामले सामने आए हैं, वहीं एसएसबी में 3,684, एनडीआरएफ में 514 और एनएसजी में 250 मामले सामने आए हैं। इन बलों में 128 जवानों ने संक्रमण से जान गंवाई है। इनमें सीआरपीएफ में 52, बीएसएफ में 29, सीआईएसएफ में 28 और आईटीबीपी तथा एसएसबी में नौ-नौ जवानों की संक्रमण से मौत हुई है।

बिहार में डिजिटल प्रचार से राजग को फायदा: संजय कुमार

भाषा। नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव की तिथियों की घोषणा हो गई है। कोरोना संकट के कारण इस बार डिजिटल प्रचार के इर्द-गिर्द पूरा चुनाव लड़ा जा रहा है। विपक्ष में अपेक्षाकृत ज्यादा बिखराव नजर आ रहा है। इन्हीं बिंदुओं पर पेश हैं सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज (सीएसडीएस) के निदेशक संजय कुमार से भाषा के पांच सवाल और उनके जवाब।

सवाल: बिहार में चुनाव की घोषणा हो गई है और ऐसे में आपका क्या आकलन है?

जवाब: मेरे लिए चौंकाने वाला नतीजा यही होगा कि राजग 200 सीटों के पार चला जाए। विपक्ष के लिहाज से चौंकाने वाले नतीजे की उम्मीद मुझे नजर नहीं आती। अगर विपक्ष एकजुट होगा तो चुनौती होगी, लेकिन यह चुनौती इतनी बड़ी नहीं होगी कि राजग को जीतने में मुश्किल हो। अगर चिराग पासवान भी विपक्ष के साथ आ जाएं तो शायद थोड़ा टक्कर वाला मुकाबला हो, लेकिन नतीजा नहीं बदलेगा।

सवाल: कोरोना संकट के समय डिजिटल चुनाव प्रचार को लेकर कुछ छोटी पार्टियों ने आपत्ति जताई है। क्या इन पार्टियों को नुकसान का डर है?

जवाब: निश्चित तौर पर छोटी पार्टियों और विपक्ष को इसका नुकसान होगा। भाजपा को डिजिटल और प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल वाले चुनाव में महारत हासिल है। 2014 के चुनाव से ही भाजपा ने डिजिटल चुनाव प्रचार की पहल शुरू कर दी थी। इसीलिए बिहार के चुनाव में डिजिटल प्रचार से राजग को फायदा मिलता नजर आ रहा है।

सवाल: विपक्ष में बिखराव भी अपेक्षाकृत ज्यादा नजर आ रहा है, इसका क्या कारण है और क्या यह उसकी मुश्किलें बढ़ाएगा?

जवाब: बिखराव की कई वजह हैं। सबसे बड़ी वजह आत्मविश्वास की कमी है। अगर यह भावना आ जाए कि चुनाव जीतने के लिए नहीं, बल्कि हार-जीत के अंतर को कम करने के लिए लड़ना है तो ऐसी स्थिति में छोटी-छोटी पार्टियों के नेता चाहेंगे कि वे उस गठबंधन की तरफ जाएं जो जीतने की स्थिति में हैं। विपक्ष में आत्मविश्वास की जो कमी दिख रही है, उसकी एक वजह यह है कि उसके पास कोई कद्दावर नेता नहीं है या फिर बहुत सारे नेता हैं जो खुद को कद्दावर नेता के तौर पर पेश करते हैं। तालमेल का भी अभाव है और इसको लेकर भी सहमति नहीं है कि नेतृत्व किसके पास होगा। विपक्ष के मतों में जितना ज्यादा बिखराव होगा, हार-जीत का अंतर भी उतना ही बड़ा होगा।

सवाल: क्या नीतीश कुमार की लोकप्रियता पहले की तरह बरकरार है और उन्हें तेजस्वी यादव का चेहरा कितनी बड़ी चुनौती देता नजर आ रहा है?

जवाब: यह सही है कि नीतीश की लोकप्रियता पहले जैसे नहीं रही। उसमें गिरावट आई है। आज से 10 साल पहले नीतीश के साथ गठबंधन से भाजपा को फायदा होता था। उसमें अब बदलाव आया है। अब नीतीश को गठबंधन की जरूरत है। तेजस्वी के लिए दिक्कत यह है कि उनके खिलाफ विरोध नहीं, लेकिन उनकी पार्टी के खिलाफ विश्वास की कमी है। उनकी छवि पर उनके पिता लालू प्रसाद की छवि और 15 साल के शासन वाली छवि भारी पड़ जाती है। इससे उन्होंने बाहर निकलने की कोशिश की और माफी भी मांग ली। वह नई तरह की राजनीति करने की भी कोशिश कर रहे हैं। वैसे, एक निवर्तमान मुख्यमंत्री की लोकप्रियता दूसरे नेताओं के मुकाबले अक्सर ज्यादा होती है। अनुभव के लिहाज से भी नीतीश और तेजस्वी में काफी फर्क है। दूसरी तरफ, जदयू की छवि जनता के बीच राजद से बेहतर दिखाई देती है। ऐसे में फिलहाल तेजस्वी का चेहरा उतनी बड़ी चुनौती पेश करता नजर नहीं आ रहा जिसकी विपक्ष को जरूरत है।

सवाल: श्रमिकों का सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलना, कोरोना संकट, बाढ़ और कुछ अन्य हालिया ज्वलंत मुद्दों का बिहार चुनाव में कितना असर होगा?

जवाब: इन मुद्दों का प्रभाव क्षणिक था। उस समय लोगों का गुस्सा नीतीश कुमार के प्रति ज्यादा था, लेकिन जैसे-जैसे लोग कामकाज की दिनचर्या में चले जाते हैं तो उनका गुस्सा कम हो जाता है। चार-पांच महीने हो गए और लोगों का गुस्सा कम हो गया। अगर लोग मान भी लें कि लोग नीतीश कुमार को वोट नहीं देंगे तो फिर उन्हें लगता है कि किसे दें। जैसे राष्ट्रीय स्तर के चुनाव में होता है। तुलनात्मक रूप से विकल्प के नहीं होने से भी नीतीश कुमार की लोकप्रियता बरकरार नजर आती है।

पेज एक का शेष

चंद सालों...

दल बोडो पीपुल्स फ्रंट का भी भाजपा के साथ मतभेद था जिसे प्रदेश नेतृत्व ने दूर कर दिया। वर्ष 2018 में राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में झटका लगने के बाद एनडीए सहयोगियों को शामिल करने की नीति सामने आ गई। इन चुनावों ने भाजपा को सहयोगियों की कीमत पर पार्टी के विस्तार की नीति को आगे बढ़ाने पर बल दिया। मुख्यमंत्री पद को लेकर शिव सेना के साथ विवाद और उसके गठबंधन से अलग होने का फैसला इस बात का साफ संकेत था कि जहां भी संभव होगा भाजपा अपनी चलाएगी। नवंबर 2019 में 18 सदस्यों वाली एनडीए की सबसे बड़ी घटक दल शिवसेना ने पिछले साल महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का परिणाम आने के तुरंत बाद भाजपा से अपना गठबंधन तोड़ लिया था। पार्टी ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह राज्य में सत्ता की भागीदारी में बराबरी का हिस्सा देने के अपने वादे से मुकर गई है। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत मामले में महाराष्ट्र की शिवसेना की नेतृत्व वाली सरकार और केंद्र के बीच रस्साकशी से यह साफ हो गया है कि राज्य में भाजपा खुद ड्राइविंग सीट पर बैठना चाहती है। भाजपा के सहयोगी दलों में शिअद सबसे पुराना है। उसने भाजपा के पूर्ववर्ती भारतीय जनसंघ के साथ मिलकर 1969 में पंजाब विधानसभा चुनाव लड़ा था। इसके बाद 1997 में उसने फिर भाजपा के साथ गठबंधन किया था। लेकिन केंद्र में शिअद 1998 में भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल हुआ था और तब से उसके ही साथ था। वर्ष 2018 में 2019 लोकसभा चुनावों से ठीक पहले तेदेपा ने भाजपा द्वारा आंध्र प्रदेश को विशेष दर्जा देने से इनकार करने के बाद चार साल पुराने गठबंधन को समाप्त कर दिया था। जून 2019 में तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू के विधानसभा चुनाव हारने के बाद तेदेपा के छह में चार राज्यसभा सांसद भाजपा में शामिल हो गए थे। मौजूदा वक्त में तेदेपा के तीन लोकसभा सदस्य हैं। सुदूर दक्षिण में अपनी पहुंच बनाने के लिए भाजपा ने तमिलनाडु में छोटी द्रविड़ पार्टियों से गठबंधन किया। पीएमके को सात तथा डीएमडीके को चार सीटें दी। पीटी, एनजेपी और एनआर कांग्रेस को राज्य में हुए गठबंधन के तहत एक एक सीटें दी गई लेकिन उसका कोई लाभ नहीं मिला। फिलहाल लोकसभा में एनडीए के पास 336 (जिसमें से 303 भाजपा) तथा राज्यसभा में 118 सीटें हैं। राज्यसभा में 88 सीटें भाजपा के पास हैं, एनडीए में भाजपा ही संसद में सबसे बड़ी पार्टी है। एनडीए के सहयोगी दलों में लोकजनशक्ति पार्टी (लोजपा), अपना दल (सोनेलाल), जन नायक पार्टी (जजपा), पट्टाली मक्काल कांची (पीएमके), केरल कांग्रेस (जे), असोम गण परिषद (एजीपी), बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ), मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ), सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम), सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ), नगा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्यूलर) शामिल हैं।

जमीनी राजनीति...

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर विनाशकारी प्रभाव हो सकता है। ये बिल पूरी तरह किसान विरोधी हैं और किसानों की आर्थिक दुर्दशा पूरी अर्थव्यवस्था को बदहाल कर सकती है। उनकी लड़ाई किसानों को बचाने की है, सभी विपक्षी दलों और संगठनों को एकजुट होकर इसमें सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। अकाली दल ने शनिवार को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी)पर फसलों की खरीद का आश्वासन देने से केंद्र के इनकार और जम्मू कश्मीर की एक आधिकारिक भाषा के रूप में पंजाबी को शामिल नहीं करने की मुखालफत करते हुए राजग से रिश्ता तोड़ लिया। टीडीपी और शिवसेना के बाद राजग से बाहर जाने वाले तीसरे बड़े सहयोगी अकाली हैं। अकाली दल को पंजाब में कांग्रेस के अलावा आम आदमी पार्टी के भी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इनके विरोध के बीच तृणमूल व शिवसेना से मिले समर्थन पर कहा कि वे उनकी सराहना करते हैं। तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने ट्वीट किया कि वे (तृणमूल कांग्रेस) लोग किसानों के लिए बादल और अकाली दल की पहल का समर्थन करते हैं। किसानों के हक में लड़ना, तृणमूल के डीएनए का हिस्सा है। पार्टी सुप्रीमो व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2006 में किसानों के अधिकारों की रक्षा की खातिर 26 दिनों का उपवास रखकर अपना जीवन दांव पर लगा दिया था। तृणमूल कृषि बिलों का विरोध करती है क्योंकि वे न्यूनतम समर्थन मूल्य, सार्वजनिक वितरण प्रणाली व खरीद में राज्यों की भूमिका को खतरे में डालते हैं। शिवसेना सांसद व प्रवक्ता संजय राउत ने अकाली दल के समर्थन में पोस्ट कर कहा कि शिवसेना ने किसानों के हित में भाजपा नीत राजग से अपने संबंध तोड़ने के उसके फैसले की सराहना की है।

बेकाबू कोरोना...

मरीजों के ठीक होने की दर 82.46 प्रतिशत पर पहुंच गई है। ठीक होने वाले कुल मरीजों में 76 प्रतिशत 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश- महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, ओडिशा, दिल्ली, छत्तीसगढ़, केरल और पश्चिम बंगाल के हैं। मरीजों के ठीक होने की सूची में महाराष्ट्र शीर्ष पर है जहां पर अकेले 23 हजार से अधिक मरीज ठीक हुए हैं। इसके बाद आंध्र प्रदेश का स्थान है जहां पर 9000 से अधिक मरीज ठीक हुए हैं। इसी तरह 10 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों- महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, दिल्ली, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ की कुल सामने आए 88600 नए मामलों में हिस्सेदारी 77 प्रतिशत है। नए संक्रमितों के मामले में भी महाराष्ट्र शीर्ष पर है जहां पर 20 हजार से अधिक मामले आए हैं। इसके बाद कर्नाटक और आंध्र प्रदेश का स्थान है जहां पर क्रमशरू 8000 और 7000 से अधिक मामले सामने आए। यही नहीं, 84 प्रतिशत मौतें भी 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश- महाराष्ट्र, पंजाब, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, मध्यप्रदेश, दिल्ली और छत्तीसगढ़ में हुई हैं।

दीपिका, सारा...

गिरफ्तार धर्मा प्रॉडक्शंस के पूर्व असिस्टेंट डायरेक्टर और एक्जीक्यूटिव प्रड्यूसर क्षितिज प्रसाद के वकील सतीश मानशिंदे ने दावा किया है कि एनसीबी ने क्षितिज प्रसाद को कुछ बड़ी हस्तियों को फंसाने के लिए मजबूर किया है। अदालत ने क्षितिज को छह दिन के लिए 3 अक्टूबर तक एनसीबी की रिमांड में भेज दिया है।

कृषि विधेयकों...

साझा करते हुए यह संदेश देने की कोशिश की कि कैसे उन्हें उनके उत्पादों के एपीएमसी (कृषि उत्पाद विपणन समितियां) कानून से बाहर होने का फायदा मिला और कैसे अब वे बिना बिचौलिए के सीधे बाजार में अपने उत्पादों को बेचकर मुनाफा कमा रहे हैं।

राजनीति में...

पिछले छह साल से अपनी बीमारी से लड़ रहे थे। उपराष्ट्रपति नायडू ने कहा कि वह एक कुशल प्रशासक, उत्कृष्ट सांसद और एक ऐसे व्यक्ति थे, जिनमें कोई बुराई नहीं थी। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने नायडू के हवाले से ट्वीट किया, 'पूर्व केन्द्रीय मंत्री जसवंत सिंह के निधन की खबर सुनकर बेहद दुख हुआ। वह एक महान नेता थे, जिन्होंने अपनी विभिन्न क्षमताओं से देश की सेवा की।' नायडू ने कहा कि वह कुशल प्रशासक, उत्कृष्ट सांसद और एक ऐसे व्यक्ति थे, जिनमें कोई बुराई नहीं थी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी उनके निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा कि उनका निधन देश के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने ट्वीट किया, 'सरकार व संगठन में विभिन्न पदों पर रहते हुए उन्होंने (जसवंत सिंह)अपनी कर्तव्यनिष्ठा से एक गहरी छाप छोड़ी। मैं उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। ओम शांति।' रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी जसवंत सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जसवंत सिंह ने निष्ठापूर्वक भारत की सेवा की। राजनाथ सिंह ने लिखा, 'जसवंत सिंह जी को उनकी बौद्धिक क्षमताओं और देश सेवा में बेजोड़ योगदान के लिए याद किया जाएगा। उन्होंने राजस्थान में भाजपा को मजबूती प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दुख की इस घड़ी में उनके परिवार और समर्थकों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ओम् शांति।' भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने कहा कि जसवंत सिंह के निधन का समाचार दु:खद है। उन्होंने कहा, 'सरकार में विभिन्न पदों पर रहते हुए उन्होंने जन-जन के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करने में अपना प्रत्येक क्षण समर्पित कर दिया। जसवंत सिंह जी का जाना संगठन, समाज तथा देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनके परिवार के प्रति मेरी अपार संवेदनाएं।'

शरद पवार...

की थी। इस मुलाकात के बाद कयासों का दौर शुरू हो गया था। हालांकि, फडणवीस ने रविवार को कहा कि भाजपा का शिवसेना से हाथ मिलाने या उद्धव ठाकरे नीत महाराष्ट्र सरकार को गिराने का कोई इरादा नहीं है। फडणवीस ने कहा कि राउत से मुलाकात शिवसेना के मुखपत्र सामना के लिए साक्षात्कार को लेकर हुई थी।

मिलान ने फियोरेंटिना को हराया

मिलान। इंटर मिलान ने अंतिम तीन मिनट में दो गोल की बदौलत सीरी ए फुटबॉल टूर्नामेंट में फियोरेंटिना को 4-3 से शिकस्त दी। रोमेलू लुकाकू और डैनिलो डी एम्ब्रोसियो ने शनिवार को हुए मैच के अंत में गोल करके इंटर मिलान को सत्र में जीत से शुरूआत कराई।

यूनाइटेड ने जीत दर्ज की

लंदन। आखिरी सीटी बजने से कुछ क्षण पहले पेनल्टी पर ब्रुनो फर्नांडिज के गोल ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को इंग्लिश प्रीमियर लीग में ब्राइटन के खिलाफ 3-2 की जीत दिला दी जबकि चेल्सी को वेस्ट ब्रोम के साथ 3-3 के ड्रा से संतोष करना पड़ा।

रियाल मैड्रिड चमका

बार्सिलोना। रियाल मैड्रिड ने शनिवार को सेविले में खेले गए ला लीगा फुटबॉल लीग मुकाबले में रियाल बेटिस को 3-2 से शिकस्त दी। मैच के दौरान वीडियो एसिस्टेंट रैफरी (वीएआर) का भी इस्तेमाल किया गया। वीएआर में एक हैंडबॉल का पता लगा जिससे सर्गियो रामोस ने 82वें मिनट में पेनल्टी को गोल में तब्दील कर दिया।

महिला फुटबॉल टीम का गठन

श्रीनगर। रीयाल कश्मीर फुटबॉल क्लब (आरकेएफसी) ने बेटी दिवस के मौके पर इस केन्द्र शासित प्रदेश के अपने प्रशंसकों को सौगात देते हुए महिला टीम के गठन की घोषणा की जो राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंटों में भाग लेगी। आरकेएफसी के अध्यक्ष संदीप चट्टू ने इस टीम को जम्मू एवं कश्मीर की बेटियों के लिए करार देते हुए कहा, हम मानते है कि लड़कियों में खेल की जबरदस्त क्षमता है और अगर ठीक से प्रशिक्षण मिले तो वे काफी आगे जा सकती है।

ईस्ट बंगाल करेगा पदार्पण

मुंबई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के आयोजकों ने रविवार को बताया कि प्रतिष्ठित क्लब ईस्ट बंगाल आगामी सत्र (2020) में इस फुटबॉल टूर्नामेंट में पदार्पण करेगा। एक सदी पुरानी क्लब को देश की शीर्ष लीग में जगह दिलाने के लिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममजा बनर्जी का हस्तक्षेप भी काम आया जो इसे लेकर काफी गंभीर थी।

लीड्स ने शेफील्ड को हराया

शेफील्ड। पैट्रिक बैमफोर्ड के 88वें मिनट में दागे गोल की बदौलत लीड्स ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में शेफील्ड यूनाईटेड को 1-0 से हराया।

शेफील्ड की टीम की नए सत्र में तीन मैचों में यह तीसरी हार है। बैमफोर्ड ने बाएं छोर से जैक हरिसन के क्रॉस पर हैडर लगाने का प्रयास किया लेकिन गेंद उनकी नाक से टकराने के बाद गोल में चली गई।

हैंडबॉल के शीर्ष अधिकारी एक साथ काम करने के लिए सहमत: महासचिव

लखनऊ । भारतीय हैंडबॉल महासंघ (एचएफआई) के अध्यक्ष और महासचिव ने सार्वजनिक रूप से मतभेद उभरने के बाद अब देश में खेल की बेहतरी के लिए रविवार को साथ मिलकर काम करने का फैसला किया।

मयंक अग्रवाल का शतक

- किंग्स इलेवन का विशाल स्कोर
- रॉयल्स के खिलाफ दो विकेट पर 223 रन बनाए

भाषा। शारजाह

मयंक अग्रवाल के शतक और कप्तान केएल राहुल के साथ उनकी पहले विकेट के लिए 183 रन की बड़ी साझेदारी की मदद से किंग्स इलेवन पंजाब ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ रविवार को यहां दो विकेट पर 223 रन बनाए।

किंग्स इलेवन को बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर कर्नाटक के ए दोनों बल्लेबाज हावी हो गए। अग्रवाल शुरू से बड़े शॉट खेलने के मूड में दिखे। उन्होंने 50 गेंदों पर 106 रन बनाए जिसमें दस चौके और सात छक्के शामिल हैं। पिछले मैच में शतक जड़ने वाले राहुल ने 54 गेंदों का सामना किया तथा अपनी 69 रन की पारी में सात चौके और एक छक्का लगाया। निकोलस पूरण आठ गेंदों पर 25 रन बनाकर नाबाद रहे। शारजाह की पिच को शुरू से ही बल्लेबाजों के लिए अनुकूल माना जा रहा था तथा अग्रवाल और राहुल ने इसका पूरा फायदा उठाया और आईपीएल में पहले विकेट के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी निभाई। इन दोनों ने पावरप्ले में 60 रन जोड़े। यह आलम तब था जबकि पावरप्ले के पहले ओवर में जयदेव उनादकट ने तीन और अंतिम ओवर में जोफ्रा आर्चर ने केवल दो रन दिए। लेकिन इस बीच अग्रवाल ने अंकित राजपूत और उनादकट पर छक्के लगाए जबकि चौथे ओवर में गेंद थामने वाले आर्चर का राहुल ने लगातार तीन चौकों से स्वागत किया। राजपूत ने अपने दूसरे ओवर में भी 17 रन लुटाए।

अग्रवाल दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेली गई 89 पारी की पुनरावृत्ति कर रहे थे। लेग स्पिनर राहुल तेवतिया के पहले ओवर में लगाए गए उनके दोनों छक्के दर्शनीय थे। उन्होंने दूसरे लेग स्पिनर श्रेयस गोपाल पर छक्का लगाकर केवल 26 गेंदों पर 50 रन पूरे किए। अग्रवाल ने अगले 50 रन हालांकि केवल 19 गेंदों पर बनाए और 45 गेंदों पर सैकड़ा पूरा करके आईपीएल में यूसुफ पठान (37 गेंद) के बाद सबसे तेज शतक जड़ने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बने। अग्रवाल ने आईपीएल में पहला शतक लगाने के बाद टॉम कुरेन की गेंद पर मिडविकेट पर कैच दिया। राहुल भी राजपूत के अगले ओवर में पवेलियन लौट गए। पिछले मैच में नाबाद 132 रन बनाने वाले राहुल अपनी पिछली पारी की तरह प्रवाहमय नहीं दिखे लेकिन उन्होंने अग्रवाल का अच्छा साथ दिया तथा 35 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया था। आखिरी ओवरों में पूरण ने लंबे शॉट खेलने के अपने कौशल का अच्छा नमूना पेश किया। उन्होंने अपने तीने में से दो छक्के आर्चर पर लगाए जिन्होंने चार ओवर में 46 रन दिए। ग्लेन मैक्सवेल 13 रन बनाकर नाबाद रहे।

स्कोर

किंग्स इलेवन पंजाब : केएल राहुल का गोपाल बो राजपूत 69,मयंक अग्रवाल का सैमसन बो कुरेन 106,ग्लेन मैक्सवेल नाबाद 13,निकोलस पूरण नाबाद 25,**अतिरिक्त** (बाई 01, नोबॉल 01, वाइड 08) 10,**कुल** (20 ओवर में, दो विकेट पर) 223,**विकेट पतन** :1-183, 2-194,**गेंदबाजी** :उनादकट 3-0-30-0,राजपूत 4-0-39-1, आर्चर 4-0-46-0,गोपाल 4-0-44-0,तेवतिया 1-0-19-0,कुरेन 4-0-44-1

कोहली और रोहित की टक्कर

- आरसीबी के लिए तेज गेंदबाजी परेशानी का सबब

भाषा। दुबई

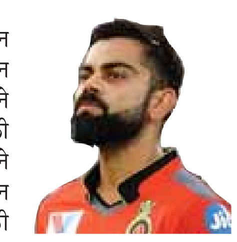

विराट कोहली की अगुवाई वाली रॉयल चैलेंजर बेंगलोर (आसीबी) की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मौजूदा चैम्पियन मुंबई इंडियन्स के खिलाफ सोमवार को खेले जाने वाले मुकाबले में अपनी तेज गेंदबाजी की कमियों को दूर करना चाहेगी। आरसीबी ने टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरूआत की लेकिन किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ उसकी बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई और टीम को 97 रन की करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। कप्तान कोहली भी इन मैचों में बड़ी पारी (14 और एक रन) खेलने में नाकाम रहे और वह इस मैच में मैदान में कुछ समय बिताना चाहेंगे। सलामी बल्लेबाज देवदत्त पडीक्कल ने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत शानदार अर्धशतक के साथ की, लेकिन किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ वह ज्यादा कुछ नहीं कर सके। इस युवा बल्लेबाज की कोशिश निरंतरता बनाए रखने की होगी। ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के कप्तान आरोन फिंच अपनी पारी को मैच जीताऊप्रदर्शनों में बदलाना चाहेंगे तो वही दिग्गज एबी डिविलियर्स शानदार लय में दिख रहे है। टीम का निचला क्रम उतना मजबूत नहीं है और उम्मीद है कि डिविलियर्स अखिरी के ओवरों में बड़े शॉट लगाकर इस कमी को पूरा करेंगे। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि मांसपेशियों में खिंचाव के कारण दो मैचों में बाहर बैठने वाले दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर क्रिस मौरिस चयन के लिए उपलब्ध होंगे या नही। गेंदबाजी में स्पिनर युजवेंद्र चहल प्रभाव छोड़ने में कामयाब रहे है तो तेज गेंदबाजी में नवदीप सैनी के अलावा बाकी गेंदबाज रन रोकने में सफल नहीं रहे है। डेल स्टेन और उमेश यादव अब तक महंगे साबित हुए हैं। दक्षिण अफ्रीकी का इस महान खिलाड़ी को अंतिम 11 में जगह मिलने की उम्मीद है लेकिन यादव की जगह मोहम्मद सिराज को उतारा जा सकता है। इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी मोईन अली मध्यक्रम के लिए शानदार विकल्प है लेकिन जोश फिलिप के नियमित रूप से विकेटकीपिंग करने के कारण वह डेल स्टेन की जगह ही टीम में शामिल हो सकते है। भारत के सीमित ओवरों के उपकप्तान रोहित शर्मा की अगुवाई वाली मुंबई इंडियन्स ने पहले मैच में हार के बाद शानदार वापसी की है। टीम ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस मैच में रोहित का लय में आना और सूर्यकुमार यादव की बेहतरीन बल्लेबाजी टीम के लिए सकारात्मक पहलू है। टीम अंतिम 11 में जो एक बदलाव कर सकती है वह सौरव तिवारी की जगह इशान किशन को मौका मिल सकता है।

हार्दिक गेंदबाजी का इच्छुक, उसके शरीर को देखना होगा: जहीर

दुबई। मुंबई इंडियंस के क्रिकेट परिचालन निदेशक जहीर खान ने रविवार को कहा कि हार्दिक पंड्या गेंदबाजी करने के इच्छुक हैं लेकिन टीम प्रबंधन को उनके शरीर को भी देखना होगा क्योंकि यह हरफनमौला पीठ में चोट के कारण लंबे विश्राम के बाद खेल रहा है। पिछले साल नवंबर में 26 साल के हार्दिक ने लंदन में सर्जरी कराई थी और मार्च में क्रिकेट में वापसी की थी लेकिन उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग के पहले दो मैचों में मुंबई इंडियंस के लिए गेंदबाजी नहीं की थी। जहीर से जब हार्दिक की गेंदबाजी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, हम सभी उसके (हार्दिक) गेंदबाजी करने की उम्मीद कर रहे हैं और वह ऐसा खिलाड़ी है जो जब गेंदबाजी कर रहा हो तो किसी भी टीम का संतुलन बदल सकता है और वह इस बात को समझता है।

अपना खेल सुधारकर कुछ रन जुटाने की जरूरत है : कार्तिक

अबुधाबी। कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान दिनेश कार्तिक ने स्वीकार किया कि उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी मैचों में अपने खेल में सुधार करने की जरूरत है क्योंकि वह अभी तक टूर्नामेंट में बल्ले से जलवा नहीं बिखेर पाए हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ टूर्नामेंट के शुरूआती मुकाबले में 23 गेंद में 30 रन बनाने वाले कार्तिक शनिवार को खाता भी नहीं खोल सके। वह तीन गेंद खेलकर शून्य पर आउट हो गए। हालांकि युवा शुभमन गिल के 62 गेंद में नाबाद 70 रन की बदौलत टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की। वह अपनी टीम की जीत से खुश थे लेकिन उन्होंने कहा कि वह आगामी मैचों में अच्छा खेलने की कोशिश करेंगे।

शेफाली जैसी प्रतिभाओं को खोजने पर होगा ध्यान : मुख्य चयनकर्ता डेविड

भाषा। नई दिल्ली

नव नियुक्त महिला मुख्य चयनकर्ता नीतू डेविड ने कहा कि उनके पैनल का ध्यान 16 वर्षीय शेफाली वर्मा जैसी और युवा प्रतिभाओं को खोजने पर लगा होगा। भारत की बेहतरीन स्पिनरों में से एक डेविड आधुनिक युग के सीमित ओवर क्रिकेट की जरूरतों को बखूबी समझती हैं। सलामी बल्लेबाज शेफाली तब 15 साल की थी जब उन्हें पिछले साल पहली बार टीम में शामिल किया गया था और भारत के लिए अपना पर्दापण करने के छह महीने बाद उन्होंने मार्च में टीम को टी20 विश्व कप फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका अदा की। वह अपनी छक्के जड़ने की काबिलियत के बूते रातों रात मशहूर हो गईं। जिस तरह से क्रिकेट खेला जा रहा है, यह काफी तेज है और इसके लिए हमें शेफाली जैसी और खिलाड़ियों की जरूरत होगी। अब आप बल्लेबाजों को आते ही आक्रामक होते हुए देखते हो, यहां तक कि घरेलू क्रिकेट में भी, लेकिन पहले ऐसा नहीं होता था।

हालेप दूसरे दौर में, वीनस बाहर

- फ्रेंच ओपन

भाषा। पेरिस

शीर्ष वरीय रोमानिया की सिमोना हालेप ने लगातार 10 गेम जीतकर रविवार को यहां फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई और अपनी जीत के क्रम को 15 मैच तक पहुंचाया। काफी सर्द मौसम में हो रहे टूर्नामेंट के पहले दौर के मुकाबले के दौरान 2018 की चैंपियन हालेप एक समय 2-4 से पीछे चल रही थी लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार 10 गेम जीतकर स्पेन की सारा सोरिब्स टोरमो को 6-4,6-0 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखा दिया। अपने 29वें जन्मदिन के मौके पर जीत दर्ज करने वाली हालेप ने कहा, अपने जन्मदिन के दिन रोलां गैरो पर खेलना विशेष दिन था। मैं अधिक जश्न नहीं मना सकती क्योंकि मुझे कमरे में रहना है इसलिए मैं एक बोतल पानी पी लूंगी। हालेप की विश्व रैंकिंग दूसरी है लेकिन कोरोना वायरस से जुड़ी चिंताओं के कारण गत चैंपियन ऐश बार्टी ने पेरिस में नहीं खेलने का फैसला किया इसलिए उन्हें शीर्ष वरीयता दी गई है। हालेप ने फरवरी में प्राग और रोम में खिताब जीते थे जिसके कारण महामारी के कारण टेनिस प्रतियोगिताएं ठप पड़ गईं थी। वह अगले दौर में हमवतन इरिना कैमेलिया बेगु या स्विट्जरलैंड की जिल टेचमैन के बीच होने वाले मैच की विजेता से भिड़ेंगी। बेलारूस की 10वीं वरीय और अमेरिकी ओपन उप विजेता विक्टोरिया अजारेंका ने डेंका कोविनिच को 6-1, 6-2 से शिकस्त दी। अजारेंका अगले दौर में अन्ना कैरोलिना शिमिदलोवा जिन्होंने अमेरिका की अनुभवी वीनस विलियम्स को 6-4, 6-4 हराया। विलियम्स लगातार तीसरे साल फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर की बाधा को पार करने में विफल रही। अमेरिका की 40 साल की वीनस की ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में यह लगातार तीसरी हार है जबकि वह एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाई हैं।

रूबलेव ने सितसिपास को हराकर साल का तीसरा खिताब जीता

हैम्बर्ग। आंद्रेय रूबलेव ने निर्णायक सेट मे 5-3 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए रविवार को यहां हैम्बर्ग ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में स्टीफानोस सितसिपास को हराया। रूस के खिलाड़ी ने 6-4, 3-6, 7-5 से जीत दर्ज की जब सितसिपास ने मैच प्वाइंट पर डबल फाल्ट किया।

तोक्यो के लिए क्वालीफाई कर चुके पैरा एथलीट पांच अक्टूबर से खेल गतिविधियां शुरू करेंगे: साइ

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने बताया कि तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके पैरा खिलाड़ी और खेलों के लिए अब तक क्वालीफाई नहीं कर पाने वाले खिलाड़ियों के देश भर के नेशनल सेंटर आफ एक्सीलेंस (एनसीओई) में पांच अक्टूबर से चरणबद्ध तरीके से खेल गतिविधियां फिर शुरू की जाएंगी।

बोटास ने जीता रूस एफवन ग्रां प्री, शूमाकर की बराबरी करने से चूके हैमिल्टन

सोच्चि। मौजूदा चैम्पियन लुइस हैमिल्टन पर लगी पेनल्टी का फायदा मर्सिडीज के उनके साथी चालक वालटेरी बोटास को मिला जिन्होंने रविवार को रूस ग्रांप्री फार्मूला वन (एफवन) रेस को अपने नाम किया। पोल पोजिशन (शीर्ष स्थान) से रेस शुरू करने वाले हैमिल्टन एक समय दिग्गज माइकल शूमाकर के रिकार्ड 91 रेस में जीत की बराबरी की तरफ मजबूती से बढ़ रहे थे लेकिन उन्होंने बोटास और रेडबुल के मैक्स वेर्स्टाप्पेन के बाद तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा।

विशेषज्ञों ने कहा, मौद्रिक समीक्षा में ब्याज दरों में बदलाव नही करेगा रिजर्व बैंक

नई दिल्ली। खुदरा मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी की वजह से भारतीय रिजर्व बैंक आगामी मौद्रिक समीक्षा में ब्याज दरों को यथावत रखेगा। विशेषज्ञों ने यह राय जताई है। विशेषज्ञों का कहना कि आपूर्ति पक्ष संबंधी मुद्दों की वजह से खुदरा मुद्रास्फीति बढ़ी है, जिसके मद्देनजर केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में बदलाव की संभावना कम है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने इससे पहले कहा था कि आगे और मौद्रिक कार्वाई की गुंजाइश है, लेकिन हमें अपने हथियारों का इस्तेमाल समझदारी से करना होगा। गवर्नर की अगुवाई वाली छह सदर्स्यय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन की बैठक 29 सितंबर को शुरू होगी। बैठक के नतीजों की घोषणा एक अक्टूबर को की जाएगी। अगस्त में एमपीसी की पिछली बैठक में रिजर्व बैंक ने मुद्रास्फीति में वृद्धि को रोकने के लिए नीतिगत दरों में बदलाव नहीं किया था। हाल के समय में मुद्रास्फीति छह प्रतिशत को पार कर गई। उस समय रिजर्व बैंक ने कहा था कि महामारी की वजह से अर्थव्यवस्था की स्थिति काफी कमजोर है। फरवरी से रिजर्व बैंक नीतिगत दरों में 1.15 प्रतिशत की कटौती कर चुका है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने कहा, रिजर्व बैंक को अपने नरम रुख को जारी रखना चाहिए। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति बढ़ने की वजह से अभी केंद्रीय बैंक को दरों में कटौती से बचना चाहिए। वृद्धि को समर्थन महत्वपूर्ण है, लेकिन रिजर्व बैंक को मुद्रास्फीति में कुछ कमी आने का इंतजार करना चाहिए।

वित्त राज्य मंत्री की ट्विटर के माध्यम से समस्याओं के निराकरण की मुहिम पकड़ने लगी जोर

नई दिल्ली। वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने अपने मंत्रालय से संबंधित शिकायतों को ट्विटर के माध्यम से दूर करने की मुहिम शुरू की है, जिसे सोशल मीडिया के यूजरों से सराहना मिल रही है। जनता की शिकायतों के निवारण के लिए ट्विटर को माध्यम बनाए हुए ठाकुर को अभी एक महीने से थोड़ा ही अधिक समय हुआ है। इस छोटी अवधि में मंत्री ने वित्त मंत्रालय के तीन महत्वपूर्ण विभागों बैंकों सहित वित्तीय सेवाएं, सीमा शुल्क समेत अप्रत्यक्ष कर विभाग और आयकर विभाग से संबंधित शिकायतों को दूर करने में मदद की है। ऐसे समय में जब मोदी सरकार अपनी मुहिम डिजिटल इंडिया को आगे बढ़ा रही है और एक-दूसरे के बीच सुरक्षित शारीरिक दूरी बनाए रखना नई सामान्य स्थिति बन गया है, मंत्री के द्वारा यह पहल शुरू किए जाने के बाद उन्हें मुख्य समस्या निवारण कर्ता संबोधित किया जा रहा है। उन्होंने आयकर रिटर्न, रिफंड, पैन लिंकिंग, साइबर धोखाधड़ी, सीमा शुल्क निसतारण, वरिष्ठ नागरिकों की परेशानी और छोटे शहरों से शिकायतें समेत अन्य मुद्दों को उठाया है।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

नाम परिवर्तन

मैं नितिन कुमार शर्मा पुत्र श्री गंगादास शर्मा निवासी-प्लॉट नं0-30, फ्री होल्ड, सेक्टर-23, गली नं-5, राजनगर जिला-गाजियाबाद घोषणा करता हूं कि गंगा दास शर्मा एवं जी.डी शर्मा दोनों नाम मेरे पिता के ही हैं।

PD(8752)C

बैंकों को तीसरी तिमाही में पूंजी उपलब्ध करा सकती है सरकार

भाषा। नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को पूंजी समर्थन उपलब्ध करा सकता है। संसद के हाल में समाप्त सत्र में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए 20,000 करोड़ रुपए के कोष को मंजूरी दी गई है।

संसद ने 2020-21 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांग के पहले बैच के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए 20,000 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। सूत्रों ने कहा कि यदि जरूरत पड़ती है कि नियामकीय पूंजी की अनिवार्यता को पूरा करने के लिए अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही में बैंकों को पूंजी उपलब्ध कराई जा सकती है। सूत्रों ने बताया कि बैंकों के दूसरी तिमाही के नतीजों से अंदाजा लग जाएगा कि किस बैंक को नियामकीय पूंजी की जरूरत है और उसी के अनुरूप पुनर्पूंजीकरण बांड जारी किए जाएंगे। इसके अलावा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को चालू वित्त वर्ष के दौरान इक्विटी और बांड के जरिए पूंजी जुटाने को पहले ही शेयरधारकों की मंजूरी मिल चुकी है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने बजट 2020-21 में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में पूंजी डालने को लेकर किसी तरह की प्रतिबद्धता नहीं जताई थी। सरकार को उम्मीद थी कि बैंक अपनी जरूरत के हिसाब से बाजार से पूंजी जुटा लेंगे।

वित्त वर्ष 2019-20 में सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 70,000 करोड़ रुपए डाले थे। पिछले वित्त वर्ष में पंजाब नेशनल बैंक को सरकार से 16,091 करोड़ रुपए का निवेश मिला था। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को 11,768 करोड़ रुपए, केनरा बैंक को 6,571 करोड़ रुपए और इंडियन बैंक को 2,534 करोड़ रुपए मिले थे। इसी तरह इलाहाबाद बैंक को 2,153 करोड़ रुपए, यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया को 1,666 करोड़ रुपए और आंध्रा बैंक को 200 करोड़ रुपए मिले थे। इन तीनों बैंकों का अब अन्य बैंकों के साथ विलय हो चुका है।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण में 1.57 लाख करोड़ की गिरावट

नई दिल्ली। सेसेक्स की शीर्ष 10 मे से आठ कंपनियो के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) मे बीते सप्ताह 1,57,277.53 करोड़ रुपए की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान मे रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरो वाला सेसेक्स 1,457.16 अंक या 3.83 प्रतिशत नीचे आया। सप्ताह के दौरान सिर्फ इन्फोसिस और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के बाजार पूंजीकरण मे बढ़ोतरी हुई। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 70,189.95 करोड़ रुपए घटकर 14,88,797.82 करोड़ रुपए पर आ गया। भारती एयरटेल के बाजार पूंजीकरण में 31,096.67 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 2,39,880.86 करोड़ रुपए रह गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 14,752.95 करोड़ रुपए घटकर 2,40,329.93 करोड़ रुपए रह गई। इसी तरह एचडीएफसी का बाजार मूल्यांकन भी 12,737.66 करोड़ रुपए घटकर 2,96,339.09 करोड़ रुपए पर आ गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 10,675.53 करोड़ रुपए घटकर 9,08,940.15 करोड़ रुपए रह गया।

एफपीआई ने सितंबर में भारतीय बाजारों से 476 करोड़ रुपए निकाले

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर में अब तक भारतीय बाजारों से 476 करोड़ रुपए की निकासी की है। यूरोप और अन्य देशों में कोरोना वायरस संक्रमण फिर उभरने के बीच यह उनके सतर्क रुख को दर्शाता है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने एक से 25 सितंबर के दौरान शेयरों से शुद्ध रूप से 4,016 करोड़ रुपए निकाले। इस दौरान उन्होंने ऋण या बांड बाजार में 3,540 करोड़ रुपए डाले। इस तरह उनकी शुद्ध निकासी 476 करोड़ रुपए रही। एफपीआई लगातार तीन महीने (जून से अगस्त) तक शुद्ध लिवाल रहे थे। अगस्त में उन्होंने भारतीय बाजारों में शुद्ध रूप से 46,532 करोड़ रुपए का निवेश किया था। जुलाई में उनका निवेश 3,301 करोड़ रुपए और जून में 24,053 करोड़ रुपए रहा था। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, यूरोप और अन्य देशों में कोरोना वायरस संक्रमण बढ़ने और प्रभावित क्षेत्रों में नए सिरे से संभावित लॉकडाउन की आशंका से एफपीआई सतर्क रुख अपना रहे हैं।

बायोमास पैलेट की आपूर्ति के लिए एनटीपीसी ने मंगाई बोलियां

नई दिल्ली। सरकारी बिजली कंपनी एनटीपीसी ने अपने तापीय बिजली संयंत्रों में भट्ठियों में आग लगाने में प्रयोग होने वाले बायोमास पैलेट (गोले) की आपूर्ति के लिए बोलियां मंगाई है। मलबे और भूसी से बने गोलों का उपयोग देश भर में एनटीपीसी के कोयले से चलने वाले 17 बिजली संयंत्रों में किया जाएगा। यह देश में पराली जलाए जाने में कमी लाने के लिए किया जा रहा है। एनटीपीसी ने कोयले के साथ-साथ अपने बिजली संयंत्रों की भट्ठियों में आग लगाने के लिए बायोमास गोलों के 60 लाख टन की खरीद करने की जनवरी में घोषणा की थी।

अगले दो महीने में एक हजार कर्मचारियों को नियुक्त करेगी सीएमएस

नई दिल्ली। प्रमुख नकदी प्रबंधन सेवा प्रदाता कंपनी सीएमएस अगले दो महीनों में एक हजार कर्मचारियों को नियुक्त करने की योजना बना रही है। कंपनी अपने साझेदार बैंकों, गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) तथा सूक्ष्म वित्त संस्थानों के लिए नकदी वसूली के काम में भी उतरने की तैयारी में है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने इसकी जानकारी दी।

वोडाफोन आइडिया ने 3जी ग्राहकों को 4जी पर स्थानांतरित करना शुरू किया

नई दिल्ली। दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया लि. (वीआईएल) ने महत्वपूर्ण बाजारों में अपने 3जी ग्राहकों को 4जी नेटवर्क पर स्थानांतरित करना शुरू कर दिया है। कंपनी ने कहा है कि वह अपने 2जी ग्राहकों को 4जी पर स्थानांतरित करने के लिए सर्वश्रेष्ठ स्थिति में है, लेकिन वह 2जी ग्राहकों को मूल वॉयस आधारित सेवाएं जारी रखेगी। कंपनी ने रविवार को बयान में कहा, 2जी ग्राहकों को बेसिक वॉयस सेवाएं जारी रहेगी, लेकिन 3जी डेटा का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों को सभी बाजारों में चरणबद्ध तरीके से 4जी में स्थानांतरित किया जाएगा।

डीपीआईआईटी ने मंत्रालयों से 24 क्षेत्रों की सूची साझा की

नई दिल्ली। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने तथा भारत को आत्मनिर्भर देश बनाने के लिए संबंधित मंत्रालयों से 24 महत्वपूर्ण क्षेत्रों की सूची साझा की है। इन क्षेत्रों में खाद्य प्रसंस्करण, खिलौना, फर्नीचर, कृषि रसायन आदि शामिल हैं। डीपीआईआईटी द्वारा साझा की गई सूची में जैविक खेती, लौह, एल्युमीनियम एवं तांबा, इलेक्ट्रॉनिक्स, औद्योगिक मशीनरी, चमड़ा और जूता तथा वाहन कलपुर्जा क्षेत्र भी शामिल हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, प्रत्एक मंत्रालय को इन क्षेत्रों की सूची सौंपी गई है।

अयोध्या में प्रॉपर्टी के दाम दोगुने हुए

- मंदिर के भूमि पूजन के बाद प्रभाव

भाषा। अयोध्या

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के भूमि पूजन समारोह के बाद अचल संपत्ति की कीमतें दोगुनी हो गई हैं और इस पवित्र शहर में अधिक से अधिक लोग प्रॉपर्टी खरीदना चाह रहे हैं।

पिछले साल उच्चतम न्यायालय द्वारा हिंदू श्रद्धालुओं की मान्यता के अनुसार रामजन्मभूमि पर मंदिर निर्माण का रास्ता साफ करने के बाद ही जिले में प्रॉपर्टी के दाम बढ़ने लगे थे। और इस साल अगस्त में भूमि पूजन के बाद कीमतों तेजी से बढ़ने लगी हैं। शहर में प्रापर्टी संबंधी गतिविधियों से जुड़े लोगों ने बताया कि जमीन का बड़ा हिस्सा सरकार ने विकास कार्यों के लिए अधिग्रहित कर लिया है, ऐसे में रियल एस्टेट की सीमित उपलब्धता ही है। जानकारों ने बताया कि पिछले साल नवंबर में उच्चतम न्यायालय का फैसला आने के बाद प्रॉपर्टी की कीमतें 30-40 प्रतिशत बढ़ गईं थीं और इस साल पांच अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भूमि पूजन करने के बाद से कीमतें दोगुनी हो गई हैं। पिछले साल से अयोध्या में संपत्ति की कीमतों में तीन गुना बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल अयोध्या के बाहरी इलाके में 400-500 रुपए प्रति वर्ग फुट की दर से उपलब्ध संपत्ति अब 1000-1500 रुपए तक में मिल रही है। अयोध्या के बीच में जमीन की उपलब्धता सीमित है और उसकी कीमत 2,000 रुपए से 3,000 रुपए प्रति वर्ग फुट के बीच है।

अयोध्या में अवध विश्वविद्यालय के प्रोफेसर विनोद कुमार श्रीवास्तव ने पीटीआई-भाषा को बताया कि संपत्ति की दरें आसमान छू रही हैं और कई बड़े व्यापारी से लेकर आम लोग अयोध्या में एक जमीन खरीदना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि अभी पूछताछ अधिक है, लेकिन वास्तविक खरीद उतनी नहीं है, क्योंकि लोग चाहते हैं कि सरकार पहले अपनी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को अंतिम रूप दे दे। श्रीवास्तव ने कहा कि स्थानीय प्रशासन ने पहले ही जिले के कुछ हिस्सों में भूमि के पंजीकरण पर रोक लगा दी है और अयोध्या में विवादित संपत्तियों की एक बड़ी संख्या है।

वेस्ट बैंक शहर में फलस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास के समर्थन में रैली निकालते उनके समर्थक

बचे हुए सिख, हिंदू भी छोड़ रहे अफगानिस्तान

एपी। काबुल

● कभी 2,50,000 सदस्यों वाले इन समुदायों के लोगों की संख्या अब घटकर मात्र 700 के आसपास बची है

इस्लामिक स्टेट (आईएस) से संबंधित स्थानीय समूहों की ओर से बढ़ते खतरे के बीच अफगानिस्तान में बचे हुए सिख और हिंदू समुदाय के चंद लोग भी अब इस देश को छोड़ रहे हैं। असुरक्षा के चलते वे अपनी जन्मभूमि को छोड़ने को विवश हैं। कभी 2,50,000 सदस्यों वाले इन समुदायों के लोगों की संख्या अब घटकर मात्र 700 के आसपास बची है। मुस्लिम बाहुल्य इस देश में सिखों और हिदुओं के साथ होने वाले गहरे पक्षपात के कारण इनके सदस्यों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। इन समुदाय के लोगों का कहना है कि यदि उन्हें सरकार से पर्याप्त सरंक्षण नहीं मिलता है तो आईएस समूह के हमलों के कारण उन्हें पूरी तरह पलायन करना पड़ सकता है। डर के कारण अपना पूरा नाम नहीं बताने वाले हमदर्द ने कहा, हम अब यहां और रुकने में समर्थ नहीं हैं। हमदर्द ने कहा कि मार्च में उनके समुदाय के मंदिर पर हुए हमले में उनके सात रिश्तेदार मारे गए थे। इस हमले में 25 सिखों की मौत हो गई थी। उन्होंने कहा कि अपनी मातृभूमि को छोड़कर जाना उतना ही मुश्किल है, जैसे अपनी मां को छोड़कर जाना। इसके बावजूद हमदर्द उस हिंदू-सिख समूह का हिस्सा रहे जोकि पिछले महीने भारत गया था। वैसे तो सिख और हिंदू दो अलग-अलग धर्म हैं लेकिन फिर भी अफगानिस्तान में इनकी संख्या बेहद कम होते जाने डर के कारण ए सभी एक छोटे से मंदिर में एकत्र होकर ही अपने-अपने धर्म के अनुसार उपासना करते हैं। हमदर्द ने आरोप लगाया कि इस रूढ़िवादी मुस्लिम देश में उनके समुदाय को व्यापक भेदभाव का सामना करना पड़ा है और लगभग हर सरकार अपने तरीके से उन्हें धमकाती रही हैं। इन समुदाय के तमाम लोगों के घरों को जब्त किए जाने के चलते ऐसे लोग पूरी तरह से देश छोड़कर जाने को मजबूर हैं। अफगान में 1992-96 के दौरान प्रतिद्वंदी समूहों के बीच चली लड़ाई के दौरान भी काबुल में हिंदूओं के मंदिर तबाह कर दिए गए। उस दौरान भी बहुत सारे हिंदू और सिख अफगानियों को देश छोड़कर जाना पडा था।

सीरिया के मंत्री ने तुर्की को क्षेत्र में आतंकवाद का मुख्य प्रायोजक बताया

एपी। संयुक्त राष्ट्र,

तुर्की को क्षेत्र में तथा सीरिया में आतंकवाद के प्रमुख प्रायोजकों में से एक करार देते हुए सीरिया के विदेश मंत्री ने कहा कि तुर्की के अधिपत्य का विरोध करने वाले एक दर्जन से अधिक शहरों में पानी की अपूर्ति बंद करने के लिए यह युद्ध अपराध एवं मानवता के खिलाफ अपराध का दोषी है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में सीरिया के विदेश मंत्री वालिद अल-मोआलेम ने रिकॉर्डेड संदेश में कहा कि पानी की आपूर्ती बंद करने से नागरिकों के जीवन पर खतरा पैदा हो गया है, खासतौर पर कोरोना वायरस संक्रमण के वक्त में। सीरिया में नौ साल पहले गृह युद्ध शुरू हुआ था जो बाद में एक क्षेत्रीय लड़ाई में तब्दील हो गया। अब उत्तरी सीरिया के एक क्षेत्र पर तुर्की का नियंत्रण है और वह सीरिया के राष्ट्रपति बशर असद, सीरियाई कुर्द लड़ाकों और इस्लामिक स्टेट चरमपंथी समूह के खिलाफ विपक्षी लड़ाकों का समर्थन करता है। सीरिया के मंत्री ने कहा, तुर्की का वर्तमान शासन अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत दुष्ट और गैर कानूनी है। उसकी नीतियां और कामकाज पूरे क्षेत्र की स्थिरता और सुरक्षा के लिए खतरा बन गई हैं और उसे रोका जाना जाहिए। इस पर संयुक्त राष्ट्र में तुर्की के मिशन ने कड़ी आपत्ति की। उसने कहा, वह सीरियाई शासन के भ्रम पैदा करने वाले और बेतुके आरोपों वाले बयान को सिरे से खारिज करता है। मिशन के एक प्रवक्ता ने कहा, यह बेहद शर्मनाक और अस्वीकार्य है कि सीरियाई शासन जो अपनी वैधता बहुत पहले खो चुका है वह संयुक्त राष्ट्र महासभा की आम चर्चा का दुरूपयोग करते हुए गलत तथ्यों को पेश कर रहा है।

पाकिस्तान में यात्री बस में आग, 13 की मौत

एजेंसी। कराची

● अधिकारी ने कहा, यह दुर्घटना हैदराबाद से 60 किलोमीटर दूर हुई और दुर्घटना में वाहन पूरी तरह से नष्ट हो गया

पाकिस्तान में एक यात्री बस आग लगने के बाद पलट गई जिससे उसमें सवार कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस और बचाव अधिकारियों ने बताया कि हैदराबाद से कराची जा रही एक तेज रफ्तार बस सड़क से फिसल गई और उसमें आग लग गई ।उन्होंने कहा कि नूरियाबाद इलाके के पास हुए इस हादसे में कम से कम 13 लोगों की जान चली गई ।अतिरिक्त महानिरीक्षक (मोटरवे पुलिस) डॉ आफताब पठान ने मीडिया को बताया कि बस में 22 यात्री सवार थे। उनमें से कई यात्री बस के अंदर फंस गए और आग की चपेट में आ गए। जो लोग बस से निकलने में सफल रहे या जिन्हें बस से निकाला गया, वे सभी जख्मी हालत में हैं ।उन्होंने कहा कि इनमें से पांच की हालत गंभीर है। अधिकारी बस के मलबे से शवों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं ।अधिकारी ने कहा, यह दुर्घटना हैदराबाद से 60 किलोमीटर दूर हुई और दुर्घटना में वाहन पूरी तरह से नष्ट हो गया।

आर्मीनिया और अजरबैजान में लड़ाई शुरू, दो की मौत

एपी। एरेवान (आर्मीनिया)

● नगोरनो-करबाख के अधिकरियों ने बताया कि अजरबैजान से की ओर से दागे गए गोले राजधानी स्टेपनाकेर्ट और मार्टकेर्ट एवं मार्टुनी कस्बों में गिरे

आर्मीनिया और अजरबैजान के बीच रविवार को अलगाववादी नागोरनो-करबाख इलाके को लेकर लड़ाई शुरू हो गई। आर्मिनिया ने दावा किया कि अजरबैजान के बलों की गोलाबारी में एक महिला और एक बच्चे की मौत हुई है जबकि अजरबैजान के राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी सेना को नुकसान हुआ है। आर्मीनिया ने अजरबैजान के दो हेलीकॉप्टेंर को मार गिराने और तीन टैंकों को तोप से निशाना बनाने का भी दावा किया है लेकिन अजरबैजान के रक्षा मंत्रालय ने इन दावों का खंडन किया है। अजरबैजान की सीमा में मौजूद आर्मीनियाई जाति के लोगों के इलाके में रविवार सुबह लड़ाई शुरू हुई। वर्ष 1994 में अलगाववादी युद्ध समाप्त होने के बाद से ही यह इलाका आर्मीनिया समर्थित आर्मिनियाई जाति के लोगों के नियंत्रण में है। हालांकि, अभी तक स्पष्ट नहीं है कि किस वजह से लड़ाई शुरू हुई। जुलाई में दोनों पक्षों के बीच संघर्ष के बाद यह सबसे बड़ी लड़ाई है। जुलाई में दोनों पक्षों के कुल 16 लोगों की मौत हुई थी। नगोरनो-करबाख के अधिकारियों ने बताया कि अजरबैजान से की ओर से दागे गए गोले राजधानी स्टेपनाकेर्ट और मार्टकेर्ट एवं मार्टुनी कस्बों में गिरे। आर्मीनियाई रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता आर्टसरन होवहानिसियन ने कहा कि अजरबैजान की ओर से दागे गोले आर्मीनिया की सीमा में वर्डनिस कस्बे के पास गिरे। आर्मीनिया के मानाधिकार लोकपाल अरमान टटोयान ने कहा कि हमले में एक महिला और एक बच्चे की मौत हुई है जबकि मार्टुनी क्षेत्र में दो नागरिक घायल हुए हैं।

आर्मीनियाई रक्षा मंत्रालय के एक अन्य प्रवक्ता सुशान स्टेपनयन ने दावा किया कि आर्मीनिया की सेना ने अजरबैजान के दो हेलीकॉप्टरों को मार गिराया और तीन टैंकों को निशाना बनाया है। अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीएव ने टेलीविजन के जरिए राष्ट्र को दिए संदेश में कहा कि आर्मीनिया की बमबारी की वजह से अजरबैजान के सैनिकों और नागरिकों का नुकसान हुआ है। हालांकि, उन्होंने इसकी विस्तृत जानकारी नहीं दी। राष्ट्रपति ने दुश्मन सेना के कई यूनिट के सैन्य उपकरणों को भी नष्ट करने का दावा किया। मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखोरोवा ने कहा कि रूसी विदेशमंत्री सर्जेई लावरोव दोनों पक्षों के बीच संघर्ष विराम कराने के लिए गहन संपर्क कर रहे हैं और हालात को स्थिर करने के लिए बातचीत शुरू की है। इस मामले में अजरबैजान के सहयोगी तुर्की में सत्तारूढ़ पार्टी के प्रवक्ता उमर सेलिक ने ट्वीट किया, हम अजरबैजान पर आर्मीनिया के हमले की कड़ी निंदा करते हैं। आर्मीनिया ने एक बार फिर उकसावे की कार्वाई की है और कानूनों को नजर अंदाज किया है।

उन्होंने कहा कि तुर्की अजरबैजान के साथ खड़ा रहेगा। सेलिक ने चेतावनी देते हुए कहा, आर्मीनिया आग के साथ खेल रहा है और क्षेत्रीय शांति को खतरे में डाल रहा है। तुर्की के राष्ट्रपति के प्रवक्ता इब्राहिम कलीन ने ट्वीट किया, आर्मीनिया ने नागरिक इलाकों पर हमला कर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया है...अंतरराष्ट्रीय समुदाय को तुरंत इस खतरनाक उकसावे को बंद करने के लिए कहना चाहिए। गौरतलब है कि अधिकतर पहाड़ी इलाके से घिरा नगोरनो-करबाख 4,400 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है और आर्मीनिया की सीमा से करीब 50 किलोमीटर दूर है। आर्मीनिया की सेना से समर्थन पाकर स्थानीय लोगों ने अजरबैजान के कुछ इलाकों पर भी कब्जा कर रखा है।

वेटिकन में कैथोलिक धर्म के शीर्ष नेता पोप ने रविवार को कहा कि वह दोनों देशों के बीच शांति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। उन्होंने दोनों देशों से आह्वान किया कि वे सद्भावना और बंधुत्व के ठोस आधार पर संवाद के जरिए शांतिपूर्ण समाधान की पहल करें।

ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट के लिए न्यायाधीश एमी कोनेय बारेट को नामित किया

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश रूथ बाडेर गिन्सबर्ग के निधन से रिक्त हुए पद के लिए न्यायाधीश एमी कोनेय बारेट को नामित किया है। बारेट वर्तमान में 7वें सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स में न्यायाधीश हैं। इस पद के लिए भी ट्रंप ने 2017 में उन्हें नामित किया था। ट्रंप ने शनिवार को व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में घोषणा की, आज मुझे यह सम्मान मिला है कि मैं अपने देश के सर्वाधिक ज़हीन और कानून पर बारीक पकड़ रखने वाले शख्स को उच्चतम न्यायालय के लिए नामित करूं। वह विलक्षण उपलब्धियां हासिल कर चुकीं, बेहद ज्ञानवान और संविधान के प्रति निष्ठा रखने वाली न्यायाधीश एमी कोनेय बारेट हैं। राष्ट्रपति की अनुशंसा के बाद बारेट के नाम को सीनेट की मंजूरी मिलनी जरूरी है। वह इंडियाना राज्य में पति और अपने सात बच्चों के साथ रहती हैं ।राष्ट्रपति चुनाव में 40 से भी कम दिन बचे हैं ऐसे में न्यायाधीश को नामित करने के अपने कदम का बचाव करते हुए ट्रंप ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के संविधान के तहत यह उनका सर्वोच्च और सबसे अहम कर्तव्य है ।ट्रंप ने कहा, वह इस पद के लिए बेहद योग्य हैं और मैं यह आपको बता सकता हूं .....। मैंने देखा और मैंने अध्ययन किया और आप इस नौकरी के लिए बहुत ही योग्य हैं, आप शानदार साबित होंगी। इस दौरान न्यायाधीश बारेट ने कहा कि वह उच्चतम न्यायालय में सेवाएं देने को ले कर बेहद उत्साहित हैं।

ट्रंप के समर्थन में हजारों लोगों ने मार्च निकाला

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रति अपना समर्थन व्यक्त के लिए हजारों लोग शनिवार को वाशिंगटन शहर में नेशनल मॉल के पास एकत्र हुए। उच्चतम न्यायालय के लिए एमी कोनेय बारेट को न्यायाधीश नामित करने की ट्रंप की घोषणा से कुछ घंटे पहले लिंकन मेमोरियल से यूएस कैपिटल तक यह मार्च निकाला गया ।भीड़ में कुछ लोगों ने मास्क पहन रखे थे जबकि कुछ ने ट्रंप के हस्ताक्षर वाली लाल टोपी पहन रखी थी जिन पर लिखा था, आओ अमेरिका को फिर से दैवीय बनाएं। उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने मार्च के बारे में कहा कि वह ट्रंप की तरफ से धन्यवाद करने के लिए आए हैं। उन्होंने लोगों से उच्चतम न्यायालय के लिए नामित बारेट के वास्ते प्रार्थना करने को कहा। मार्च का आयोजन ट्रंप समर्थक रेव फ्रैंकलिन ग्राहम ने किया। भीड़ में वर्जीनिया स्थित लिबर्टी विश्वविद्यालय के कई छात्र भी शामिल थे।

मेल-इन-बैलट नियम में बदलावों को लागू करने के खिलाफ याचिका दायर

राले (अमेरिका)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चुनाव अभियान समिति तथा रिपब्लिकन नेशनल कमेटी ने नॉर्थ कैरोलिना के चुनाव अधिकारियों के मेल-इन-बैलट नियमों में हुए बदलावों को लागू करने से रोकने के लिए याचिका दायर की है। याचिका में दावा किया गया है राज्य के चुनाव बोर्ड द्वारा अपनाई गई नई व्यवस्था से चुनाव के दौरान मतदान न कर पाने वालों को बाद में बिना उचित सत्यापन के मतदान का मौका मिलेगा, जिससे धांधली होने की संभावना है। चुनाव बोर्ड ने मंगलवार को नए दिशा-निर्देश जारी किए थे, जिनके तहत मेल के जरिए मतदान करने वाले मतदाताओं को नवंबर में चुनाव के दौरान मतपत्र भरने के दबाव का सामना करने की जगह कम जानकारी देकर मतदान करने की अनुमति होगी।

वाशिंगटन में सुप्रीम कोर्ट के नये न्यायाधीश की नियुक्ति की घोषणा को लेकर प्रेसवार्ता करने जाते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

नेपाली सेना के प्रमुख पृथक-वास में गए

● इस बीच, देश में रविवार को 1573 और मरीजों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि होने के बाद कुल मामले 73,394 हो गए हैं। संक्रमण से 53,898 लोग पूरी तरह से ठीक हो चुके हैं। रविवार को नौ और संक्रमितों की मौत के बाद मृतक संख्या 477 पहुंच गई है

भाषा। काठमांडो

नेपाल की सेना के प्रमुख जनरल पूर्ण चंद्र थापा पृथक-वास में चले गए हैं। उनका खानसामा कोविड-19 से संक्रमित पाया गया है। सेना ने एक बयान में बताया कि सेना प्रमुख के आवास में कार्यरत एक खानसामा कोविड-19 से संक्रमित पाया गया है, जिसके बाद जनरल थापा रविवार सुबह से पृथक-वास में हैं। बयान में कहा गया है, स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्रालय के निर्देशों के बाद से थापा पृथक-वास में रह रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, नेपाल में सुरक्षा कर्मी तथा स्वास्थ्य कर्मी कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। नेपाल की सेना एवं पुलिस के करीब पांच हजार कर्मी कोविड-19 से संक्रमित हुए हैं। सूत्रों ने बताया कि सेना के दो कर्मियों की कोविड-19 के कारण मौत हो चुकी है। इस बीच, देश में रविवार को 1573 और मरीजों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि होने के बाद कुल मामले 73,394 हो गए हैं। संक्रमण से 53,898 लोग पूरी तरह से ठीक हो चुके हैं। रविवार को नौ और संक्रमितों की मौत के बाद मृतक संख्या 477 पहुंच गई है।

चीन की कोयला खदान में कार्बन मोनॉक्साइट का स्तर अत्यधिक बढ़ने से 16 लोगों की मौत

एजेंसी। बीजिंग

दक्षिण-पश्चिमी चीन में कोयले की एक खदान में रविवार को कार्बन मोनॉक्साइड का स्तर अत्यधिक बढ़ जाने के कारण 16 लोगों की मौत हो गई। अधिकरियों और मीडिया ने यह जानकारी दी। चोंगचिंग नगर प्रशासन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि खदान में कुल 17 लोग फंस गए थे। एक व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अन्य लोगों को बचाया नहीं जा सका। शिन्हुआ समाचार एजेंसी की खबर के मुताबिक बेल्ट के जलने से कार्बन मोनॉक्साइड का स्तर अत्यधिक बढ़ गया था। खबर में यह नहीं बताया गया कि ए बेल्ट किस तरह की थी। उल्लेखनीय है कि कोयले की भूमिगत खदान से कोयला बाहर निकालने के लिए रबर की बेल्ट का भी इस्तेमाल होता है। खबर में जिला प्रशासन के हवाले से कहा गया है कि किजियांग जिले में स्थित यह खदान स्थानीय ऊर्जा कंपनी से संबद्ध है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मोदी के आश्वासन की सराहना की

भाषा। न्यूयॉर्क

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख टेड्रोस अदानोम गेब्रिएसस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस आश्वासन की सराहना की कि भारत कोविड-19 से लड़ रहे देशों की मदद के लिए अपनी टीका उत्पादन क्षमता का इस्तेमाल करेगा। गेब्रिएसस ने कहा कि इस महामारी को केवल संसाधनों के आदान-प्रदान के जरिए ही हराया जा सकता है ।मोदी ने शनिवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र में अपने संबोधन में कहा, टीका उत्पादन के मामले में भारत के सबसे बड़ा देश होने के नाते, मैं आज विश्व समुदाय को एक और आश्वासन देता हूं। भारत की टीका उत्पादन और आपूर्ति की क्षमता का इस्तेमाल इस संकट से लड़ाई में पूरी मानवता की मदद के लिए किया जाएगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख ने ट्वीट किया, एकजुटता की प्रतिबद्धता दिखाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आपका शुक्रिया। मिल-जुलकर अपनी ताकतों और संसाधनों के आदान-प्रदान के जरिए ही कोविड-19 महामारी हराया जा सकता है।

न्यूयॉर्क में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,000 से अधिक नए मामले आए

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क में पांच जून के बाद पहली बार एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,000 से अधिक नए मामले सामने आए हैं। राज्य में पिछले कुछ सप्ताह में स्कूल-कॉलेज और व्यवसाय फिर से खुलने से संक्रमण के मामलों में वृद्धि देखी गई है ।गवर्नर एंड्र्यू कुओमो ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार को 99,953 नमूनों की जांच के बाद 1,005 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई। हालांकि संक्रमण के मामलों की संख्या में न्यूयॉर्क अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर स्थिति में है। जुलाई के अंत से पूरे सितंबर माह में राज्य में संक्रमण के नए मामलों का दैनिक औसत 666 रहा है। पिछले सात दिनों में यह औसत बढ़कर 817 हो गया है।

ब्रिटेन की महारानी के जन्मदिन पर सम्मानित होने वालों में डॉक्टरों नर्सों की होगी बहुलता

भाषा। लंदन

ब्रिटेन में कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में उल्लेखनीय योगदान देने वाले डॉक्टरों, नर्सों और स्वयंसेवकों की बहुलता इसबार महारानी के जन्मदिन पर सम्मानित किए जाने वाले लोगों में होगी। डाउनिंग स्ट्रीट (ब्रिटिश सरकार का कार्यालय) ने रविवार को यह जानकारी दी।

सम्मानित होने वाले लोगों की सूची 10 अक्टूबर को सार्वजनिक की जाएगी। यह सूची पारंपरिक रूप से जून की शुरुआत में महारानी के 94 वें आधिकारिक जन्मदिव उत्सव के दौरान जारी होनी थी लेकिन कोविड-19 महमारी के शुरुआती महीनों में उल्लेखनीय योगदान देने वालों पर विचार करने के लिए इसे सार्वजनिक करने का कार्य स्थगित कर दिया गया था। डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा कि महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की मंजूरी के बाद सैकड़ों अतिरिक्त लोगों को प्राणघातक वायरस के खिलाफ अग्रिम मोर्चे और समुदाय में आगे आकर योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। इन लोगों को महामारी से पहले विभिन्न क्षेत्रों में योगदान के लिए चुने गए लोगों के साथ सम्मानित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा, वायरस को नियंत्रित करने, राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) और इस सर्दी में लोगों की जान बचाने के लिए हम सभी अपनी कोशिशें बढ़ा रहे हैं। मुझे खुशी है कि हमारे पास मौका है कि उनको सम्मानित करें जिन्होंने इस देश के लिए पहले ही बहुत कुछ दिया है। उन्होंने कहा, महारानी के जन्म सम्मान-2020 कई मौकों में पहला मौका है जब उनके कर्ज के प्रति आभार व्यक्त करेंगे और एक देश के तौर पर उनको धन्यवाद ज्ञापित करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष सम्मानितों की सूची को बंपर लिस्ट कहा जा रहा है और जॉनसन ने मई में उन लोगों को नामित करने का आह्वान किया था जिन्होंने महामारी से निपटने में अहम भूमिका निभाई है।

विस्कॉन्सिन में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी

मैडिसन। अमेरिका के विस्कॉन्सिन राज्य में शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 2,817 नए मामले सामने आए। विस्कॉन्सिन समेत देश के कुछ अन्य राज्यों में पिछले दो हफ्तों में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में वृद्धि देखी गई है ।जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं के मुताबिक संक्रमण के मामलों में औसतन 950 यानी 97 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

रजत गोयल का कहना है कि रीयल इस्टेट सेक्टर में करियर न केवल रीयल इस्टेट बनना है। इसमें उस व्यक्ति के लिए अनेक अवसर हैं जो ऐसे बहुआयामी सेक्टर में करियर बनाने के लिए खुद को चुनौती देना चाह रहा है

उज्ज्वल करियर बनाएं

करियर विकल्प के रूप में रीयल इस्टेट सेक्टर को चुनने से पहले यह समझना अत्यावश्यक है कि इस सेक्टर में करियर रोमांचक, चुनौतीपूर्ण और आर्थिक रूप से पुरस्कृत करने वाला होगा। इसके विपरीत, मन में यह स्पष्ट भी होना चाहिए कि रीयल इस्टेट करियर में करियर केवल रीयल इस्टेट एजेंट बनना नहीं है। इसमें उस व्यक्ति के लिए अनेक अवसर हैं जो रीयल इस्टेट जैसे बहुआयामी सेक्टर में करियर बनाने के लिए खुद को चुनौती देना चाह रहा है। मुख्य बात है कड़ी मेहनत जो इस पेशेवर के लिए बहुत ही जरूरी है।

हालांकि आवासीय रीयल्टी कंसलटेंट या ऐसोसिएट होना इस सेक्टर में चर्चित करियर विकल्पों में से एक है, लेकिन यही अकेला करियर विकल्प नहीं है। इससे इंकार नहीं है कि इस सेक्टर में अधिकांश हाई प्रोफाइल करियर विकल्पों में आवासीय परियोजनाओं को खरीदना और बेचना आता है, लेकिन इस सेक्टर में गहराई है, और यहां विभिन्न प्रकार के रोजगार उपलब्ध हैं।

रीयल इस्टेट निवेशक होना भी भारतीय रीयल इस्टेट में एक अवसर है। रीयल इस्टेट में निवेशक वो है जो संपत्ति को खरीदता और बेचने या किराए के उद्देश्य से उसे आधुनिक बनाता है। सक्रिय या निष्क्रिय, रीयल्टी निवेशक बनने के दो तरीके हैं। व्यक्ति आपके क्लासिक '' हाऊस फ्लिपर'' के रूप में एक सक्रिय निवेशक बनने का फैसला कर सकता है। निष्क्रिय निवेशक वो है जो परियोजना के दैनिक प्रबंधन में हस्तक्षेप किए बिना रीयल इस्टेट परियोजना में निवेश करता है। अगर किसी के पास निवेश के लिए ज्यादा पैसा नहीं भी होता है तो भी वह सार्वजनिक वित्तपोषित रीयल इस्टेट निवेशन में निवेशक बन सकता है।

दूसरा अवसर है प्रापर्टी मैनेजर का। इस पदधारक की प्रमुख भूमिका है अनुबंधित संपत्तियों से संबंधी रिक्तियों का विज्ञापन करना और उन्हें भरना, निपटारों तथा लीज लागू करने तथा परिसरों की सुरक्षा का काम देखना। इसके अलाव, प्रोजेक्ट मैनेजर की खास अन्य भूमिकाएं होती है जिनमें किराया दायित्व, किरायेदारों से मेलजोल बनाए रखना, किरायेदारों पर नजर रखना, मकानमालिक-किराएदार कानूनों की अच्छी जानकारी होना, संपत्ति का रखरखाव व मरम्मत तथा बजट प्रबंधन करना तथा वित्तीय रिकार्ड रखना शामिल है। कुछ कंपनियां प्रोजेक्ट मैनेजरों का काम ठेके पर देती है जो उनकी संपत्ति के आकार और उनकी आवश्यकताओं पर निर्भर करता है।

रीयल इस्टेट सेक्टर में एक और अवसर है लीजिंग कंसलटेंट का जिसकी जिम्मेदारी है फ्लैट, अपार्टमेंट्स, विला आदि आवासीय संपत्ति को संभावित ग्राहकों के सामने प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना। एक और भूमिका है अनुकूल व भरोसेमंद किराएदारों का पता लगाने में आवासीय भूस्वामियों की सहायता करना। मीडिया व एडवरटाइजिंग समेत विभिन्न उपकरणों के जरिए खाली पड़ी संपत्तियों को प्रोत्साहित करना भी लीजिंग कंसलटेंट की मुख्य भूमिका है।

कामर्शियल लीजिंग मैनेजरों को अक्सर कार्यालय स्थल या भंडारकेन्द्रों पर नियुक्त किया जाता है और रीयल इस्टेट सेक्टर में करियर विकल्प के रूप में भी देखा जाता है। वह बाजार स्थल पर निरंतर नजर रखने और उन सभी बदलावों का अध्ययन करने के लिए जिम्मेदार है जो बजट पर प्रभाव डाल सकते हैं जहां विशेष व्यवसाय की विभिन्न संपत्ति आवश्यकताएं होती हैं।

कामर्शियल लीजिंग मैनेजरों को अक्सर कार्यालय स्थल या भंडारकेन्द्रों पर नियुक्त किया जाता है और रीयल इस्टेट सेक्टर में करियर विकल्प के रूप में भी देखा जाता है। वह बाजार स्थल पर निरंतर नजर रखने और उन सभी बदलावों का अध्ययन करने के लिए जिम्मेदार है जो बजट पर प्रभाव डाल सकते हैं जहां विशेष व्यवसाय की विभिन्न संपत्ति आवश्यकताएं होती हैं।

आवश्यक लिखापढ़ी और प्रकियाओं को संभालने के लिए वसूली पेशेवर को या तो बैंक या प्राइवेट ऋणदाता द्वारा नियुक्त किया जाता है। वसूली पेशेवर ग्राहक की वित्तीय दस्तावेजों की समीक्षा तथा प्रतिबंध मामलों की प्रक्रिया के लिए जिम्मेदार होता है ताकि संपत्ति को यथासंभव शीघ्रता से दुबारा बेचा जा सके। ऐसे सलाहकार निर्धारित समयावधि में अपना काम पूरा करने में सक्षम व सुव्यवस्थित होने चाहिए।

रीयल इस्टेट अटार्नी भी इस सेक्टर में एक अवसर है। एक अनुभवी रीयल इस्टेट अटार्नी खरीद समझौतों, रहन दस्तावेजों और हस्तांतरण दस्तावेजों समेत कागजातों की सवधानीपूर्वक जाचं करता है और उन्हें तैयार करता है।

अनेक कंपनियां व्यावसायिक संपत्तियों की रोजमर्रा कामकाजी गतिविधियों की देखरेख व उनके संचालन करने के लिए कार्पोरेट रीयल इस्टेट मैनेजर नियुक्त करती हैं। उनका प्रमुख काम ग्राहक सेवा संबंधी प्रश्नों का प्रतिउत्तर देना, ग्राहक कार्य आदेशों, आवश्यकताओं व शर्तो को संसाधित करना होता है।

अधिकांश कंपनियां कार्पोरेट कम्युनिकेशन पेशेवरों को रखती है जिनका काम सार्वजनिक संबंधों से संबंधित कामकाजी गतिविधियों, प्रचार प्रसार, सोशल मीडिया, कंटेंट विकसित करना और संकट प्रबंधन का काम संभालना होता है।

भारतीय रीयल इस्टेट सेक्टर आवासी रीयल इस्टेट से बहुत ज्यादा बड़ा है। यह अपार रोजगार अवसरों से भरपूर है जिनमें विभिन्न क्षमताओं की आवश्यकता होती है।

- लेखक एमआरजी वर्ल्ड के ज्वाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर हैं।

बैंकिंग परीक्षाओं में कामयाबी के सूत्र

बैंकिंग सेक्टर में करियर के लिए लाभकारी विकल्प हैं लेकिन उन्हें पाने के लिए, व्यक्ति को दो स्तरों पर होने वाली परीक्षा में भाग लेना होता है। इस परीक्षा में सफल कैसे हों इसके बारे में टिप्स देती हैं **तरन्नुम एन रज़ा**

Tarannum N Raza
Senior Knowledge Expert, T.I.M.E. Delhi

बैंकिंग सेक्टर भारतीय अर्थव्यवस्था में एक संभावनाशील सेक्टर के रूप में उभरा है। यह रोजगार के अनेक क्षेत्र प्रदान करता है। आईबीपीएस पीओ परीक्षा दो चरणों में आयोजित होती है - प्रारम्भिक परीक्षा और मुख्य परीक्षा। इसमें खंडीय कट आफ और समग्र कटआफ की व्यवस्था है। आपको अंतिम मेरिट सूची में शामिल होने के लिए उच्च स्कोर प्राप्ति का लक्ष्य बनाना चाहिए। परीक्षा के कठिनाई स्तर को बढ़ाया गया है, इसलिए ठोस रणनीति के साथ बुनियादी जानकारियों की गहरी समझदारी की जरूरत है।

अंग्रेजी भाषा खंड की गहन समझदारी हो

यह खंड में विभिन्न प्रकार के मानक प्रश्नों समेत नए किस्म के प्रश्नों को शामिल देखा गया है। सभी किस्म के प्रश्नों का अभ्यास करें जो पिछले पांच सालों की प्रारम्भिक एवं मुख्य परीक्षाओं में पूछे गए हैं। व्याकरण और शब्दावली में अच्छी तरह पारंगत हों। इन पर आधारित प्रश्न को कम समय में उत्तम सटीकता से उत्तर दिया जा सकता है।

परीक्षा में अच्छी रणनीति है कि उन प्रश्नों से शुरूआत करें जिन्हें हल करने में कम समय लगता हो- क्लोज टेस्ट, फिल इन द ब्लैंक्स, पर्यायवाची/विपर्यायवाची, गलतियों को पहचानना, शब्दावली आधारित प्रश्न। पैराग्राफ आधारित प्रश्नों व काम्प्रिहेंशन पढ़ने

(शब्दावली प्रश्नों को छोड़कर, अगर हो तो) से संबंधित प्रश्नो को अंत में हल करना चाहिए- अगर समय अनुमति देता है। पेराजुम्बल्स या उलझे या घालमेलयुक्त प्रश्नों, जिनमें ज्यादा समय लगता है, को पिछले कुछ सालों में मुख्य परीक्षाओं में पूछते पाया गया है।

मात्रात्मक योग्यता खंड में अंकों की गणना करते रहें

प्रश्नों को हल करने में विवेकपूर्ण चुनाव के जरिए इस खंड में अच्छा स्कोर करें। 20 तक का गुणनफल पहाड़ा, 12 तक रेसिप्रोकल्स, और 1 से 30 तक की संख्याओं के स्क्वायर या वर्गमूल और क्यूब या घनमूल याद कर लें। सुनिश्चित करें कि आपने मूल अवधारणाओं को अच्छी तरह से समझ लिया है।

परीक्षा में एक अच्छी रणनीति यह है कि बताए गए क्रम में प्रश्नों को हल न करें, बल्कि पहले चरण में आसान प्रश्नों को चुनें। फिर दूसरे चरण में उन करनेयोग्य प्रश्नों को चुनें जिन्हें हल करने में ज्यादा समय लगता है।

यह बेहतर होगा यदि व्यक्ति सरलीकरण/अनुमानीकरण, मिसिंग सीरीज, क्वाड्रेटिक इक्वेशंस, से शुरूआत करे। इसके बाद डाटा व्याख्या(रेशियो एंड एवरेज बेस्ड क्वेश्चन) - मेन्स परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण। एक सेट का डाटा जटिल लग सकता है लेकिन प्रश्न सरल हो सकते हैं। कठिन सेटों में भी आसान प्रश्नों की तलाश करें। अंकगणित, प्रोबेबिलिटी(बेसिक लेवल), पी एंड सी पर अध्यायों को दोहराएं। जहां भी संभव हो निकटीकरण का उपयोग करें।

तर्कबुद्धि क्षमता खंड से कैसे निपटें

निम्न क्रम में प्रश्नों को हल करें: असमानता, न्याय (सिलोजिज्म), कोडिंग-डिकोडिंग, रक्त संबंध एवं कुछ अन्य विविधतापूर्ण प्रश्न। इनके बाद, आप पहेलियां/सीटिंग अरेंजमेंट प्रश्न हल कर सकते हैं। महत्ता वाले प्रश्नों पर ध्यान दें। जटिल बौद्धिक प्रश्नो को बाद में हल करें।

खुद को अपडेट रखें

वर्तमान हालातों पर किसी मासिक पत्रिका के साथ रोज अखबारों को पढ़ना बहुत जरूरी है। बीते छह महीने की खबरों से खुद को अवगत रखें। अर्थव्यवस्था, बजट, राजनीति, और बैंकिंग जागरूकता पर ध्यान दें। देशों की पूंजी, किताबों व लेखकों, ताजातरीन कंप्यूटर शब्दावली के बारे में जानें।

सभी खंडों में अनुमान लगाने से बचें अगर गलत होने पर परीक्षा में अंक काटे जाने का नियम है। समय प्रबंधन, पूर्ण समर्पण एवं उचित मार्गदर्शन आपको परीक्षाओं में सफलता दिलाएंगे।

स्कॉलरशिप

द युनिवर्सिटी आफ सिडनी फैकल्टी आफ इंजीनियरिंग एंड इंफार्मेशन टेक्नोलाजीज के किसी भी कोर्स में डॉ. अब्दुल कलाम इंटरनेशनल अंडरग्रेजुएट वित्तीय सहायता के लिए आवेदन आमंत्रित करती है।

इस स्कालरशिप का उद्देश्य अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम के अधिकतम प्रथम वर्ष की पचास फीसदी ट्यूशन फीस में छूट प्रदान करना है। इसके लिए आवेदन कर्ता को संतोषजनक अकादमिक प्रदर्शन के तहत प्रत्येक सेमेस्टर को न्यूनतम 65 प्रतिशत क्रेडिट औसत के साथ उत्तीर्ण करना होगा।

योग्यता: आवेदक ने न्यूनतम 98 या समकक्ष की आस्ट्रेलियन टर्टियरी एडमिशन रैंक (एटीएआर) के साथ युनिवर्सिटी द्वारा स्वीकृत इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी या आस्ट्रेलियन ईयर 12 की पढ़ाई पूर्ण करना आवश्यक है।

आवेदन कैसे करें: वित्तीय सहायता के अवसर के लिए छात्रों को आनलाइन फार्म भरना होगा। इसके लिए उन्हें https://www.sydney.edu.au/scholarships/b/dr-abdul-kalam-international-under-graduate-scholarship.html पर लॉगिन करना होगा।

आवेदन की अंतिम तिथि : 11 जनवरी, 2021

युनिवर्सिटी आफ मिन्नेसोटा में इंटरनेशनल स्टूडेंट व स्कॉलर सर्विसेज (आईएसएसएस) द्वारा वित्तपोषित आवश्यकता आधारित स्कालरशिप हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

कौन आवेदन योग्य है : भारतीय छात्र आवेदन कर सकते हैं।

योग्यता : ग्रांट युनिवर्सिटी द्वारा प्रदत्त किसी भी क्षेत्र में अंडरग्रेजुएट डिग्री कोर्स से अनुबंधित है।

इस वित्तीय सहायता की योग्यता हेतु, विदेशी छात्र के लिए आवश्यक है कि वह एफ-1 या जे-1 की छात्र अवस्था में हो तथा वो युनिवर्सिटी आफ मिन्नेसोटा-ट्विन सिटीज में पंजीकृत होना चाहिए।

सहयोगी दस्तावेज : आवेदकों को निम्न दस्तावेज जमा करने होंगे: अधिकृत दस्तावेज वे हैं जो मूल या मूल अकादमिक दस्तावेजों की संस्तुत प्रतियां हैं जिन्हें सेकेंडरी स्कूल या परीक्षा बोर्ड की ओर से सीधे सीलबंद, स्टैंपयुक्त लिफाफे में भेजा जाता है।

अधिकृत दस्तावेज की स्कैन या इलेक्ट्रानिक कापी को अनधिकृत माना जाता है।

प्रवेश शर्तें: युनिवर्सिटी में स्नातक डिग्री कोर्स के लिए आवेदन करते समय आवेदक हाईस्कूल उम्मीदवार होना चाहिए।

भाषा शर्त : विदेशी उम्मीदवारों को अमरीका में पढ़ने के लिए युनिवर्सिटी की अंग्रेजी भाषा दक्षता शर्तों पर खरा उतरना होगा।

आवेदन कैसे करें: इच्छुक उम्मीदवार आवेदन के लिए आमंत्रित है। उन्हें युनिवर्सिटी में अंडरग्रेजुएट डिग्री कार्यक्रम में दाखिला लेना होगा। पंजीकृत होने के बाद, उम्मीदवार इस स्कालरशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन की अंतिम तिथि : 1 फरवरी, 2021

साइबर सुरक्षा क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे अवसर

कोरोना महामारी के कारण दुनिया भर के व्यवसायों ने जबरदस्त परेशानियों का सामना किया है। जिस तरह संक्रामक फैलाव के कारण प्रत्यक्ष बैठकें व मुलाकातें आम तौर पर प्रतिबंधित हैं, डिजीटल माध्यमों से वर्चुअल होना साल 2020 के लिए नया सर्व-स्वीकृत नियम साबित होगा। यह विश्वस्तरीय व्यवसायों पर जबरदस्त और शायद अटल प्रभाव की भविष्यवाणी करेगा, जैसा कि तकनीक का अधिकतम उपयोग, कंपनियों के सोचने और काम करने का तरीका बदलने के लिए तैयार है।

वे व्यवसाय जिन्होंने डिजीटल पक्ष को अनदेखा किया है, वे शातिर हैकरों व अन्य साइबर अपराधियों द्वारा विकसित हानिकारक साफ्टवेयरों, वायरसों, मॉलवेयर आदि जैसे अनेक साइबर सुरक्षा हमलों से संबंधित खतरों से त्रस्त हैं। ये हमलावर कंपनी के निजी दायरे में तत्काल सेंध लगा सकते हैं और लाखों डालरों के डाटा व संपत्तियों को चुरा व बर्बाद कर सकते हैं। इसीलिए, कंपनी के लिए मजबूत, सक्षम तथा जबरदस्त साइबर सुरक्षा रणनीति निर्मित करना तथा सर्वसक्षम साइबर सुरक्षा ढांचा खड़ा करना मौजूदा हालात में सबसे महत्वपूर्ण कार्य है।

मोर्डोर इंटेलीजेंस की रिपोर्ट के अनुसार, साइबर सुरक्षा बाजार 2019 में उल्लेखनीय 161.07 अरब डॉलर का था जो अब 2025 में 363.05 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंचने का अनुमान है जो 2020-25 की अवधि के बीच सीएजीआर पर 14.5 फीसदी की दर से बढ़ रहा है। प्रचंड गति से बढ़ रही साइबर सुरक्षा घटनाओं व सेंधमारियों की रोशनी में, साइबर सुरक्षा समाधानों का बाजार और भी तेज गति से बढ़ने वाला है। सीएजीआर की 16 फीसदी लहर के दौरान, पीडब्लूसी-डीएससीआई की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में साइबर सुरक्षा क्षेत्र साल 2022 तक 3 अरब डॉलर से अधिक होने का अनुमान है।

भारत में भी, साइबर सुरक्षा कर्मचारी की मांग उल्लेखनीय स्तर पर बढ़ रही है जैसे जैसे व्यवसाय निरंतर बढ़ते साइबर हमलों से निपटने की जद्दोजहद में दिखते हैं। कीमती रोजाना 4000 से अधिक साइबर हमलों से डाटा संपत्तियां खोने के खतरे का सामना करते व्यवसायों से, इंटरनेट तेजी से एक अशुभ खतरे में बदल रहा है। जब तक कंपनियां रोजमर्रा स्तर पर इन भयंकर साइबर सेंधमारियों पर रोक लगाने के लिए साइबर सुरक्षा समाधान निर्मित करने की ओर संसाधनों को केन्द्रित नहीं करती हैं, व्यवसायों को गंभीर तथा कभी कभी अपूरणीय हानि का सामना करना तय है।

नेसोचेम की रिपोर्ट कहती है कि अकेले भारत को दस लाख साइबर सुरक्षा पेशेवरों की आवश्यकता होगी। रोजगार पोर्टल इंडीड के अनुसार, पिछले कुछ सालों में साइबर सुरक्षा रोजगार पदों के संदर्भ में पेशेवर पदों में 150 फीसदी की मांग वाला भारत आपूर्ति के बरक्त सर्वाधिक मांग प्रदर्शित करता है।

माइंड इट

भारतीय तकनीकी कंपनियों के समक्ष समस्या है

बेइंतहा बढ़ते साइबर खतरों से निपटने हेतु योग्य विशेषज्ञों की कमी होना, जो लगातार कम सुरक्षित व्यवसायों की आंतरिक प्रणालियों में सेंध लगाने के अवसर में लगे रहते हैं। नेसोचेम की रिपोर्ट कहती है कि अकेले भारत को दस लाख साइबर सुरक्षा पेशेवरों की आवश्यकता होगी। रोजगार पोर्टल इंडीड के अनुसार, पिछले कुछ सालों में साइबर सुरक्षा रोजगार पदों के संदर्भ में पेशेवर पदों में 150 फीसदी की मांग वाला भारत आपूर्ति के बरक्त सर्वाधिक मांग प्रदर्शित करता है। साइबर सुरक्षा योग्य संसाधनों की चाहत के बतौर कंपनियों के लिए खतरनाक मुसीबत जरा भी कम नहीं है और उचित रूप में सक्षम साइबर सुरक्षा प्रणाली का हैकरों व साइबर शौकीनों द्वारा बहुत आसानी से निर्दयतापूर्वक दोहन किया जा सकता है।

व्यापक साइबर सुरक्षा किलेबंदी की अनिवार्यता के साथ साइबर सुरक्षा साफ्टवेयर समाधानों में प्रशिक्षित व्यक्तियों की जरूरत अत्यधिक है और अन्वेषी कार्य जो फायरवाल्स, एंटी वायरस प्रोग्राम, क्लाउड डाटा बैकअप, कंपनी डाटा तक पहुंच को रोकना और गहन निगरानी के लिए ईमानदारीपूर्वक नीतिगत आचरण करना और संभावित मालवेयर की जांच जैसे संपदाओं को सशक्त बनाता है। कंपनियों को कृत्रिम मेधा, बिग डाटा और मशीन लर्निंग जैसे उल्लेखनीय स्तर पर नवीन तकनीकी उपकरणें द्वारा प्रस्तावित व्यापक संभावनाओं पर भी ध्यान देने की जरूरत है जिससे कि खतरों की जवाबी संरचनाओं का मजबूती मिल सके क्योकि क्रांतिकारी साफ्टवेयर खोज अनुकूल तरीके और डाटा प्रदान करने में सहायता करते हैं जो कि समस्या के प्रबल समाधानों के निर्धारण में आवश्यक होते हैं।

राकेश खरवाल
- लेखक साइबरबिट के एमडी-भारत